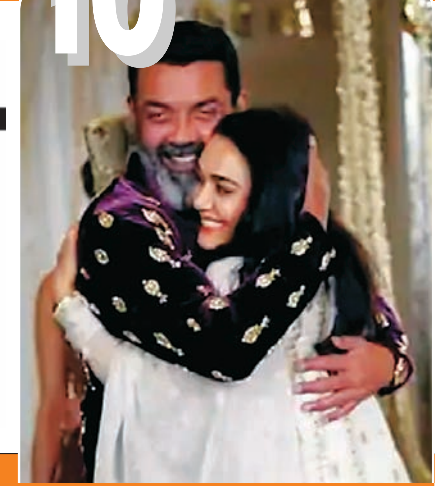

14:10:2025

अखबार जो बदल दे नजरिया

राष्ट्रीय ख़बर हमारी नज़र

पेज » 12 मूल्य » 3 रुपये » वर्ष » 16 अंक » 279 | epaper.rashtriyakhabar.com | कार्तिक, कृष्णपक्ष अष्टमी, विक्रम संवत 2082

web: www.rashtriyakhabar.com

रांची पारा अपडेट
मैक्सिमम 27.00 °c
मिनिमम 19.00 °c
सूर्यास्त (आज) » 17 .23 बजे
सूर्योदय (कल) » 05 .45 बजे

चाणक्य नीति

धर्माऽऽख्याने श्मशने च रोगिणां या मतिर्भवेत्।
सा सर्वदैव तिष्ठच्चेत् को न मुच्येत बन्धनात्॥

भावार्थ : धार्मिक कथा आदि के सुनने के समय, श्मशन भूमि में और रोगी होने पर मनुष्य के मन में जो सद्बुद्धि उत्पन्न होती है, यदि वह सदैव स्थिर रहे तो मनुष्य संसार के बंधनों से छूट सकता है।

राष्ट्रीय खबर संक्षिप्त हलचल

गाजा शांति सम्मेलन में पीएम मोदी की अनुपस्थिति पर शशि थरूर ने उठाए सवाल

नई दिल्ली: कांग्रेस के वरिष्ठ नेता शशि थरूर ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा कि जब दर्जनों देशों ने अपने राष्ट्रपति या प्रधानमंत्री स्तर के प्रतिनिधियों को भेजा है, तब भारत का इतना निम्न स्तर का प्रतिनिधित्व हमारी आवाज को कमजोर कर सकता है।मिस्र के शर्म अल-शेख में गाजा शांति सम्मेलन हो रहा है। इस सम्मेलन में भारत का प्रतिनिधित्व विदेश राज्य मंत्री कीर्ति वर्धन सिंह कर रहे हैं। विदेश राज्य मंत्री के शामिल होने पर कांग्रेस नेता शशि थरूर ने सवाल उठाया है। उन्होंने पूछा है कि क्या यह भारत की रणनीतिक दूरी दर्शाती है या फिर एक महत्वपूर्ण कूटनीतिक मौका गंवा दिया है दरअसल, इस उच्चस्तरीय सम्मेलन में विश्व के प्रमुख नेता शामिल हो रहे हैं, जिनमें अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप, मिस्र के राष्ट्रपति अब्देल फत्ता अल-सिसी, संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंतोनियो गुटेरेस तथा ब्रिटेन, फ्रांस, जर्मनी, इटली, स्पेन, तुर्की, कतर और जॉर्डन जैसे देशों के राष्ट्राध्यक्ष शामिल हैं। सम्मेलन का उद्देश्य गाजा में युद्धविराम की रूपरेखा तैयार करना, मानवीय सहायता का समन्वय स्थापित करना तथा पुनर्निर्माण के लिए एक रोडमैप पर वैश्विक सहमति बनाना है।

तालिबान-पाकिस्तान में दोस्ती कराने चले थे जिनपिंग और बढ़ गई दुश्मनी!

नई दिल्ली: पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच शनिवार रात सीमा पर भीषण संघर्ष हुआ। इस संघर्ष में दोनों पक्षों की तरफ से कइयों के हताहत होने की खबर है। अफगानिस्तान-पाकिस्तान के बीच बढ़े तनाव ने चीन को चिंतित कर दिया है। चीन दोनों देशों को नजदीक लाने की कोशिश कर रहा है और हालिया तनाव से उसकी इस कोशिश को बड़ा झटका है।अपना स्वार्थ साधने के लिए चीन अफगानिस्तान और पाकिस्तान को साथ लेने के लिए जी-तोड़ मेहनत कर रहा था। लेकिन हाल ही में दोनों पक्षों के बीच लड़ाई से चीन के माथे पर बल पड़ गए हैं। पाकिस्तान अफगानिस्तान सीमा पर शनिवार रात दोनों पक्षों के बीच भीषण संघर्ष देखने को मिला। पाकिस्तान और अफगानिस्तान, दोनों ही एक-दूसरे पर हमले का आरोप लगा रहे हैं। इस हमले को लेकर अब चीन का भी बयान सामने आ गया है।चीन ने कहा है कि वो दोनों देशों के बीच हुए संघर्ष को लेकर चिंतित है। चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता लिन जियान ने सोमवार कहा, 'चीन आशा करता है कि दोनों देश दूर की सोचते हुए शांत और संयमित रहेंगे, बातचीत के जरिए आपसी चिंताओं को हल करने पर अडिग रहेंगे। दोनों पक्ष संघर्षों को बढ़ाने से बचेंगे, और मिलकर अपने देशों और क्षेत्र में शांति और स्थिरता बनाए रखेंगे।' पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच सीमा झड़पों में दर्जनों तालिबानी लड़ाके और पाकिस्तानी सैनिक मारे गए हैं।

अपरिहार्य कारणों से आज का अंक12 पृष्ठों का है। पाठकों की असुविधा के लिए हमें खेद है।

समझौता › दो वर्ष बाद एक दुखद स्थिति का अंततः अंत हुआ

हमास के कब्जे से रिहा हुए सभी जीवित इजरायली

- डोनाल्ड ट्रंप की पहल कामयाब रही
- खुद नेतन्याहू भी भारी दबाव में थे
- फिलिस्तीनी कैदियों की रिहाई की बारी

राष्ट्रीय खबर

तेल अवीव: इजराइल और हमास के बीच गाजा पट्टी में लगभग दो साल तक चले विनाशकारी युद्ध के बाद, एक सफल युद्धविराम समझौते के तहत हमास ने सभी इजराइली बंधकों को अंतर्राष्ट्रीय रेड क्रॉस की हिरासत में रिहा कर दिया है। इजराइल के सार्वजनिक प्रसारक के अनुसार, इन बंधकों को दो समूहों में छोड़ा गया। पहले समूह में सात बंधक शामिल थे, जबकि 13 बंधकों के दूसरे समूह को दक्षिणी गाजा पट्टी के खान यूनिस में स्थानांतरित किया गया।

रिहा किए गए बंधकों के नाम इस प्रकार हैं। पहले समूह में: भाइयों गली और ज़िव बर्मन, मतन अंगरेस्ट, एलन ओहेल, ओमरी मीरान, एतान मोर और गाय गिल्बोआ-दलाल। दूसरे समूह में: बार कुपरश्टाइन, एव्यातार डेविड, योसेफ-चैम ओहाना, सेगेव कालफोन, अविनातन ओर, एल्काना बोहबोट, मैक्सिम हर्किन, निम्रोद कोहेन, डेविड कुनियो, मतन अंगरेस्ट, एतान मोर, रोम ब्रास्लैब्स्की और एरियल कोनियो। उनकी वर्तमान शारीरिक और मानसिक स्थिति के बारे में तत्काल कोई जानकारी उपलब्ध नहीं है, लेकिन देश भर में सार्वजनिक स्क्रीनिंग में इस स्थानांतरण को देख रहे हजारों इजराइलियों ने, जब अंतर्राष्ट्रीय रेड क्रॉस समिति बंधकों को ले जा रही थी, तब जोरदार जयकारे लगाए। पहले बैच में रिहा किए गए सभी सात बंधकों को तुरंत शारीरिक और मानसिक जाँच के लिए सीमावर्ती रीम समुदाय के पास एक आईडीएफ सुविधा में पहुँचाया गया, जिसके बाद वे अपने परिवारों से मिलेंगे।

यह बंधक और कैदियों का महत्वपूर्ण आदान-प्रदान दो साल के युद्ध के बाद अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प द्वारा किए गए एक सफल युद्धविराम के परिणामस्वरूप हुआ है। ट्रम्प अमेरिका द्वारा प्रस्तावित समझौते और युद्धोत्तर योजनाओं पर चर्चा करने के लिए अन्य नेताओं के साथ तेल अवीव पहुँचे हैं। अब, बंधकों की रिहाई के साथ, गाजा के भविष्य पर सवाल मंडराने लगे हैं, क्योंकि इस सबसे घातक युद्ध ने फिलिस्तीनी क्षेत्र को मलबे में बदल दिया है। युद्ध समाप्त होने के साथ ही, अकालग्रस्त गाजा में मानवीय सहायता में भी बड़ी वृद्धि की उम्मीद है, जहाँ लाखों लोग बेघर हो गए हैं।

बंधकों की वापसी इजराइल के लिए एक दर्दनाक अध्याय का अंत है। अक्टूबर 2023 में हमास के हमले में पकड़े जाने के बाद से, जिसने इस युद्ध को जन्म दिया, इजराइलियों ने एकजुटता में पीले पिन और रिबन पहने, और उनकी रिहाई की मांग को लेकर हजारों लोग उनके परिवारों के साथ साप्ताहिक प्रदर्शनों में शामिल हुए। पिछले हफ्ते, भारी अंतरराष्ट्रीय दबाव और इजराइल के बढ़ते अलगाव के बीच, दोनों कट्टर दुश्मन युद्धविराम पर सहमत हुए।

यह संभावना नहीं है कि 28 अन्य मृत बंधकों के अवशेष एक ही समय पर वापस आ पाएँगे। इजराइल के समन्वयक गैल हिर्श ने कहा कि एक अंतरराष्ट्रीय कार्यबल उन मृत बंधकों का पता लगाने के लिए काम करेगा जो 72 घंटों के भीतर वापस नहीं आ पाते हैं।

इस बीच, फिलिस्तीनी इजराइल द्वारा बंधक बनाए गए सैकड़ों कैदियों की रिहाई का इंतजार कर रहे थे, जिसके समय की घोषणा अभी नहीं की गई है। इन कैदियों में इजराइलियों पर हमलों के लिए आजीवन कारावास की सजा काट रहे 250 लोग शामिल हैं, साथ ही युद्ध के दौरान गाजा से पकड़े गए और बिना किसी आरोप के बंदी बनाए गए 1,700 लोग भी शामिल हैं। उन्हें पश्चिमी तट या गाजा वापस भेज दिया जाएगा या निर्वासन में भेजा जाएगा।

करवा चौथ की रात ही भाग गयी बारह लड़कियां

लुटेरी दुल्हनों के गैंग का कारनामा देख पुलिस हैरान

ए आई के बनायी गयी काल्पनिक तस्वीर

- सभी लड़कियां बिहार से व्याही गयी थी
- भूखी रहकर करवा चौथ का व्रत भी रखा
- सुबह देखा तो जेवर और नकदी सहित गायब

राष्ट्रीय खबर

नईदिल्ली: वाह री करवा चौथ! अलीगढ़ वालों की प्रेम कहानी में ऐसा क्लाइमेक्स आया कि बेचारे पतियों को अब पुलिस की शरण में जाना पड़ रहा है। सुना है, इस बार चांद देखने के बाद 12 संस्कारी बहुओं ने अपने-अपने पतियों को गहरी नींद में सुलाकर, 30 लाख से ज्यादा के जेवरात और नकदी पर हाथ साफ कर दिया। ये कोई मामूली चोरी नहीं, बल्कि प्यार के नाम पर की गई एक भव्य, संगठित लूट का मामला है।

बात है अलीगढ़ और इगलास कस्बे की, जहां कुछ ही दिन पहले बिहार से आईं 12 भोली-भाली युवतियों ने 12 नौजवानों के साथ सात फेरे लिए थे। सब कुछ ठीक चल रहा था। 9 तारीख को शादी हुई, और 10 तारीख को था करवा चौथ का पवित्र व्रत! इन आदर्श दुल्हनों ने पूरे दिन भूखी-प्यासी रहकर, पति की लंबी आयु के लिए व्रत रखा। ससुराल वालों ने भी इन्हें महंगे गहनों और साड़ियों से लाद दिया। पति परमेश्वर भी फूले नहीं समा रहे थे कि कितनी अच्छी पत्नी मिली है!

रात को चांद निकला, पूजा हुई, पकवान खाए गए, और फिर शुरू हुआ असली खेल! रिपोर्ट के अनुसार, खाना खाने के बाद सभी परिवार ऐसे सोए कि सीधे सुबह ही आंख खुली। तब तक घर से दुल्हन, गहने और कैश सब रफूचक्कर हो चुका था। यह कोई साधारण पारायण नहीं था, बल्कि एक महापारायण था, जिसमें दुल्हनों ने पति के बजाय धन की लंबी आयु का व्रत रखा होगा!

अब तक चार पतियों ने तो रोते-धोते रिपोर्ट दर्ज करा दी है, जिसमें एक बेचारे निहाल शर्मा के बेटे प्रतीक की पत्नी 4 लाख नकद और 6 लाख के गहने ले उड़ी। बाकी आठ » पेज 11 भी देखें

आईपीएस वाई पूरन कुमार की आत्महत्या का मामला गरमाया

कमेटी ने हरियाणा सरकार 48 घंटे का समय दिया

- बड़े अफसरों पर लगा है उकसाने का आरोप
- डीजीपी कपूर को हटाने की मांग पर जोर है
- परिवार ने पोस्टमार्टम पर विरोध जताया है

राष्ट्रीय खबर

चंडीगढ़: हरियाणा के आईपीएस अधिकारी वाई पूरन कुमार की कथित आत्महत्या मामले में गठित 31 सदस्यीय समिति ने रविवार को चंडीगढ़ प्रशासन और हरियाणा सरकार को राज्य के पुलिस प्रमुख शत्रुजीत कपूर को हटाने के लिए 48 घंटे का समय दिया। कपूर उन अधिकारियों में शामिल हैं जिन पर कुमार की पत्नी, आईएएस अधिकारी अमनीत पी कुमार ने अपने पति को कथित तौर पर आत्महत्या के लिए उकसाने का आरोप लगाया है। समिति ने रविवार को चंडीगढ़ में एक महापंचायत के दौरान यह मांग की। कार्यक्रम स्थल के आसपास भारी पुलिस बल तैनात किया गया था। समिति के एक प्रवक्ता ने संवाददाताओं से कहा, हरियाणा के डीजीपी और रोहतक के पूर्व एसपी को गिरफ्तार किया जाना चाहिए। डीजीपी को उनके पद से हटाया जाना चाहिए। हमने 48 घंटे का समय » पेज 11 भी देखें

जहरीले कफ सिरप से मौत मामले में स्टालिन सरकार का कड़ा रुख

कोल्ड्रिफ बनाने वाली कंपनी का लाइसेंस किया रद्द

- डायथिलीन ग्लाइकॉल पर सारी कार्रवाई
- कंपनी का मालिक पहले ही हुआ गिरफ्तार
- देश में कुल 25 बच्चों की मौत की सूचना

राष्ट्रीय खबर

चेन्नई: तमिलनाडु के स्वास्थ्य विभाग ने घोषणा की है कि श्रेसन फार्मास्यूटिकल कंपनी को उसके कफ सिरप में जहरीले दूषित पदार्थ, विशेष रूप से डायथिलीन ग्लाइकॉल पाए जाने के बाद आधिकारिक तौर पर बंद कर दिया गया है। राज्य की सभी दवा निर्माण इकाइयों में व्यापक निरीक्षण किए जा रहे हैं। तमिलनाडु ड्रग्स कंट्रोल विभाग ने सोमवार को श्रेसन फार्मास्यूटिकल कंपनी का विनिर्माण लाइसेंस रद्द करने की घोषणा की। यह कंपनी कोल्ड्रिफ नामक कफ सिरप का निर्माण करती थी, जिसे मध्य प्रदेश में कम से कम 22 लोगों की मौत से जोड़ा गया है। राज्य के स्वास्थ्य विभाग ने बताया कि कंपनी के कफ सिरप कोल्ड्रिफ में जहरीले दूषित पदार्थ, विशेष रूप से डायथिलीन ग्लाइकॉल (डीईजी), की जाँच के बाद इसे आधिकारिक तौर पर बंद कर दिया गया है। इसके अतिरिक्त, विभाग ने तमिलनाडु की सभी दवा निर्माण इकाइयों में व्यापक निरीक्षण का आदेश दिया है, और पूरे राज्य में बड़े पैमाने पर निरीक्षण वर्तमान में जारी हैं।

मध्य प्रदेश की एक विशेष जाँच दल द्वारा 9 अक्टूबर को चेन्नई में गिरफ्तार किए जाने के बाद श्रेसन फार्मा के मालिक रंगनाथन को छिंदवाड़ा के परासिया कोर्ट ने 10 दिन की पुलिस हिरासत में भेज दिया। कर्तव्य में लापरवाही के आरोप में दो वरिष्ठ ड्रग इंस्पेक्टरों को भी निलंबित कर दिया गया है। तमिलनाडु सरकार ने राज्य में अन्य » पेज 11 भी देखें

धारा 370 के विरोध में सरकारी नौकरी से दिया था इस्तीफा

पूर्व आईएएस कन्न गोपीनाथन कांग्रेस में शामिल

- कश्मीर के फैसले का किया था मुखर विरोध
- के सी वेणुगोपाल ने उन्हें आमंत्रित किया
- राहुल और खडगे से भी मिल चुके हैं वह

राष्ट्रीय खबर

नईदिल्ली: भारतीय प्रशासनिक सेवा से इस्तीफा देने के छह साल बाद, कन्नन गोपीनाथन सोमवार को कांग्रेस पार्टी में शामिल हो गए। कांग्रेस के संगठन महासचिव और सांसद केसी वेणुगोपाल ने पार्टी के इस नवीनतम सदस्य का परिचय कराते हुए कहा, वह उन बहादुर नौकरशाहों में से एक हैं, जिनमें देश के दलितों और हाशिये पर पड़े लोगों के प्रति जुनून है और जिन्होंने हमेशा न्याय और एकता के लिए लड़ाई लड़ी है। गोपीनाथन ने जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 को समाप्त किए जाने के विरोध में अपनी नौकरी से इस्तीफा दे दिया था। 2012 बैच के आईएएस अधिकारी गोपीनाथन ने पूर्वोत्तर, विशेष रूप से आइजोल में कई छोटी-बड़ी परियोजनाओं को शुरू करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी।

पार्टी में शामिल होने के बाद अपनी पहली प्रेस कॉन्फ्रेंस में गोपीनाथन ने कहा, मैं केवल उन लोगों को देशद्रोही मानता हूँ जो जानते हैं कि देश सही दिशा में नहीं जा रहा है, लेकिन अपने लाभ, लालच या अस्तित्व के लिए चुप रहते हैं। » पेज 11 भी देखें

ट्रेस › अंतरिक्ष में फिर से एक नई घटना ने वैज्ञानिकों को हैरान किया

धूमकेतु 31-एटलस मंगल ग्रह के करीब से गुजरा

- मंगल ग्रह का आसमान लाल नजर आने लगा
- सिर्फ एक सफेद बिंदू के जैसा नजर आया
- अपने पीछे धूल का गुबार छोड़ता गया

राष्ट्रीय खबर

रांची: यूरोपीय अंतरिक्ष एजेंसी के दो प्रमुख मंगल ऑर्बिटर एक्सोमार्स ट्रेस गैस ऑर्बिटर और मार्स एक्सप्रेस ने एक दुर्लभ अंतरतारकीय धूमकेतु 3क-एटलस को मंगल ग्रह के पास से गुजरते हुए देखा। यह खगोलीय घटना 3 अक्टूबर को धूमकेतु के मंगल के सबसे करीब (लगभग 30 मिलियन किलोमीटर दूर) आने पर हुई। ईएसए के एक्सोमार्स टीजीओ ने अपने खास कैमरे, कलर एंड स्टीरियो सरफेस इमेजिंग सिस्टम (सीएएसएसआईएस) का इस्तेमाल » पेज 11 भी देखें

दोनों ऑर्बिटर ने धूमकेतु पर अपने उपकरणों को केंद्रित किया

तस्वीरों में, धूमकेतु 3क-एटलस एक हल्का, अस्पष्ट सफेद बिंदु दिखाई देता है। इतना दूर होने के बावजूद, टीजीओ इन तस्वीरों में धूमकेतु के बर्फीले-चट्टानी नाभिक के चारों ओर गैस और धूल के बादल, जिसे कोमा कहा जाता है, को स्पष्ट रूप से दर्शाने में सफल रहा। 1 से 7 अक्टूबर के बीच, दोनों ऑर्बिटर ने धूमकेतु पर अपने उपकरणों को केंद्रित किया। सीएएसएसआईएस टीम के प्रमुख अन्वेषक, निक थॉमस ने बताया, यह उपकरण के लिए एक बहुत ही चुनौतीपूर्ण अवलोकन था। धूमकेतु हमारे सामान्य लक्ष्य की तुलना में 10,000 से 100,000 गुना अधिक धुंधला है। कोमा की दृश्यता: धूमकेतु की दूरी बहुत अधिक होने के कारण सीएएसएसआईएस नाभिक को कोमा से अलग नहीं कर सका। फिर भी, कोमा स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहा था। सूर्य की रोशनी से गर्म होने पर धूमकेतु से गैस और धूल निकलती है, जो कोर के चारों ओर एक धुंधला प्रभामंडल बनाती है, जो हजारों किलोमीटर तक फैला हुआ है। मार्स एक्सप्रेस का प्रयास: मार्स एक्सप्रेस से अभी तक 3क-एटलस का पता नहीं चला है, क्योंकि इसकी एक्सपोजर सीमा केवल 0.5 सेकंड है, जबकि टीजीओ पांच सेकंड के एक्सपोजर का उपयोग करने में सक्षम था। वैज्ञानिक अब सिग्नल को बढ़ाने के लिए मार्स एक्सप्रेस की कई छवियों को संयोजित करने की कोशिश कर रहे हैं।

राज्य में घुसपैठियों का पता लगाने का काम करेगी उच्च स्तरीय केंद्रीय समिति

असमिया हिंदू अब 40 प्रतिशत आबादी हैं :सीएम हिमंत बिस्वा सरमा

- प्रेस से बात करते हुए सरमा ने इस पर चिंता जतायी
- श्रीभूमि पार्किंग के विवाद में चालक पर चाकू से हमला
- मानवाधिकार परिषद और छात्र संघ का प्रतिबंध

भूपेन गोस्वामी

गुवाहाटी: असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने राज्य में जनसांख्यिकीय बदलावों पर गहरी चिंता व्यक्त की है, जहाँ असमिया हिंदू अब राज्य की आबादी का लगभग 40 प्रतिशत हैं, जो मुस्लिम आबादी के लगभग बराबर है। उन्होंने इसे एक चिंता का विषय बताते हुए केंद्र सरकार के प्रस्तावित जनसांख्यिकी मिशन के तहत त्वरित कार्रवाई की माँग की है।

गुवाहाटी में पत्रकारों को संबोधित करते हुए, सरमा ने कहा कि असम जनसांख्यिकीय परिवर्तन का एक बड़ा शिकार रहा है। उनके अनुसार, 2021 में मुस्लिम आबादी 38 प्रतिशत को पार कर गई थी और अब यह लगभग 39.5 » पेज 11 भी देखें

शहर >> अपडेट

पात्र लाभार्थियों को मिले योजनाओं का लाभः चमरा लिंडा

रांचीः कल्याण मंत्री चमरा लिंडा ने कहा कि राज्य सरकार अनुसूचित जनजाति, अनुसूचित जाति और पिछड़ा वर्ग के सामाजिक, शैक्षणिक और आर्थिक सशक्तिकरण के प्रति पूरी तरह समर्पित है। उन्होंने कहा कि योजनाओं की नियमित समीक्षा से पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित होती है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि प्रत्येक योजना का लाभ समयबद्ध रूप से पात्र लाभार्थियों तक पहुँचे और किसी भी स्तर पर लापरवाही न हो। मंत्री ने ये बातें अधिकारियों के साथ समीक्षा में कही है। उन्होंने विशेष रूप से प्री-मैट्रिक और पोस्ट-मैट्रिक छात्रवृत्ति योजनाओं के लंबित भुगतानों की समीक्षा करने को कहा। कल्याण मंत्री ने कहा कि छात्रवृत्ति सरकार की शीर्ष प्राथमिकताओं में शामिल है और इसके लिए केंद्र सरकार से लंबित राशि की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए निरंतर पहल की जा रही है।इसके अलावा वन अधिकार अधिनियम, धरती आवास ग्राम उत्कर्ष योजना, संविधान अनुच्छेद 275 के अंतर्गत स्वीकृत योजनाएँ, मुख्यमंत्री रोजगार सृजन योजना, सरना-मसना स्थल संरक्षण कार्य, छात्रावास और आवासीय विद्यालयों की स्थिति, तथा वाद्य यंत्र वितरण योजना जैसे प्रमुख विषयों पर भी विस्तार से चर्चा की गई।

राजनीतिक इवेंट्स >>

कुड़मियों को एसटी का दर्जा मिला तो होगा उग्र आंदोलन : अजय तिर्की

रांचीः आदिवासी अस्तित्व बचाओ मोर्चा के संयोजक अजय तिर्की ने सिरमटोली सरना स्थल में कहा कि जब-जब कुड़मी एसटी का स्टेटस मांगेगा, तब-तब आदिवासी विद्रोह करने के लिए सड़क पर उतरेंगे। आदिवासी समाज अपने अस्तित्व से समझौता नहीं करता है। आदिवासी समुदाय शुरू से आंदोलनकारी है। आदिवासी समाज 2018 से ही कुड़मी को एसटी सूची में शामिल करने का विरोध करता आ रहा है। कुड़मी आदिवासी बनने के लिए कोई भी मापदंड पूरा नहीं करता है। अगर केंद्र सरकार ने कुड़मी को एसटी दर्जा दिया, तो यह आंदोलन शांतिपूर्ण स्थान पर उग्र रूप ले लेगा। कुड़मी प्रवासी, मुंडाओं की संस्कृति पर किया कब्जा - ग्लैडसन डुंगडुंग
सामाजिक कार्यकर्ता ग्लैडसन डुंगडुंग ने कहा कि प्रसिद्ध एथ्नोलॉजिस्ट एसी रॉय और ईटी डॉल्टन ने अपने शोध में स्पष्ट रूप से लिखा है कि कुड़मी समुदाय मूल रूप से प्रवासी है। वे महाराष्ट्र से आए है। इन लोगों ने मुंडाओं के गांवों पर कब्जा किया।

प्रेस वार्ता > झामुमो के राष्ट्रीय महासचिव ने रविवार को संवाददाताओं से कहा

चुनाव से पहले सीबीआई ईडी बना भाजपा का चुनावी औजारः सुप्रियो

▶▶ दिल्ली का राउज एवेन्यू अब पटना शिफ्ट हो गया है

▶▶ सीबीआई ई डी और अन्य एजेंसियां भाजपा के राजनीतिक औजार की तरह काम कर रही हैं

राष्ट्रीय खबर

रांचीः झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के राष्ट्रीय महासचिव सुप्रियो भट्टाचार्य ने रविवार को पार्टी कार्यालय में प्रेस वार्ता कर केंद्र सरकार और जांच एजेंसियों पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि बिहार विधानसभा चुनाव से ठीक पहले लालू प्रसाद यादव और उनके परिवार के खिलाफ ईडी द्वारा चार्जशीट दाखिल किया जाना पूरी तरह से राजनीतिक कदम है। भ ट्टाचार्य ने कहा कि दिल्ली का राउज एवेन्यू अब पटना शिफ्ट हो गया है। उन्होंने आरोप लगाया कि चुनाव से पहले सीबीआई ई डी और अन्य एजेंसियां भाजपा के राजनीतिक औजार की तरह काम कर रही हैं। 25 मई को उइकने क्फ्ळ्ळ्ड मामले में अपनी दलीलें पूरी की थीं, पर चार्जशीट 13 अक्टूबर को दाखिल की गई, जब आचार संहिता लागू हो चुकी है। यह संयोग नहीं साजिश है।
उन्होंने सवाल उठाया कि चुनावी अवधि में किसी प्रमुख विपक्षी दल के नेता के खिलाफ इस तरह की कानूनी कार्रवाई क्या निष्पक्ष मानी जा सकती है। चार्ज फ्रेम पहले भी किया जा सकता था, लेकिन जानबूझकर चुनावी समय चुना गया ताकि महागठबंधन को कमजोर किया जा सके।
भट्टाचार्य ने व्यंग्य करते हुए कहा कि उइकऔर एऊअब हमारे चचेरे भाई बन चुके हैं। उन्होंने कहा कि लालू यादव के रेल मंत्री रहते हुए उनके कार्यों की अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सराहना हुई थी। मगर आज उसी दौर की नियुक्तियों को लैंड फॉर जॉब स्कैम बताकर बदनाम किया जा रहा है।
उन्होंने चुनाव आयोग से मांग की कि आचार संहिता की अवधि में ऐसे राजनीतिक मामलों पर अदालतों या मीडिया में कोई टिप्पणी या रिपोर्ट न प्रकाशित की जाए। भट्टाचार्य ने कहा कि यह हमला केवल राजद या लालू परिवार पर नहीं, बल्कि बिहार की अस्मिता और संविधान पर हुआ है। हम इसका जवाब जनता के बीच देंगे।

झारखंड सरकार ने गरीबों के लिए बड़ी राहत की घोषणा

हर जिले में 100 गरीब मरीजों के नाम राशन कार्ड में जुड़ेंगे

राष्ट्रीय खबर

रांची : गरीबों को स्वास्थ्य सेवा उपलब्ध कराने के अपने पहले कदम के तहत, झारखंड सरकार ने हर जिले से 100 गंभीर रूप से बीमार और आर्थिक रूप से गरीब लोगों को राज्य की राशन कार्ड सूची में शामिल किया है। इससे उन्हें आयुष्मान भारत योजना और अन्य सरकारी स्वास्थ्य नीतियों के तहत मुफ्त इलाज मिल सकेगा। यह घोषणा खाद्य, सार्वजनिक वितरण एवं उपभोक्ता मामले मंत्री डॉ. इरफान अंसारी ने की, जिन्होंने गरीबों के साथ रहने के सरकार के संकल्प को दोहराया। मंत्री ने स्पष्ट किया कि मौजूदा नीति की खामियों को दूर करने के लिए विभागीय विचार-विमर्श की एक श्रृंखला के बाद यह कदम उठाया गया है। केंद्र सरकार के वर्तमान निदेशों के तहत, पुराने नामों को हटाकर नए नाम नहीं जोड़े जा सकते-यह एक ऐसा प्रावधान है जिसके कारण कई पात्र लोग कल्याणकारी योजनाओं से वंचित रह जाते हैं। उन्होंने उनसे जिला आयुक्तों और आपूर्ति अधिकारियों से संपर्क करने को कहा ताकि इन नामों को तुरंत शामिल किया जा सके और तत्काल चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराई जा सके। राज्य के नागरिकों, सामाजिक संगठनों और गैर-सरकारी संगठनों ने इस कदम का व्यापक स्वागत किया है। कई लोगों ने डॉ. इरफान अंसारी की मानवीय रणनीति और स्वयं-सहायता वाली सरकार की सराहना की है।

भाजपा भ्रष्टाचार की जननी चुनावी प्रोपगंडा बनाने की कोशिश : कैलाश यादव

राष्ट्रीय खबर

रांचीः प्रदेश राजद प्रवक्ता कैलाश यादव ने कहा कि राजद सुप्रीमो लालू प्र यादव पूर्व मुख्यमंत्री श्रीमती राबड़ी देवी और बिहार में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी प्र यादव के ऊपर क्फ्ळ्ळ्ड मामले में फंसाने का भाजपा द्वारा सुनियोजित साजिश रची गई है। विदित हो कि आईआरसीटीसी मामला लगभग 20 वर्ष पुराना विषय है,लेकिन केंद्र में 2014 में मोदी सरकार बनने के बाद कई बार लगातार जबरन लालू परिवार को किसी भी बहाने फंसाने की कोशिश की जा रही है।
श्री यादव ने कहा कि बिहार में आगामी दिनों विधानसभा चुनाव होना है और चुनाव आयोग द्वारा राज्य में आदर्श आचार संहिता लागू हो चुका है दो चरण में चुनाव कराने की तिथि घोषित है और नामांकन प्रक्रिया जारी है उसके बावजूद इस दौरान बिहार के मुख्य विपक्षी दल राजद के नेता भावी मुख्यमंत्री तेजस्वी प्रसाद यादव एवं लालू परिवार को टारगेट कर न्यायिक प्रक्रिया के माध्यम से सुनियोजित तरीके से भ्रष्टाचार का माहौल बनाने की कोशिश की जा रही है। ज्ञात हो कि सीबीआई पूर्व में कई बार न्यायालय में याचिका दायर कर जबरन घसीटने का कोशिश कर रही है। श्री यादव ने कहा कि जब से यह मामला सामने लाया गया है उस समय नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी प्र यादव की उम्र महज 13-14 वर्ष की नाबालिक अवस्था थी ।
समझा जा सकता है कि इसके पीछे केंद्र की मोदी सरकार सीबीआई को आगे कर स्पष्ट रूप से दबाव बना रही है। भ्रष्टाचार के मामले में भाजपा नेता प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी गृहमंत्री अमित शाह को सवाल उठाने का कोई नैतिक अधिकार नहीं है क्योंकि एनसीपी नेता महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजीत पवार शुभेंदु अधिकारी हिमांता बिस्वा सरमा नारायण राणे येदुरप्पा जैसे अनेकों नेता भाजपा में शामिल होकर एवं उनके साथ मिलकर सत्ता सरकार चला रहे हैं। श्री यादव ने कहा कि बीजेपी कोई भी हथकंडा अपनाए लेकिन बिहार में सत्ता परिवर्तन होना सुनिश्चित है और तेजस्वी यादव के नेतृत्व में महागठबंधन सरकार बनना तय है।

मेडिकल छात्रा से हुए दुष्कर्म पर झामुमो-कांग्रेस ने साधी चुप्पी : राफिया नाज

महिला सुरक्षा पर दोहरा मापदंड बेनकाब

राष्ट्रीय खबर

रांचीः पश्चिम बंगाल के दुगार्पुर मेडिकल कॉलेज की द्वितीय वर्ष की छात्रा के साथ हुए सामूहिक बलात्कार की सनसनीखेज और हृदय विदारक घटना ने एक बार फिर पूरे देश को झकझोर कर रख दिया है। यह सिर्फ एक आपराधिक घटना नहीं है,यह मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की 'मां, माटी, मानुष' के नारे वाली सरकार के निकम्मेपन का सच है, जिसने बंगाल की धरती को बेटियों के लिए असुरक्षित बना दिया है। राफिया नाज ने इस जघन्य वारदात की कड़े शब्दों में निंदा करते हुए आक्रोशित स्वर में कहा, ह्ययह वही बंगाल है, जहाँ कुछ ही समय पहले आरजी कर मेडिकल कॉलेज की छात्रा के साथ हुई दरिंदगी को देश भूला नहीं है, और अब दुगार्पुर में एक और बेटी अपनी हवस का शिकार बनाई गई।
उन्होंने सवाल उठाया कि एक तरफ हमारी बेटियां चाँद तक पहुंच रही हैं, सेना के लड़ाकू विमान उड़ा रही हैं, हर क्षेत्र में देश का नाम रौशन कर रही हैं, तो क्या दूसरी तरफ एक निकम्मी और संवेदनहीन सरकार की वजह से हमारी बेटियों को डर के साए में जीने के लिए मजबूर होना पड़ेगा? क्या वे अपने कॉलेज परिसर के बाहर भी सुरक्षित नहीं हैं। उन्होंने कहा कि दुगार्पुर की घटना पर मुख्यमंत्री ममता बनर्जी का यह कहना कि 'बेटियों को रात में

बाहर नहीं निकलना चाहिए' अत्यंत शर्मनाक और गैर-जिम्मेदाराना है। यह बयान अपराधियों को संरक्षण देने और राज्य सरकार की अपनी जिम्मेदारी से पल्ला झाड़ने जैसा है। मुख्यमंत्री का काम सड़कों को सुरक्षित बनाना है, न कि बेटियों को घर की चारदीवारी में कैद करना।
यह बयान साबित करता है कि इंडिया गठबंधन वाली बंगाल सरकार बंग्लादेशी घुसपैठियों को संरक्षण दे सकती है, लेकिन अपनी बेटियों को सुरक्षा नहीं। राफिया ने आगे कहा कि झारखंड भी बंगाल के क्ठउक्क गठबंधन वाली सरकार के मॉडल पर चल रहा है महिलाओं के विरुद्ध अपराधों के बढ़ते ग्राफ इसका प्रमाण है। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो के आँकड़े बताते हैं कि झारखंड में महिलाओं के खिलाफ अपराध थमने का नाम नहीं ले रहे। यह जेएमएम और कांग्रेस की महिला विरोधी मानसिकता का सबसे बड़ा सबूत है। राफिया नाज ने कहा कि दुगार्पुर में घटी दुष्कर्म मामले पर झारखंड मुक्ति मोर्चा और कांग्रेस गठबंधन की शर्मनाक चुप्पी इसलिए है, क्योंकि उनके अपने राज्य में भी महिला सुरक्षा की स्थिति दयनीय है और वे एक-दूसरे के कुशासन को बेनकाब नहीं करना चाहते।
उनकी यह चुप्पी यह दशार्ती है कि उनके लिए महिला सुरक्षा सिर्फ एक राजनीतिक मुद्दा है, न कि एक मानवीय सरोकार। राफिया ने मांग की कि पश्चिम बंगाल सरकार इस मामले में दोषियों को जल्द और कड़ी सजा सुनिश्चित करे और बांग्लादेशी घुसपैठियों को संरक्षित करने की जगह बेटियों को सुरक्षित करें। साथ ही, उन्होंने खटट-कांग्रेस गठबंधन सरकार से भी पूछा है कि वे झारखंड महिला आयोग का पुनर्गठन कब करेंगे और राज्य में महिलाओं के खिलाफ बढ़ रहे अपराधों पर अंकुश लगाने के लिए कौन से ठोस कदम उठाएंगे।

झारखंड में लेवी वसूली का धंधा बेलगाम : बाबूलाल मरांडी

राष्ट्रीय खबर

रांचीः भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एवम नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने राज्य में बढ़ते अपराध और अपराधियों की हिम्मत पर राज्य सरकार को निशाने पर लिया। श्री मरांडी ने कहा कि झारखंड में 'लेवी' (वसूली) का धंधा बेलगाम हो चुका है। धनबाद, बोकारो, जमशेदपुर और अब हमारी राजधानी रांची तक, एक कथित अपराधी, जो विदेशों में छिपा बैठा है, उसके नाम पर दहशत का कारोबार चल रहा है। उन्होंने कहा कि उनके हालिया क्षेत्र भम्रण के दौरान, बोकारो, जमशेदपुर, धनबाद और कई अन्य जगहों के लोगों ने इस आतंक से अपनी आप-बीती सुनाई। कई प्रमुख व्यापारियों ने दबी जुबान में बताया कि उनसे 5 से 10 करोड़ रुपये तक की मांग की गई है, लेकिन डर के कारण वे अपना नाम बताने को भी तैयार नहीं हैं। उन्होंने कहा कि स्थिति की भयावहता इतनी कि अब रांची के एक प्रतिष्ठित और मशहूर डॉक्टर को भी करोड़ों रुपये की फिरौती के लिए धमकी दी गई है! क्या झारखंड में कानून-व्यवस्था पूरी तरह ध्वस्त हो चुकी है। यह राज्य सरकार की कार्यप्रणाली पर एक बड़ा प्रश्नचिह्न है। अगर राज्य सरकार चाहे तो विदेश में छिपे अपराधी को भी पकड़कर लाने में सक्षम है। अगर उसे पकड़ने में दिक्कत आ रही है, तो कम से कम राज्य में बैठे उसके गुर्गों को तुरंत गिरफ्तार करे। उन्होंने कहा कि उन्हें अब यह लगने लगा है कि या तो यह सारा गोरखधंधा मुख्यमंत्री और पुलिस के उच्चाधिकारियों के सीधे संरक्षण में चल रहा है, जिसके तहत वे जिसे चाहें धमकी दिलवा रहे हैं और वसूली करवा रहे हैं।या राज्य सरकार और पुलिस इतनी डरी हुई और कमजोर है कि इस आतंक के सामने पूरी तरह पंगु हो चुकी है, और कुछ भी नहीं कर रही है। उन्होंने कहा कि राज्य के व्यापारी और डॉक्टर आज खौफ के साए में जी रहे हैं। श्री मरांडी ने राज्य सरकार को चेतावनी देते हुए कहा कि अपराधियों के खिलाफ राज्य सरकार तत्काल कार्रवाई करे, अपराधियों को सलाखों के पीछे डाले,अन्यथा विपक्ष यह मानकर चलेगा कि यह 'वसूली का धंधा' सरकार की मिलीभगत से चल रहा है।

आंतरिक कलह > चरण चुम्बकों को चेयरमैन, जमीन से जुड़े नेताओं को मैदान

जय हो राजेश भैया,जय हो राज्य सरकार

▶▶ आर पी एन सिंह का असर झेल रही पार्टी

▶▶ चमचागिरी ने नेतृत्व को झांसा दे रखा है

▶▶ संगठन के अंदरखाने भीषण असंतोष व्याप्त

शिव कुमार अग्रवाल

रांचीः झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के भीतर गहरा असंतोष और आंतरिक कलह की खबरें सामने आ रही हैं, जिसने पार्टी के संगठनात्मक स्वास्थ्य पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। जय हो राजेश भैया, जय हो राज्य सरकार जैसे नारों के बीच जमीनी स्तर के नेताओं में यह भावना प्रबल हो रही है कि उनकी दशकों की निष्ठा और मेहनत को नजरअंदाज किया जा रहा है। पार्टी के भीतर यह आरोप लग रहे हैं कि चरण चुम्बकों और चाटुकारों को महत्वपूर्ण पद और ज़िम्मेदारियाँ दी जा रही हैं, जबकि जमीन से जुड़े और कर्मठ नेताओं को हाशिये पर धकेल दिया गया है।
इस पूरे घटनाक्रम में पूर्व केंद्रीय मंत्री और झारखंड कांग्रेस के प्रभारी रहे आर.पी.एन. सिंह का प्रभाव आज भी प्रदेश कांग्रेस में स्पष्ट रूप से देखा जा रहा है। हालांकि, ऊपरी भाग-दौड़ और कागजी आँकड़ों में पार्टी भले ही रेस दिखा रही हो, लेकिन अंदरूनी तौर पर जमीनी स्तर के नेताओं में भारी असंतोष व्याप्त है। एक चर्चित कहावत के अनुसार, बबूल के पेड़ में आम कहाँ से होगा। यह असंतोष इस बात का प्रतीक है कि ग्रासरूट के कार्यकर्ताओं को मान-सम्मान देने की परिपाटी अब कांग्रेस पार्टी में समाप्त हो चली है। अब यह धारणा बन गई है कि जो जितना बड़ा चरण चुम्बक होगा, लाभ उसी को मिलेगा।
यह विडंबना है कि झारखंड जैसे अलग राज्य की अवधारणा यहाँ के मूलवासियों के हित में गढ़ी गई थी, परंतु कांग्रेस के केंद्रीय नेतृत्व ने आर.पी.एन. सिंह जैसे उत्तर प्रदेश से आयातित और भौतिक सुख बटोरने वाले नेता को प्रदेश की ज़िम्मेवारी सौंप दी। श्री सिंह ने जानबूझ कर प्रदेश संगठन में ऐसे-वैसे लोगों को महत्व एवं पद देना शुरू किया। हद तो तब हो गई जब एक ऐसे व्यक्ति को प्रदेश अध्यक्ष बनवा दिया गया, जो पूर्व में राजभवन में दलाली करने के लिए चर्चित रहे। सूत्रों का कहना है कि इसी दौर में और भी कई दलाल निगम बोर्ड के चेयरमैन बन गए, जिनमें कई इस राज्य के मूलनिवासी ही नहीं थे। चाटुकारों और दलालों को खोज-खोज कर उपकृत किया गया।
भले ही आर.पी.एन. सिंह कांग्रेस पार्टी को केसरिया झंडा (भाजपा की ओर इशारा) दिखा कर उड़ गए हों, लेकिन आज भी उनके द्वारा संरक्षित नेता भैया जी के सानिध्य में पद पर बने हुए हैं। पार्टी में यह संदेश साफ है कि जो जितना बड़ा कलाकार (चाटुकारिता में निपुण) है, उसे उतना बड़ा पद मिलेगा।
अंदर खाने से मिली खबर के अनुसार, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष एक संगठित गिरोह के साथ मिलकर कांग्रेस आलाकमान के नाम पर झारखंड सरकार में दलाली कर रहे हैं। जानकार तो यहाँ तक बता रहे हैं कि वर्तमान मुख्य सचिव से उनकी अच्छी छन रही है, क्योंकि वे दोनों पूर्व में राजभवन में साथ रहे हैं। यह भी आरोप है कि मुख्यमंत्री को भी कांग्रेस केंद्रीय नेतृत्व का हवाला देकर झाँसे में रखा गया है। यह स्थिति न केवल पार्टी के मनोबल को गिरा रही है, बल्कि राज्य सरकार की छवि पर भी नकारात्मक प्रभाव डाल सकती है। यदि कांग्रेस आलाकमान ने जल्द ही इस जमीनी असंतोष का संज्ञान नहीं लिया, तो आने वाले समय में इसका खामियाजा पार्टी को भुगतना पड़ सकता है।

भाजपा के दबाव से मुक्त हुआ पुलिस विभागः आलोक दुबे

राष्ट्रीय खबर

रांचीः झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के महासचिव आलोक कुमार दुबे ने भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एवं नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी के बयान पर पलटवार करते हुए झारखंड पुलिस की कार्यप्रणाली का बचाव किया और भाजपा पर तीखा हमला बोला। दुबे ने कहा कि बाबूलाल जी खुद राज्य के मुख्यमंत्री रह चुके हैं, इसलिए उन्हें भली-भांति पता होना चाहिए कि जांच किस प्रक्रिया से होती है और किससे कराई जानी चाहिए। उन्होंने सवाल उठाया कि आखिर झारखंड पुलिस की हर कार्रवाई पर भाजपा को आपत्ति क्यों रहती है। क्या भाजपा को यह मंजूर नहीं कि पुलिस अब उनके दबाव से मुक्त होकर स्वतंत्र और निष्पक्ष रूप से काम कर रही है। आलोक दुबे ने कहा कि गठबंधन सरकार में पुलिस किसी राजनीतिक दबाव में नहीं, बल्कि कानून और संविधान के दायरे में रहकर कार्रवाई करती है। उन्होंने कहा कि भाजपा के शासनकाल में झारखंड पुलिस पर हमेशा राजनीतिक हस्तक्षेप का आरोप लगता रहा है। कई बार तो पुलिस को विपक्षी नेताओं और निर्दोष कार्यकताओं पर कार्रवाई करने के लिए मजबूर किया गया था। लेकिन वर्तमान सरकार में पुलिस प्रशासन को पूरी स्वतंत्रता दी गई है कि वह कानून के मुताबिक कार्रवाई करे और किसी के दबाव में न आए। कांग्रेस नेता ने कहा कि बाबूलाल मरांडी जिस प्रकार डीआईजी (बजट) को जांच सौंपे जाने को लेकर सवाल उठा रहे हैं, उससे ऐसा लगता है कि उन्हें पुलिस की कार्यप्रणाली और विभागीय संरचना की जानकारी नहीं है। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि अगर बाबूलाल जी ही यह तय करने लगें कि कौन अधिकारी किस केस की जांच करे, तो फिर पुलिस विभाग की जरूरत ही क्या रह जायेगी। उन्होंने कहा कि यह वही झारखंड पुलिस है, जो अब भाजपा के दबाव में नहीं, बल्कि जनता के प्रति जवाबदेह होकर काम कर रही है। श्री दुबे ने कहा कि झारखंड पुलिस का मनोबल बढ़ाने के बजाय उस पर बेवजह टिप्पणी करना दुर्भाग्यपूर्ण है। उन्होंने जनता से अपील की कि वे पुलिस प्रशासन पर भरोसा रखें और राजनीतिक बयानबाजी से भ्रमित न हों, क्योंकि झारखंड अब कानून के शासन और लोकतांत्रिक मयार्दा के पथ पर आगे बढ़ रहा है।

I PRAKASH TEKRIWAL S/O ATMARAM AGARWAL ADD-S/O ATMARAM AGARWAL HOTEL PEARL BUILDING MAIN ROAD, NEAR SARJANA CHOWK OPP-VISHAL MEGA MART RANCHI JHARKHAND 834001. I HEREBY DECLARE THAT MY FATHER ATMA RAM TEKRIWAL AND ATMA RAM AGARWAL ARE THE SAME PERSON • HE IS ALSO KNOW AS ATMA RAM TEKRIWAL IN SOME PLACES. HIS CORRECT NAME IS ATMA RAM AGAR WAL ·

राष्ट्रीय खबर हमारी नज़र

web : www.rashtriyakhabar.net
epaper.rashtriyakhabar.com

शहर >> अपडेट

मार्क्स पब्लिक फाउंडेशन ट्रस्ट ने सर्टिफिकेट वितरण किया

रांची : मार्क्स पब्लिक फाउंडेशन ट्रस्ट की निदेशक डॉ. चित्रा रेखा सिन्हा कहा कि झारखंड में बढ़ती बेरोजगारी और गिरती शिक्षा व्यवस्था को देखते हुए, ट्रस्ट ने गरीब बच्चों को तकनीकी शिक्षा और कंप्यूटर प्रशिक्षण देने की पहल की है। वर्तमान में 50 बच्चों का कोर्स चल रहा है, और 3 महीने का कोर्स पूरा करने वाले बच्चों को आज सर्टिफिकेट वितरित किए जा रहे हैं। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मुखिया सोमा उरांव कहा कि ट्रस्ट के निदेशक डॉ एमपी सिंह स्वास्थ्य और शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि शिक्षा में कंप्यूटर प्रशिक्षण का महत्वपूर्ण योगदान है, और गरीब बच्चों को निशुल्क प्रशिक्षण देना एक सराहनीय कदम है। उन्होंने ट्रस्ट के साथ जुड़कर काम करने का आश्वासन दिया। ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष पंकज कुमार ने कहा कि आने वाले दिनों में हम लोगों का टारगेट 5000 बच्चों को शिक्षित करने का है। कार्यक्रम में मुखिया सोमा उरांव, प्रोफेसर रामकुमार तिवारी तिवारी वीरेंद्र तिवारी मनोहर तिवारी पंचायत समिति नरगिसअनुज कुमार प्रदीप सिन्हा सहित कई अन्य उपस्थित थे।

रिपोर्ट

झारखंड में मृत लाभुकों के नाम पर उठ रहा था राशन

सरकार ने 6.12 लाख नाम किए रद्द

राष्ट्रीय खबर

रांची: झारखंड में सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पीडीएस) के अंतर्गत मृत लाभुकों के नाम पर वर्षों से राशन उठाए जाने का मामला सामने आया है। राज्य में राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम के तहत 59 लाख 71 हजार 211 परिवारों को अनाज उपलब्ध कराया जा रहा है, जिससे लगभग 2 करोड़ 60 लाख 95 हजार 355 लोग लाभान्वित हो रहे हैं। लेकिन जांच में सामने आया है कि इनमें कई ऐसे लाभुक भी हैं, जिनकी मृत्यु पिछले पांच से छह वर्षों के दौरान हो चुकी है, फिर भी उनके नाम पर राशन की आपूर्ति होती रहीकेंद्र सरकार ने झारखंड सरकार को पत्र लिखकर सभी अयोग्य और मृत लाभुकों के नाम हटाने के निर्देश दिए थे। यह पत्र राष्ट्रीय सांख्यिकी विभाग (ठरड) के आंकड़ों के आधार पर भेजा गया था, जिसमें हाल के वर्षों में जारी मृत्युप्रमाण पत्रों के आंकड़े शामिल थे।केंद्र के निर्देशों के बाद झारखंड सरकार ने सभी जिलों में जांच शुरू की। मिलान प्रक्रिया में पाया गया कि 6 लाख 12 हजार से अधिक मृत लाभार्थियों के नाम अब भी राशन कार्ड की सूची में सक्रिय थे। इसके बाद इन सभी के नाम 18 सितंबर 2025 तक सूची से हटा दिए गए।

विभागीय सूत्रों के अनुसार, मृत व्यक्तियों के नाम पर बायोमेट्रिक सत्यापन प्रणाली की कमी और निगरानी तंत्र की कमजोरियों के कारण वर्षों तक राशन उठाया जाता रहा।खाद्य आपूर्ति विभाग ने सभी जिलों को निर्देश दिया है कि मृत या अयोग्य लाभुकों की फिलहाल जारी जांच रिपोर्ट जल्द जमा करें। अधिकारियों का मानना है कि मृत लाभुकों की वास्तविक संख्या 6।12 लाख से अधिक हो सकती है। राज्य सरकार अब पीडीएस प्रणाली को पूरी तरह आधार आधारित और पारदर्शी बनाने की दिशा में तेजी से काम कर रही है ताकि भविष्य में इस तरह की गड़बड़ी की संभावना न रहे।

न्यूज फटाफट

सीसीएल मुख्यालय में मेगा रक्तदान शिविर

रांची :सेंट्रल कोलफील्ड्स लिमिटेड) मुख्यालय में आज रक्तदान शिविर आयोजित किया गया. यह कार्यक्रम सतर्कता जागरूकता अभियान-2025 के तहत हुआ.शिविर में सीसीएल के कर्मचारी, उनके परिवार के सदस्य और कई अन्य लोग शामिल हुए. सबने उत्साह से रक्तदान किया. इस शिविर में 159 यूनिट रक्त एकत्र किया गया. कार्यक्रम की शुरूआत सीसीएल के निदेशक (वित्त) पवन कुमार मिश्रा, निदेशक (मानव संसाधन) हर्ष नाथ मिश्र, निदेशक (तकनीकी/संचालन) चंद्र शेखर तिवारी और मुख्य सतर्कता अधिकारी पंकज कुमार ने की. उन्होंने फीता काटकर शिविर का उद्घाटन किया और रक्तदाताओं की सराहना की.शिविर में सीसीएल के कर्मचारी, उनके परिवार के सदस्य और कई अन्य लोग शामिल हुए. सबने उत्साह से रक्तदान किया. इस शिविर में 159 यूनिट रक्त एकत्र किया गया. कार्यक्रम की शुरूआत सीसीएल के निदेशक (वित्त) पवन कुमार मिश्रा, निदेशक (मानव संसाधन) हर्ष नाथ मिश्र, निदेशक (तकनीकी/संचालन) चंद्र शेखर तिवारी और मुख्य सतर्कता अधिकारी पंकज कुमार ने की. उन्होंने फीता काटकर शिविर का उद्घाटन किया और रक्तदाताओं की सराहना की।

रांची में वनडे मैच को लेकर जिला प्रशासन तैयार

राष्ट्रीय खबर

रांची: भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच 30 नवंबर को होने वाले बहुप्रतीक्षित वनडे मैच को लेकर झारखंड की राजधानी रांची में हलचल तेज हो गई है। खरउअ इंटरनेशनल स्टेडियम, धुर्वा में होने वाले इस अंतरराष्ट्रीय मुकाबले के आयोजन को सफल बनाने के लिए रांची जिला प्रशासन और झारखंड स्टेट क्रिकेट एसोसिएशन (जेएससीए) के बीच गहन मंथन शुरू हो चुका है।

उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी मंजूनाथ भजन्त्री की अध्यक्षता में एक उच्चस्तरीय बैठक आयोजित की गई, जिसमें शहर की सुरक्षा, ट्रैफिक कंट्रोल, और मैच के दिन की लॉजिस्टिक्स पर विशेष चर्चा हुई।उन्होंने कहा हमारा लक्ष्य है कि यह आयोजन न केवल खेल प्रेमियों के लिए यादगार हो, बल्कि रांची की छवि एक उत्कृष्ट मेजबान के रूप में और मजबूत हो। जेएससीए के अध्यक्ष अजय नाथ शाहदेव और सचिव सौरभ तिवारी ने भी स्टेडियम में चल रही तैयारियों और फैंस की सुविधा को लेकर की जा रही व्यवस्थाओं की जानकारी साझा की।

रांची: डोरंडा में अमेरिका के श्री विष्णु मंदिर की थीम पर बन रहा काली पूजा पंडाल

राष्ट्रीय खबर

रांची:20 अक्टूबर को काली पूजा है. इसके लिए मेन रोड, डोरंडा समेत विभिन्न स्थानों पर भव्य पंडाल बनाए जा रहे है. इस बार डोरंडा में मां काली पूजा में भक्ति, भव्यता और कला का अद्भुत संगम देखने को मिलेगा. श्री डोरंडा बाजार काली पूजा समिति इस वर्ष अपने 75वें वर्ष मे प्रेवश करेगा. वर्ष 1951 से लगातार यहां मां काली की पूजा होती आ रही है, और इस बार आयोजन को ऐतिहासिक स्वरूप देने की तैयारी जोर-शोर से चल रही है.इस वर्ष समिति ने अमेरिका के प्रसिद्ध श्री विष्णु मंदिर की थीम पर भव्य पंडाल बनाए जा रहे है. बंगाल के कुशल कारीगर इस आकर्षक पंडाल को अंतिम रूप देने में जुटे हुए हैं. समिति के अध्यक्ष राजू चौरसिया ने बताया कि काली पूजा पांच दिनों तक चलेगी और इसमें लगभग 60 लाख रुपए खर्च किए जा रहे हैं. पूजा के दौरान प्रतिदिन मां काली को खिचड़ी, सब्जी, चटनी और विभिन्न प्रकार के भाजा का भोग लगाया जाएगा. 75वें वर्ष के उपलक्ष्य में आकर्षक विद्युत सज्जा, मेला की विशेष व्यवस्था की गई है.वहीं, न्यू काली पूजा समिति, डोरंडा इस बार अपनी परंपरा को नई दिशा देने जा रही है. यह समिति राजस्थानी स्थापत्य कला की थीम पर भव्य पंडाल बना रही है. करीब 10 लाख रुपए की लागत से तैयार यह पंडाल श्रद्धालुओं के

आकर्षण का केंद्र रहेगा. मां काली की प्रतिमा 13 फीट ऊंची होगी, जबकि पंडाल की ऊंचाई 50 फीट, चौड़ाई 60 फीट और लंबाई 45 फीट रखी गई है. इस पूजा की शुरूआत वर्ष 1982 में हुई थी. समिति के अध्यक्ष शंभु गुप्ता, संस्थापक टापु घोष, महामंत्री अजय घोष, कोषाध्यक्ष मनोज मालाकार और अन्य 50 सदस्य आयोजन में जुटे हैं.पंडाल के भीतर और बाहर की लाइटिंग सजावट कोलकाता की चंदन नगर टीम द्वारा की जाएगी. राजस्थानी स्थापत्य कला से इस पंडाल को सजाए जाएंगे. पंडाल के मुख्य द्वार के प्रवेश और निकासी मार्ग पर आकर्षक विद्युत लाईटें से सजाई जाएगी. करीब 40 कारीगर खड़गपुर से आकर इस पंडाल को साकार रूप दे रहे हैं. पंडाल का उद्घाटन रांची के पांच संतों के द्वारा किया जाएगा।

कहर बरपाने वाला मॉनसून हो गया विदा, ठंड देगी दस्तक

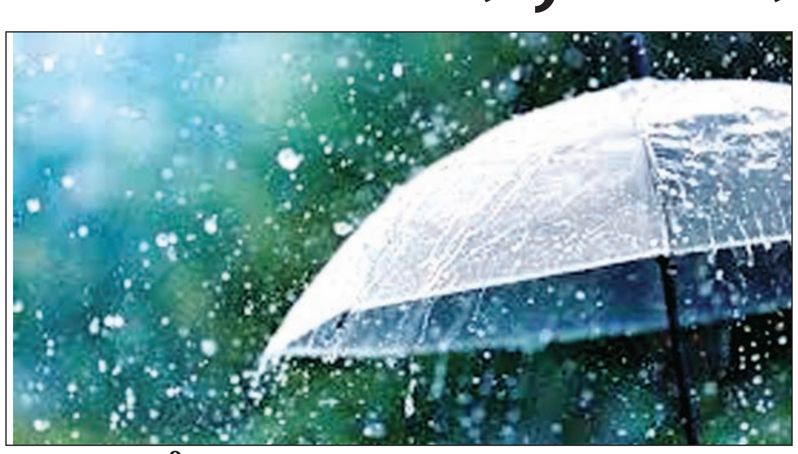

राष्ट्रीय खबर

रांची: झारखंड में 118 दिन तक बारिश का कहर बरपाने वाला मॉनसून आखिरकार 13 अक्टूबर को विदा हो गया। इसकी अधिकारिक घोषणा भारत मौसम विभाग (आईएमडी) ने की। मौसम विभाग के अनुसार झारखंड से दक्षिण-पश्चिम मॉनसून-2025 की विदाई 13 अक्टूबर को हो गई। इस वर्ष राज्य में मॉनसून का आगमन 17 जून, को हुआ था। मॉनसून की विदाई के साथ ही झारखंड शुष्क मौसम की ओर प्रवृत्त हो गया है। मॉनसून की झारखंड में वास्तविक अवधि 17 जून से 13 अक्टूबर तक रही। इन 118 दिनों में वास्तविक वर्षा 1243.9 मिलीमीटर हुई, जो सामान्य वर्षा 1009.0 मिलीमीटर से 23 फीसदी अधिक है। यह अधिक वर्षा की श्रेणी में आता है। झारखंड में कुल वर्षा 1198।8 मिलीमीटर हुई, जबकि सामान्य वर्षा 1022.9 मिलीमीटर है। ज्ञात हो कि राज्य के 24 में से 8 जिलों में अधिक वर्षा हुई। इसमें से राज्य के 15 जिलों में सामान्य वर्षा हुई। एक जिले में कम वर्षा हुई। वही सबसे अधिक वर्षा पूर्वी सिंहभूम में 1666.1 मिलीमीटर दर्ज की गई और सबसे कम वर्षा गोड्डा जिले में 750.5 मिलीमीटर दर्ज की गई।

राज्य प्रशासनिक सेवा के अधिकारियों की पोस्टिंग करे सरकार: झासा

राष्ट्रीय खबर

रांची: झारखंड प्रशासनिक सेवा संघ की कार्यकारिणी की बैठक संघ भवन में आयोजित हुई। झासा की अध्यक्ष रंजीता हेंब्रम की अध्यक्षता में आहूत इस बैठक में राज्य प्रशासनिक सेवा से जुड़े कई समसामयिक विषयों पर विमर्श हुआ।बैठक में राज्य प्रशासनिक सेवा को प्रीमियर सर्विस के रूप में घोषित करने की मांग राज्य सरकार से की गई, साथ ही वेतन विसंगतियों को भी अविलंब दूर करने की मांग की गई। संघ अधिकारियों ने संयुक्त सचिव से लेकर एसडीएम रैंक तक की लंबित प्रोन्नति पर अविलंब डीपीसी कर प्रोन्नति देने की भी मांग की।बैठक में कहा गया की

कुछ पदाधिकारियों को कई महीनो से पदस्थापन की प्रतीक्षा में रखा गया है, जो प्रशासनिक पदाधिकारी का मनोबल तोड़ने वाली बात है सरकार जल्द से जल्द पदस्थापन हेतु कदम उठाए। बैठक में महासचिव राहुल कुमार, संयुक्त सचिव श्रीमती मीना, कार्यालय सचिव प्रवीण कुमार सिंह, उपाध्यक्ष मुस्तकीम अंसारी एवं श्याम नारायण राम, वेबसाइट प्रभारी रविराज शर्मा सहित कई कार्यकारिणी सदस्यों ने भी अपने विचार रखे।बैठक में राज्य में कई अधिकारियों को प्रोन्नति के बाद भी राज्य प्रशासनिक सेवा के अधिकारियों से निम्नतर पदों पर काम लिए जाने के प्रति कार्यकारिणी ने क्षोभ व्यक्त किया।सदस्यता शुल्क जमा करने के लिए बैंक के द्वारा पेमेंट लिंक का प्रस्ताव दिया गया है, जिसपर सहमति दी गई।

झारखंड सरकार के द्वारा जो चिकित्सा योजना लाई गई है उसमें कई और भी विसंगतिया हैं इस कार्य हेतु एक प्रतिनिधिमंडल स्वास्थ्य सचिव से जल्द मिलेगा, साथ ही प्रशासनिक सेवा के जो सदस्य बाह्य सेवा में है, उनके लिए स्वास्थ्य सुविधा का विकल्प उपलब्ध नहीं होने पर विचार विमर्श किया गया।नजारत उपसमाहर्ता जैसे पदों को अपने कैडर पोस्ट में समाहित करना।आम सभा की बैठक की संभावित तिथि 7 दिसंबर रखी गई है। भारतीय स्टेट बैंक में सभी सदस्यों का सैलरी अकाउंट खोलने दिए गए प्रस्ताव पर एक वर्कशॉप किया जाएगा।

कार्यक्रम > नशा उन्मूलन पर टावरियन वर्ल्ड स्कूल, रांची में डालसा का कार्यक्रम

गैरकानुनी है अफीम-पोस्ता का उत्पादन : राजेश कुमार

राष्ट्रीय खबर

रांची : झालसा के निर्देश पर माननीय न्यायायुक्त-सह-अध्यक्ष के मार्गदर्शन में टावरियन वर्ल्ड स्कूल, तुपुदाना, रांची में छात्र-छात्राओं के लिए ह्यडॉन अभियानह्ल के तहत नशा मुक्ति पर एक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। लाइफ सेवर्स के श्री अतुल गेरा, एलएडीसीएस डिपूटी चीफ, श्री राजेश कुमार सिन्हा और एनसीबी के आनंद, मनोहर मंजूल, सीआईडी के एस.आई. रिजवान अंसारी, ड्रग्स कन्ट्रोल विभाग के स्वपनिल निखिल, रोटरी क्लब से, रथिन भद्र, पीएलवी पी. के. उपाध्याय, भारती शाहदेव, पिंकू कुमारी, टावरियन वर्ल्ड स्कूल के

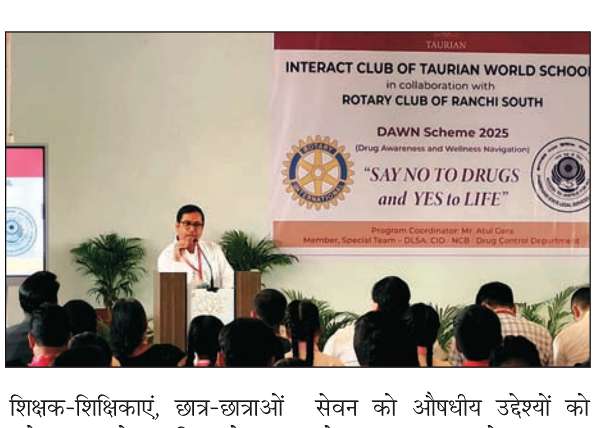

शिक्षक-शिक्षिकाएं, छात्र-छात्राओं समेत अन्य लोग उपस्थित थे।

एलएडीसीएस अधिवक्ता राजेश कुमार सिन्हा ने कहा कि भारतीय संविधान का अनुच्छेद 47 राज्य को निर्देशित करता है कि वह स्वास्थ्य के लिए हानिकारक मादक पेय और नशीली दवाओं के सेवन को औषधीय उद्देश्यों को छोड़कर, समाप्त करने का प्रयास करेगा। अफीम या पोस्ता के उत्पादन या कब्जे पर एनडीपीएस अधिनियम 1985 के तहत मात्रा के आधार पर 20 साल तक के कठोर कारावास एवं 2 लाख रुपए के जुमार्ने की सजा हो सकती है। बार-बार अपराध करने पर मृत्युदंड तक दिया जा सकता है। कॉंके के पुनर्वास केंद्रों के साथ-साथ एनजीओ भी नशा करने वालों को ठीक करने में मदद करते हैं। उन्होंने आगे कहा कि सीआईपी और रिनपास में जिला विधिक सेवा प्राधिकार का लिगल एड क्लिनिक है, वहां पर वैसे नशा करनेवाले व्यक्तियों को ईलाज किया जाता है। इसमें जिला विधिक सेवा प्राधिकार, रांची सहायता प्रदान करती है। श्री सिन्हा ने नालसा टॉल फ्री नम्बर 15100 पर चर्चा किये। यह भी ज्ञात हो कि श्री राजेश कुमार सिन्हा ने नालसा योजना - साथी, आशा, जागृति एवं संवाद पर भी फोकस किये, कहा कि इस पर भी डालसा के द्वारा जागरूकता कर लोगों को लाभ पहुंचाया जा रहा है।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए अतुल गेरा ने बताया कि नशा हमारे देश को कैसे खोखला कर रहा है और नशा से बचने के लिए छात्र-छात्राओं को जागरूक करना अति आवश्यक है। नशा के पेडलर नवयुवक एवं छात्रों को इस व्यवसाय में आसानी से उपयोग करते है, जिससे हमलोगों को सचेत रहना है और किसी भी तरह का ड्रग्स पेडलरों के द्वारा दिये जा रहे लालच में न आये। एनसीबी के मनोहर मंजूल ने कहा कि झारखंड में इस नशे की समस्या को रोकने के लिए नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) की भूमिका महत्वपूर्ण है।

लोकनायक जयप्रकाश नारायण को किया गया याद

राष्ट्रीय खबर

रांची: सामाजिक वैचारिक संगठन रांची रिवोल्ट जनमंच के संयोजक, अधिवक्ता, समाजसेवी एवं भाजपा नेता डॉ. प्रणव कुमार बब्बू ने कहा है कि लोकनायक जयप्रकाश नारायण के विचार, दर्शन, कर्म और व्यक्तित्व हमेशा सभी को प्रेरित करते रहेंगे. डॉ. बब्बू ने कहा कि लोकनायक जयप्रकाश नारायण में वैसी अनेक खूबियाँ है जिसके कारण उनका योगदान ही उनके अद्भुत व्यक्तित्व को बताता है। सामाजिक-वैचारिक संगठन रांची रिवोल्ट जनमंच एवं लक्ष्य डिफेंस एकेडमी के द्वारा राजधानी रांची के मोरहाबादी में लोकनायक जयप्रकाश नारायण के चित्र पर फूल माला अर्पित कर जयंती समारोह का आयोजन किया गया एवं मिठाइयाँ बांटी गयी. जयंती समारोह में डा. बब्बू ने कहा कि विशेष रूप से युवाओं एवं छात्र-छात्राओं को लोकनायक से प्रेरणा लेकर निरंतर आगे बढ़ने की जरूरत है क्योंकि इसी में उनका हित तो छुपा ही है साथ ही उनके परिवार, समाज और देश की जरूरत भी यही है। इस

अवसर पर कर्नल आनंद भूषण ने कहा कि लोकनायक के लिये सबसे पहले देश और समाज था जबकि उनके परिवार की प्राथमिकतायें उसके बाद ही थी. अपने संबोधन में जेपी आंदोलन के सेनानी और महावीर मण्डल के पूर्व अध्यक्ष विजय बर्मन ने कहा कि जयप्रकाश नारायण की कथनी और करनी के बीच कोई अंतर नहीं था. यही बात उन्हें सभी से अलग और विशिष्ट बनाती है।

शहर >> अपडेट

प्लांटों में इंटीमेशन लेटर सौंपे

बोकारो: सोमवार को बीकेएमएस केंद्रीय अध्यक्ष अजय कुमार महतो और उनकी केंद्रीय टीम के साथ जियाडा अध्यक्ष बलराम झा एवं टीम ने बालीडीह के विभिन्न प्लांटों में प्रबंधन को इंटीमेशन लेटर सौंपे। इस दौरान उन्होंने सुंदरम स्टील, बोकारो डिस्टील प्लांट, उमा इस्पात, सेल बंसल, बीएमडब्ल्यू, ईस्टर्न इंडिया, बोकारो टिम्बर और पाटिल रेल फैक्टरी सहित अन्य प्रतिष्ठानों का दौरा किया। टीम ने प्रत्येक प्लांट में प्रबंधन अधिकारियों से मिलकर मजदूरों से जुड़े मुद्दों और उनकी मांगों के संबंध में पत्र प्रस्तुत किया। यह कदम मजदूरों के अधिकारों की सुरक्षा और यूनियन के माध्यम से उनके हितों की रक्षा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से उठाया गया है। बीकेएमएस और जियाडा की इस पहल से क्षेत्रीय मजदूर समुदाय में जागरूकता और विश्वास बढ़ाने की उम्मीद जताई जा रही है।

जन संवाद प्री कल्टीवेशन ड्राइव के अंतर्गत जन संवाद कार्यक्रम आयोजित

किसानों को सरकारी योजनाओं से जुड़ने के लिए किया प्रेरित

राष्ट्रीय खबर

चांडिल : जिला प्रशासन, सरायकेला-खरसावाँ द्वारा अवैध अफीम की खेती रोकने हेतु राज्य सरकार के निदेशानुसार 3 से 17 अक्टूबर, 2025 तक प्री कल्टीवेशन ड्राइव₹ संचालित किया जा रहा है। इसी क्रम में सोमवार को चांडिल प्रखंड के हेंसाकोचा पंचायत सचिवालय में उपायुक्त नितिश कुमार सिंह एवं पुलिस अधीक्षक मुकेश लुनायत की उपस्थिति में जन संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में उप विकास आयुक्त सुश्री रीना हांसदा, चांडिल के अनुमंडल पदाधिकारी विकास राय, जिला जनसम्पर्क पदाधिकारी अविनाश कुमार, प्रखंड विकास पदाधिकारी तालेश्वर रविदास,

अंचल अधिकारी प्रदीप महतो, चौका थाना प्रभारी बजरंग महतो, जिला परिषद सदस्य सविता मार्डी, स्थानीय मुखिया मंगली टुडू, पूर्व मुखिया कुनाराम माझी, ग्राम प्रधान, मनकीमुंडा एवं अन्य स्थानीय जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे। इस अवसर पर उपायुक्त नितिश कुमार सिंह ने कहा कि अफीम की अवैध खेती न केवल गैरकानूनी है। बल्कि यह समाज, परिवार और विशेष रूप से युवाओं के भविष्य के लिए अत्यंत घातक है। उन्होंने किसानों से अपील की कि वे अफीम जैसी अवैध खेती छोड़कर खरीफरबी फसलों, बागवानी एवं फलसब्जी की वैकल्पिक खेती अपनाएं। उन्होंने बताया कि जिला प्रशासन द्वारा वैकल्पिक खेती को प्रोत्साहित करने के लिए तकनीकी सहयोग, प्रशिक्षण एवं योजनागत सहायता उपलब्ध कराई जाएगी। उन्होंने यह भी कहा कि प्रशासन का उद्देश्य दंडात्मक कार्रवाई नहीं, बल्कि जागरूकता, आजीविका संवर्धन एवं सामाजिक सशक्तिकरण है। उन्होंने किसानों से अपील की कि वे अवैध अफीम की खेती के स्थान पर वैकल्पिक खेती अपनाएं और एक जागरूक नागरिक के रूप में अपने आस-पास के अन्य किसानों को भी इसके लिए प्रेरित करें।इस दौरान जिला कृषि पदाधिकारी रौसन नीलकमल ने कृषि विभाग की विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी और किसानों को वैकल्पिक खेती के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम के अंतर्गत किसानों के बीच सरसो, चना, मटर सहित अन्य वैकल्पिक फसलों (सब्जी) के बीजों का वितरण किया गया।साथ ही चयनित लाभुकों के बीच मनरेगा, प्रधानमंत्री आवास योजना, फूलो-झानो आशीर्वाद योजना, धोती-साड़ी वितरण योजना एवं किसान क्रेडिट कार्ड (ङउउ) समेत विभिन्न योजनाओं के अंतर्गत परिसंपत्तियों का वितरण किया गया।

न्यूज फटाफट

झामुमो प्रखंड अध्यक्ष ने किया फुटबॉल प्रतियोगिता का उद्घाटन

चांडिल : नीमडीह प्रखंड क्षेत्र के सिद्धू कान्हु मैदान पारकीडीह में रविवार को एक दिवसीय फुटबॉल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में झामुमो नीमडीह प्रखंड अध्यक्ष सचिन गोप शामिल हुए। इस दौरान सचिन गोप ने फुटबॉल पर कीक मार कर प्रतियोगिता का शुभारंभ किया। इस दौरान उन्होंने फुटबॉल खिलाड़ियों का उज्जवल भविष्य का कामना किया। इस अवसर पर मंगल माझी, अनिल माझी, शिक्षित माझी, ग्राम प्रधान राजु मांझी, नरेश मांझी, सलेंडर मांझी, कार्तिक हंसदा, दीनू माडी, हाड़ीराम हंसदा एवं खेला कमिटी के सदस्य शामिल थे।

विकसित भारत बिल्डथॉन 2025 की शुरूआत

बोकारो: चिन्मय विद्यालय, बोकारो में पांच दिवसीय विकसित भारत बिल्डथॉन 2025 का आयोजन 13 अक्टूबर से 16 अक्टूबर तक किया जा रहा है। यह कार्यक्रम शिक्षा मंत्रालय और अटल इनोवेशन मिशन के तहत आयोजित है, जिसमें देशभर के सरकारी और निजी विद्यालय भाग ले रहे हैं। इसका उद्देश्य विद्यार्थियों में नवाचार, रचनात्मकता और समस्या समाधान की क्षमता को विकसित करना है। कार्यक्रम की शुरूआत विशेष प्रार्थना सभा से हुई, जिसमें कक्षा छठी से दसवीं के छात्रों ने पोस्टर, नारों और बिल्डथॉन जिंगल के माध्यम से अपनी रचनात्मकता दिखाई। इसके बाद छात्रों ने शिक्षा मंत्री डॉ. धर्मेंद्र प्रधान का लाइव संबोधन देखा, जिसमें उन्होंने छात्रों को स्थानीय समस्याओं के समाधान हेतु नवाचार करने और रचनात्मक सोच अपनाने के लिए प्रेरित किया। छात्रों ने बिल्डथॉन के तहत प्रोजेक्ट के प्रोटोटाइप तैयार करना शुरू किया और अपने आसपास की छोटी-छोटी समस्याओं की पहचान की। कार्यक्रम में अध्यक्ष बिस्वरूप मुखोपाध्याय, सचिव महेश त्रिपाठी, हेड मास्टर गोपाल चंद्र मुंशी एवं अन्य शिक्षक उपस्थित थे।

पंचायत सहायकों का बैठक

बुढ़मू : सोमवार को प्रखंड स्तरीय पंचायत सहायक संघ की बैठक प्रखण्ड परिसर में आयोजित किया गया।

बीजीएच में नई ऊर्जा का संचार करेंगे डॉ विभूति

राष्ट्रीय खबर

बोकारो: सोमवार को भारतीय मजदूर संघ (बीएमएस) से संबद्ध बोकारो स्टील राष्ट्रीय मजदूर संघ का एक प्रतिनिधिमंडल नवगठित एडहॉक कमेटी के संयोजक बीबी गोसाई के नेतृत्व में बोकारो जनरल अस्पताल (बीजीएच) के नवनियुक्त अधिशासी निदेशक डॉ. करुणामय विभूति से उनके कार्यालय में मिला। प्रतिनिधिमंडल ने उन्हें पुष्पगुच्छ भेंट कर अभिनंदन किया और अस्पताल की स्वास्थ्य सेवाओं को लेकर सार्थक वार्ता की।बैठक के दौरान भारतीय मजदूर संघ झारखंड प्रदेश के उपाध्यक्ष एवं इस्पात उद्योग प्रभारी श्री कृष्णा राय ने कहा कि डॉ. विभूति के नेतृत्व में बोकारो जनरल अस्पताल को नई दिशा और ऊर्जा मिलेगी। आने वाले दिनों में चिकित्सा सेवाओं का विस्तार होगा और गुणवत्ता में और सुधार आएगा। वहीं बीएमएस बोकारो जिला अध्यक्ष जितेंद्र तिवारी और जिला मंत्री डॉ. अवधेश राय ने ठेका मजदूरों की चिकित्सा सुविधाओं को और सुदृढ़ करने की आवश्यकता पर बल दिया। प्रतिनिधिमंडल में जिला उपाध्यक्ष उमेश चंद्र दुबे, एडहॉक कमेटी सदस्य मनोज कुमार सिंह, पांडव दास, पृथ्वीराज साहू, अशोक सोरेन, निमाई दास, पप्पू कुमार सिंह और प्यारेलाल चौहान सहित अन्य नेता उपस्थित थे।

मधुसूदन गोराई ने किया ट्रांसफार्मर का उद्घाटन

राष्ट्रीय खबर

चांडिल : रांची सांसद सह भारत सरकार के रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ के निदेर्शानुसार चांडिल प्रखंड के आसानबनी में रविवार को भाजपा के जिला महामंत्री मधुसूदन गोराई व ग्राम प्रधान प्रोबोध उरांव ने संयुक्त रूप से फीता काटकर नए ट्रांसफार्मर का विधिवत उद्घाटन किया। इस दौरान जानकारी देते हुए मधुसूदन गोराई ने कहा कि विगत दिनो से आसानबनी गांव के ट्रांसफार्मर खराब था जिससे लोगों को अंधेरे में रहने पर विवश होना पड़ रहा था। सांसद संजय सेठ के पहल पर गांव में नया ट्रांसफार्मर लगाया गया। उन्होंने कहां ईचागढ़ विधानसभा क्षेत्र के विभिन्न समस्याओं से माननीय उपायुक्त महोदय को अवगत कराया गया। उपायुक्त महोदय ने हम सब के बातों को ध्यान पूर्वक समस्याओं को सुना, कार्यवाही करते हुए संबंधित पदाधिकारी को दूरभाष पर जांच कर उचित कार्रवाई का निर्देश दिए। एवं भरोसा दिलाया कि जल्द से जल्द सभी समस्याओं का निदान किया जाएगा। वही उन्होंने कहां आसानबनी गांव में चापाकल सक्सेस नहीं है क्योंकि बगल में कैनाल बहुत गड्ढा में है, पूरे गांव का पानी गांव के बाहर हाईवे के किनारे बने जलमीनार से सप्लाई होता है जिसको चलाने के लिए बिजली चाहिए पूरे गांव में बिजली नहीं होने के कारण अंधेरे के साथ-साथ पीने के पानी नहाने के पानी का भी दिक्कत था जिसका आज निदान हुआ। इस अवसर पर काफी संख्या में ग्रामीण लोग उपस्थित थे।

OFFICE OF THE EXECUTIVE ENGINEER, BUILDING CONSTRUCTION DEPARTMENT BUILDING DIVISION, HAZARIBAG

e-Procurement Cell
very Short e-Procurement Notice

Quotation **Reference No:-BCD/EE/**HAZARIBAG/ 05 /2025-26 **Date:- 11-10-2025**

Sealed Quotations are invited for the work **Construction of Ortho Moduar Operation Theatre (OT) in Existing Maternity Ward (G+3) Building in Shekh Bhikhari Medical Hospital (sadar Hospital) District- Hazaribagh.** For all Materials from Reputed Shop Keepers/Manufacturers/ Suppliers/ Retailers/ Distributors and Registered B.C.D. Contractors for following items. They should quote their rates for unit mentioned in the table. If they do not deals all the below mentioned items then they are allowed to quote their rate for part of the items which ever they deals. The rates should be exclusive of all types of Taxes, GST, Contractor's Profit and overhead charges etc. but inclusive of Royalty. All Rates should be exclusive of Labour Cess.

Terms and Condition

1. The quotationer shall furnish Pan, GST registration no.
2. The rate quoted by quotationer shall be firm and final.
3. The undersigned reserves the right to accept or reject/cancel any or all quotations without assigning any reason there of

नोटः–
(1) वेवसाईट में ई–कोटेशन प्रकाशन की तिथि : 16.10.2025 के अपराह्न 3:00 बजे।
(2) वेवसाईट में ई–कोटेशन अपलोड की अंतिम तिथि : 24.10.2025 के अपराह्न 3:00 बजेतक।
(3) ई–कोटेशन खोलने की तिथि एवं समय 25.10.2025 अपराह्न 3:00 बजे।
(4) ई–कोटेशन आमंत्रित करने वाले पदाधिकारी का नाम एवं पता : कार्यपालक अभियंता, भवन निर्माण विभाग, भवन प्रमण्डल ,हजारीबाग।
(5) ई–कोटेशन प्रकोष्ठ का दूरभाष सं0 : 9348952485

Further details and subsequent amendments can be seen on website http://jharkhandtenders.gov.in

**Nodal Officer, e-Procurement Cell,
Office of the Executive Engineer,
Building Construction Department, Building Division,** Hazaribag

PR.NO.363978 Building(25-26):D

कोटपा उल्लंघन पर छापामारी अभियान

राष्ट्रीय खबर

बोकारो: तम्बाकू मुक्त युवा अभियान के तहत सोमवार को उपायुक्त श्री अजय नाथ झा के आदेशानुसार एवं सिविल सर्जन डॉ. अभय भूषण प्रसाद के निर्देशन में सिटी थाना क्षेत्र में कोटपा 2003 की धारा 4, 6ए, 6बी एवं 6सी के तहत विशेष छापामारी अभियान चलाया गया। यह कार्रवाई सिटी थाना प्रभारी के सहयोग से जिला छापामारी दल द्वारा की गई। जिला परामर्शी मो. असलम के नेतृत्व में नयामोड़ बस स्टैंड, नयामोड़ चौक तथा कोऑपरेटिव कॉलोनी क्षेत्र के कुल 74 दुकानों की जांच की गई। इस दौरान 21 दुकानदारों व व्यक्तियों को कोटपा कानून का उल्लंघन करते पाया गया, जिनसे 3,500 का जुमार्ना वसूला गया। जिला परामर्शी मो. असलम ने बताया कि कोटपा संशोधन अधिनियम 2021 के तहत 21 वर्ष से कम आयु के अवयस्कों को तम्बाकू उत्पाद बेचना दण्डनीय अपराध है, जिसके लिए 1,000 तक का जुमार्ना निर्धारित है। सभी दुकानदारों को अपने प्रतिष्ठान के सामने 3060 सेमी का बोर्ड लगाना अनिवार्य है, जिसमें आधे हिस्से में लिखा हो कि 21 वर्ष से कम आयु के व्यक्ति को तम्बाकू बेचना दण्डनीय अपराध है तथा दूसरे हिस्से में मुख कैंसर की चेतावनी तस्वीर प्रदर्शित हो। साथ ही दुकानदारों से अपील की गई कि वे तम्बाकू उत्पादों के प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष प्रचार-प्रसार से संबंधित कोई भी पोस्टर, बैनर या टैग अपने दुकानों के बाहर न लगाएँ, क्योंकि यह कोटपा 2003 की धारा 5 का उल्लंघन है। अभियान में स्वास्थ्य विभाग के प्रतिनिधि मो. असलम , सिटी थाना के एसआई तथा छापामारी दल के सदस्य उपस्थित रहे।

खैनी का सेवन करना मुंह के कैंसर का कारण

राष्ट्रीय खबर

बोकारो : सोमवार को सिविल सर्जन डॉ. अभय भूषण प्रसाद के आदेशानुसार राम विलास +2 उच्च विद्यालय एवं राजेन्द्र उच्च विद्यालय, जारंगडीह (बेरमो) में तम्बाकू के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूकता सेमिनार का आयोजन किया गया। सेमिनार में छात्रों को तम्बाकू सेवन से होने वाले विभिन्न जनित रोगों के बारे में जानकारी दी गई तथा उन्हें तम्बाकू छोड़ने हेतु परामर्शी सेवाओं और नशा मुक्ति केन्द्र में उपलब्ध सुविधाओं के बारे में अवगत कराया गया। जिला परामर्शी मो. असलम ने बताया कि मुंह के कैंसर के 92 प्रतिशत मामलों का मुख्य कारण तम्बाकू है। उन्होंने कहा कि खैनी का सेवन भी मुंह के कैंसर का प्रमुख कारण बनता है। झारखंड में लगभग 38.9 प्रतिशत लोग किसी न किसी रूप में तम्बाकू का सेवन करते हैं, जिनमें 59.7 प्रतिशत पुरुष और 17 प्रतिशत महिलाएं शामिल हैं। इनमें से लगभग 26 प्रतिशत पुरुष केवल खैनी का सेवन करते हैं, जो अत्यंत हानिकारक है। कार्यक्रम में विद्यालय के प्राचार्य, स्वास्थ्य विभाग के सोशल वर्कर छोटेलाल दास, दन्त सहायक विक्की कुमार सहित शिक्षक, विद्यालय स्टाफ एवं विद्यार्थी उपस्थित थे।

कार्यालय जिला शिक्षा अधीक्षक, लातेहार
–: कार्यालय आदेश :–
काउंसिलिंग हेतु निर्धारित तिथि एवं समय

झारखण्ड कर्मचारी चयन आयोग के विज्ञापन सं० 13/2023 के आलोक में झारखण्ड प्रारंभिक विद्यालय प्रशिक्षित सहायक आचार्य संयुक्त प्रतियोगिता परीक्षा 2023 के आधार पर सहायक आचार्य संवर्ग अंतर्गत स्नात्तक प्रशिक्षित सहायक आचार्य (कक्षा 6 से 8 समाजिक विज्ञान) के पद पर नियुक्ति हेतु आयोग द्वारा सफल अनुशंसित अभ्यर्थियों एवं निदेशक (प्रा0 शि0) झारखण्ड राँची के पत्रांक 1941 दिनांक 10.10.2025 के द्वारा प्राप्त सूची के अनुसार कुल 88 (कक्षा 6–8 समाजिक विज्ञान) अभ्यर्थियों का जिला स्तरीय काउंसलिंग की तिथि दिनांक 16.10.2025 को स्थान समाहरणालय भवन, द्वितीय तल जिला शिक्षा अधीक्षक कार्यालय, लातेहार में निर्धारित किया जाता है। जाँच–पत्रक, दिशा–निर्देश एवं शेडयूल आवश्यक कार्यार्थ संलग्न है, जो जिला के अधिकारिक बेबसाईट www.latehar.nic.in पर भी उपलब्ध है।

सभी सफल अनुशंसित अभ्यर्थियों से अनुरोध है कि संलग्न जाँच–पत्रक को सही–सही स्वयं भरकर काउंसलिंग की तिथि एवं निर्धारित समय पर अपने सभी शैक्षणिक/प्रशैक्षणिक मूल प्रमाण–पत्र सहित (02 प्रति) में स्वः अभिप्रमाणित छायाप्रति के साथ उपस्थित होना सुनिश्चित करेंगे। मूल शैक्षणिक/प्रशैक्षणिक प्रमाण–पत्र एवं स्वः अभिप्रमाणित छायाप्रति जाँच पत्रक के क्रम विन्यास के अनुसार 02 फोल्डर में संधारित करते हुए काउसंलिग में उपस्थित होना सुनिश्चित करेंगे। फोल्डर के ऊपरी भाग में साफ–साफ बड़े अक्षरों में सफल घोषित एवं अनुशंसित अभ्यर्थियों का नाम, पिता का नाम, क्रमांक, मेधा क्रमांक एवं कोटि आवश्यक रूप से अंकित करेंगे। इस संबंध में सफल घोषित एवं अनुशंसित अभ्यर्थियों को उनके वाट्सएप/एस.एम.एस एवं ई. मेल के माध्यम से व्यक्तिगत रूप से भी सूचित किया जा रहा है।

निर्धारित शेडयूल निम्नवत हैः–

क्र0	सफल घोशित एवं अनुषसित अभ्यर्थियों का क्रमांक	विषय	काउंसलिंग की तिथि	समय	स्थान	अभ्युक्ति
1	1 से 88	समाजिक विज्ञान 6–8	16.10. 2025	09:00 पूर्वाह्न	जिला शिक्षा अधीक्षक कार्यालय, लातेहार समाहरणालय भवन द्वितीय तल	

उक्त काउंसलिंग कार्य नोडल पदाधिकारी अपर समाहर्ता लातेहार, के निगरानी में संपन्न किया जायेगा।

ह0/–
जिला शिक्षा अधीक्षक,लातेहार।

PR 364022 Human Resource Developement(25-26)D

बैठक आइसीडीएस की समीक्षा बैठक में उपायुक्त ने दिए सख्त निर्देश

केंद्रों की अनियमितता किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं

- जिला प्रशासन जीरो टोलरेंस नीति पर काम कर रहा है
- सीडीपीओ अपने क्षेत्र की साप्ताहिक समीक्षा करें
- कोई भी बच्चा दोबारा कुपोषित न हो

राष्ट्रीय खबर

बोकारो : समाहरणालय सभागार में सोमवार को उपायुक्त अजय नाथ झा की अध्यक्षता में एकीकृत बाल विकास सेवा (आइसीडीएस) की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में उप विकास आयुक्त शताब्दी मजूमदार, डीएसडब्ल्यूओ डॉ. सुमन गुप्ता, सहायक निदेशक पियूष, डीपीआरओ रवि कुमार सहित सभी सीडीपीओ और पर्यवेक्षिका (एलएस) उपस्थित रहीं। उपायुक्त ने कहा कि प्रत्येक सीडीपीओ अपने क्षेत्र की साप्ताहिक समीक्षा करें और जिन सेविकाओं की तीन बार गलती या लापरवाही पाई जाए, उनके खिलाफ हटाने की अनुशंसा करें। उन्होंने कहा कि जिला प्रशासन जीरो टोलरेंस नीति पर काम कर रहा है, इसलिए कुपोषण या केंद्रों की अनियमितता किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं होगी। उन्होंने निर्देश दिया कि सभी सेविकाएं समर एप व पोषण ट्रैकर एप को सक्रिय करें और लंबित डेटा शून्य रखें ताकि बच्चों को अच्छा पोषण मिल सके और कोई भी बच्चा दोबारा कुपोषित न हो। उपायुक्त ने आंगनबाड़ी केंद्रों की स्वच्छता, बिजली कनेक्शन, डीएमएफटी से प्राप्त सामग्रियों के अधिष्ठापन तथा रेन वाटर हार्वेस्टिंग कार्य पर विशेष बल दिया। बैठक में पीएम मातृत्व वंदना योजना, सावित्रीबाई फुले किशोरी समृद्धि योजना, मुख्यमंत्री कन्यादान योजना व पालनघर योजना की भी समीक्षा की गई। उपायुक्त ने यह भी निर्देश दिया कि नियमित रूप से नहीं खुलने वाले केंद्रों पर सीडीपीओ से जवाबदेही तय की जाएगी। अंत में उन्होंने कहा कि बाल विकास और महिला सशक्तिकरण से जुड़ी योजनाओं में पारदर्शिता आवश्यक है, क्योंकि ये समाज के भविष्य से जुड़ी हैं। साथ ही जिला प्रशासन ने निर्णय लिया कि लावारिस अस्थियों का विधिवत विसर्जन सम्मानपूर्वक कराया जाएगा।

समाहरणालय, सिमडेगा
(जिला समाज कल्याण शाखा)
ई–मेलः– awc5.monitoring@gmail.com

अल्पकालीन निविदा सूचना

वित्तीय वर्ष– 2025–26 में राज्य योजनान्तर्गत आँगनबाड़ी केन्द्रों के 03 से 06 वर्ष के बच्चों को गर्म पोशाक उपलब्ध कराने हेतु प्राप्त आवंटन से सिमडेगा जिला अन्तर्गत 07 परियोजनाओं में आपूर्ति हेतु अधिकृत आपूर्तिकर्त्ता/संस्थान/निर्माता से मुहरबन्द लिफाफे में निविदा आमंत्रित की जाती है।

निविदादाता द्वारा द्वी बिड पद्धति के अनुरूप मुहरबन्द लिफाफे में तकनिकी एवं वित्तीय अंश को अलग–अलग मुहरबंद लिफाफों में जिला समाज कल्याण पदाधिकारी, सिमडेगा के कार्यालय में दिनांक – **29.10.2025** को **01:00 बजे अपराह्न** तक जमा किया जायेगा। प्राप्त निविदा को दिनांक – **29.10.2025** को अपराह्न **03:00 बजे** निविदादाता अथवा उनके प्राधिकृत प्रतिनिधियों के समक्ष निविदा निस्तारण समिति के समक्ष खोला जाएगा।

ऊनी पोशाक की महत्वपूर्ण विवरणी :–

Sl.No	Particulars	Requirement	Remarks
1	Sweater Quality	Unisex	
2	Colour	Maroon	
3	Material (blend composition)	Acrylic - 100%(±2%)	
4	Yarn	High bulk Yarn	
5	Neck Type	Hoodie	
6	Sleeve	Full regular sleeve	
7	Weight	225 gm & above	
8	Shrinkage or elongation on washing (max)	4% or better	
9	Colour fastness to Light	4% or better	
10	Colour fastness to Washing	Change in colour 3 or better, stain on Adjacent Fabric 3 or better	
11	Logo	जिला – सिमडेगा	स्वेटर के बांयी ओर 1"x" आकार का लोगो होगा।
12	Size	For Children of Age Group between 03-04 Yrs, 04-05 Yrs & 05-06 Yrs	तीन आयु वर्ग के बच्चों के लिए गर्म पोशाक की आपूर्ति की जानी है।

निविदा की नियम एवं शर्ते जिले के वेवसाईट www.simdega.nic.in एवं जिला समाज कल्याण के सूचना–पट्ट पर देखा जा सकता है।

उपायुक्त,
सिमडेगा

PR 364051 Simdega(25-26)#D

शहर >> अपडेट

बोकारो थर्मल से तेनुघाट तक एक रैली

बेरमो: अम्बेडकर-बुद्धा सोसाइटी ऑफ इंडिया सहित विभिन्न बहुजन संगठनों के संयुक्त तत्वावधान बोकारो थर्मल से तेनुघाट तक एक रैली निकालकर वकील राज किशोर को गिरफ्तार करने की मांग की है। उन्होंने महामहिम राष्ट्रपति के नाम इस संबंध में एक ज्ञापन बेरमो एसडीओ को सौंपा है। ज्ञापन में संविधान और सामाजिक न्याय से जुड़े कई गंभीर मुद्दों पर नाराजगी व्यक्त की गई और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की गई। रैली बोकारो थर्मल से शुरू होकर कथारा, स्वांग, गोमिया, होसिर औ? साड़म होते तेनुघाट अनुमंडल मुख्यालय पहुंची। यहां वक्ताओं ने कहा कि भारत के मुख्य न्यायाधीश बी.आर. गवई जी पर जूता फेंकने की घटना संविधान पर प्रहार है। इसे एक सुनियोजित साजिश बताया गया और ज्ञापन में मांग की गई कि संबंधित ह्लमनुवादी वकीलह्व पर देशद्रोह का मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई की जाय।

प्रशिक्षण > शिक्षकों के दो दिवसीय 'क्षमता संवर्धन कार्यशाला' का शुभारंभ

नई शिक्षा नीति को धरातल पर उतारने के लिए शिक्षकों का प्रशिक्षण जरूरी: महाप्रबंधक

राष्ट्रीय खबर

बेरमो :डी ए वी स्कूल कथारा में झारखंड जोन-आई के सात विद्यालयों के शिक्षकों के दो दिवसीय 'क्षमता संवर्धन कार्यशाला' का शुभारंभ क्षेत्र के महाप्रबंधक सह विद्यालय के स्थानीय प्रबंधन समिति के अध्यक्ष संजय कुमार के द्वारा किया गया। कार्यक्रम की सुरुआत वैदिक मंत्रों के बीच दीप प्रज्वलन के साथ किया गया। विद्यालय के विद्यार्थियों ने सांस्कृतिक कार्यक्रमों के माध्यम से अतिथियों का स्वागत किया जिनमें स्वागत गान एवं झारखंड की संस्कृति को दशार्ता एक लोक नृत्य शामिल था। मुख्य अतिथि महाप्रबंधक ने अपने उद्बोधन में कहा कि आज इस विद्यालय के प्रांगण में झारखंड जोन-आई के सात विद्यालयों के लगभग 374 शिक्षक- शिक्षिकाएं उपस्थित हैं जो प्राथमिक, माध्यमिक एवं उच्चतर माध्यमिक स्तर के हैं। सभी सीबीएसई के नियमों के तहत वर्ष में 50 घंटे के प्रशिक्षण के क्रम में एकत्रित हुए हैं। इन सभी को सामान्य एवं विषय

विशेष दोनों का प्रशिक्षण लेना है। मुख्य अतिथि ने बताया कि नई शिक्षा नीति के तहत तीन बिंदुओं पर विशेष बल दिया गया है। सबसे पहले इस बात पर बल दिया गया कि शिक्षा रटन्त न होकर क्रियाकलाप आधारित होनी चाहिए.शिक्षा अनुभव आधारित होनी चाहिए। इन तीनों के पालन से ही बच्चे का सर्वांगीण विकास संभव है जो आज के प्रतिस्पर्धा भरे युग की सबसे बड़ी आवश्यकता है। यहां उपस्थित सभी शिक्षकगण इस प्रशिक्षण से लाभान्वित होंगे और अपने-अपने विद्यालयों में जाकर यहां सीखी गई तकनीकों का प्रयोग कर विद्यार्थियों का बहुमुखी विकास करेंगे। यदि बच्चों का विकास होगा तो देश का विकास होगा।

समारोह के विशिष्ट अतिथि कथारा परियोजना पदाधिकारी कृष्ण मुरारी ने अपने वक्तव्य में कहा कि डीएवी सिर्फ शिक्षा ही नहीं देता, विद्यार्थियों में संस्कार का भी बीजारोपण करता है। बच्चे शिक्षित और संस्कारवान हों ,इसी उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए सेंट्रल कोलफील्ड लिमिटेड के प्रत्येक क्षेत्र में डीएवी विद्यालयों की स्थापना की गई है।

विद्यालय के प्राचार्य सह झारखंड जोन -आई के क्षेत्रीय सहायक पदाधिकारी डॉक्टर जी.एन.खान ने कहा कि मैं जी एम संजय कुमार एवं परियोजना पदाधिकारी कृष्ण मुरारी महोदय का आभारी हूं कि उन्होंने अपने व्यस्ततम कार्यक्रमों में से हमारे लिए समय निकाल। उन्होंने जोन -आई के सभी प्राचार्यों एवं शिक्षकों की तरफ से इन दोनों पदाधिकारियों का आभार जताया। उन्होंने कहा कि जीएम एवं पोओ महोदय का कुशल नेतृत्व एवं सहयोग हमेशा हमें मिलता रहे ऐसी मैंआशा व्यक्त करता हूं। प्राचार्य ने उपस्थित सात विद्यालयों के प्राचार्यों जिनमें डी ए वी स्वांग की प्राचार्या श्रीमती डी. बनर्जी,डी ए वी तेनुघाट की प्राचार्या श्रीमती स्तुति सिन्हा,डी ए वी ललपनिया के प्राचार्य तापस बनर्जी, डी ए वी ढोरी के प्राचार्य अमिताव दास गुप्ता, डी ए वी भंडारीदह के प्राचार्य रितेश कुमार, डी ए वी दुग्दा के प्राचार्य पीके पॉल एवं विषय विशेषज्ञों का भी विशेष तौर पर अभिनंदन किया। इस अवसर पर डी ए वी सेक्टर 6 की प्राचार्या अनुराधा सिंह,डी ए वी खेलारी के प्राचार्य डॉक्टर कमलेश प्रसाद,डी ए वी गुमला के प्राचार्य डॉक्टर आरके साहू भी उपस्थित थे जिन्हें प्राचार्य ने विशेष तौर पर धन्यवाद दिया।

रोड हरलाडीह में सड़क दुर्घटना में दो युवकों की मौत, एक घायल

पीरटांड़ ।पीरटांड़ थाना क्षेत्र के रोड हरलाडीह के गिरिडीह -डुमरी रोड पर हुई सड़क दुर्घटना में दो युवकों की घटनास्थल पर ही मौत हो गई वहीं एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया । घटना के संबंध में मिली जानकारी के मुताबिक पीरटांड़ के गिरिडीह-डुमरी पथ के रोड हरलाडीह में दो बाइक के बीच आपस में जबरदस्त टक्कर हो गई। टक्कर इतना जबरदस्त था कि बाइक के परखच्चे उड़ गए। साथ ही बाइक में सवार दो युवक की मौत हो गई। वहीं एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना के बाद घटनास्थल पर राहगीरों एवं स्थानीय लोगों की भारी भीड़ जमा हो गई। इधर घटना की सूचना मिलते ही पीरटांड़ थाना प्रभारी दिपेश कुमार दल-बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे और आनन फानन में लोगों की मदद से तीनों युवकों को गिरिडीह सदर अस्पताल भेज दिया। वही बताया जा रहा है कि घायल युवक का पैर टूट गया है। जिसका इलाज सदर अस्पताल में किया जा रहा है। खबर लिखे जाने तक तीनों युवक की पहचान नहीं हो पाई है। थाना प्रभारी ने बताया कि घटना में तीनों लोग बुरी तरह घायल था जिन्हें आनन फानन में गिरिडीह भेज दिया गया है ।

राष्ट्रीय खबर कॉर्नर

चलकरी में सोलर प्लांट का निर्माण का नही बनी सहमति, ग्रामीणो ने किया बहिष्कार

राष्ट्रीय खबर

बेरमो:सीसीएल बीएंडके क्षेत्र के करगली आफिसर्स क्लब मे सोमवार को प्रबंधन और चलकरी बस्ती के ग्रामीण की बीच बैठक हुई..अधिकारियो ने बताया कि बीएंडके क्षेत्र के चलकरी में सीसीएल द्वारा अधिग्रहीत 80 एकड जमीन पर लगभग 70 करोड़ की लागत से 8.5 मेगावाट सोलर प्लांट का निर्माण किये जाने की योजना है. साथ ही साथ कि केंद्र सरकार का कोल इंडिया के साथ समझौता हुआ है. उसमें सोलर मिशन के तहत ग्रीन ऊर्जा के माध्यम से गांवों को बिजली उपलब्ध करायी जानी है. चलकरी में चार यूनिट का निर्माण किया जायेगा, जिसे ए, बी, सी व डी के नाम से जाना जायेगा. ग्रामीणो ने एक स्वर मे कहा कि सीसीएल के द्वारा पहले चलकरी बस्ती मे ग्रामीणो को बिजली और पानी उपलब्ध कराई जाए, तब हमलोग सोलर प्लांट का निर्माण करने देगे. इसके बाद बैठक का बहिष्कार करते हुए बाहर निकल गए. बैठक मे स्टाफ आफिसर (विद्युत एवं यांत्रिक) जयशंकर प्रसाद और भू-राजस्व पदाधिकारी शंकर कुमार सहित पसं इंद्रजीत मंडल, पूर्व मुखिया पंचानन मंडल सहित भरत मंडल, सुरेश शर्मा, मुन्ना गिरि, किशुन नायक, छुटन केवट, भोला केवट, राज केवट, पंकज केवट, रामदेव केवट, मोहम्मद मनीरूदीन, मोहम्मद सरफराज, संतोष मंडल, तैयब हुसैन, बंटी केवट आदि मुख्य रूप से उपस्थित हुए।

शॉर्ट न्यूज अपडेट्स >>

गोला में युवक ने किया आत्महत्या, कुएं में गिरकर वृद्धा की मौत

गोला (रामगढ़) गोला थाना क्षेत्र के जोभीया गांव के पुरना टांड में रविवार की सुबह को एक युवक का शव पुलिस ने पेड़ से लटका हुआ बरामद किया है। युवक की पहचान इसी गांव निवासी अंजनी कुमार 30 वर्ष पिता महेश महतो के रूप में की गई है। युवक का शव एक पेड़ में रस्सी के सहारे झूलता हुआ पाया गया। घटना के संबंध में बताया गया कि युवक प्रत्येक दिन की तरह घर से गाय को पानी पिलाने के लिए गया था। इसके बाद फिर लौट कर वापस नहीं आया। पुलिस ने शव को कब्जे में कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। इधर युवक की मौत के बाद परिजनों का रो रो कर बुरा हाल है। थाना प्रभारी अभिषेक कुमार ने बताया कि प्रथम दृष्टिया मामला आत्महत्या का लगता है। उन्होंने संभावना जताया कि घरेलू विवाद में आकर युवक ने आत्महत्या कर लिया होगा। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही स्पष्ट जानकारी मिल पायेगा। इधर इसी थाना क्षेत्र के खोखा लदनाटाड के एक कुआं में गिरने से पचमी देवी 65 वर्ष पति सरधू महतो की मौत हो गई।

मुहं के कैंसर का 92 प्रतिशत मुख्य कारण तम्बाकू होता है: जिला परामर्शी

राष्ट्रीय खबर

- खैनी का सेवन करना भी मुंह के कैंसर का कारण बनते हैं। जिला परामर्शी।

बेरमो:सोमवार को डा0 अभय भूषण प्रसाद सिविल सर्जन बोकारो के आदेशानुसार ग्राम विलास +2 उच्च विद्यालय एवं राजेन्द्र उच्च विद्यालय जारंगडीह बेरमो बोकारो में तम्बाकू के दुष्प्रभाव के प्रति जागरूक करने हेतु सेमिनार का आयोजन किया गया।

जिसमें बच्चों को तम्बाकू से होने वाले जनित रोगों से अवगत कराया गया साथ ही सभी को तम्बाकू छोडने के परामर्शी सेवा के साथ साथ तम्बाकू नशा मुक्ति केन्द्र में उपलब्ध सुविधाओं से अवगत कराया गया।

सोशल वर्कर छोटेलाल दास ने बच्चों को बताया कि खैनी का सेवन भी मुंह के कैंसर का कारण बनता है।

झारखण्ड में कुल आबादी का लगभग 38.9 प्रतिशत लोग तम्बाकू किसी न किसी रूप में लेते हैं जिसमें 59.7 प्रतिशत पुरूष है और 17 प्रतिशत महिलायें है। 59.7 प्रतिशत पुरूष में 26 प्रतिशत लोग झारखण्ड में सिर्फ और सिर्फ खैनी का सेवन करते हैं जोकि मुंह के कैंसर का एक मुख्य कारण होते है।

110 बच्चों के भविष्य के साथ हो रहा खिलवाड़

राष्ट्रीय खबर

- विधालय में एक भी सरकारी शिक्षक नही।
- दो पारा शिक्षकों के भरोसे चल रहा पठन पाठन का कार्य।
- बीईओ ने कहा जल्द ही होगा समस्या का समाधान।

खेतको : पेटरवार प्रखंड के चांपी पंचायत अंतर्गत चांपी बीच टोला स्थित उत्क्रमित मध्य विधालय इन दिनों 110 बच्चों के भविष्य के साथ खुले आम खिलवाड़ किया जा रहा है। मिली जानकारी के अनुसार इस विधालय में कुल 110 बच्चे शिक्षारत मगर शिक्षक के नाम पर एक भी स्थायी शिक्षक नही है मात्र दो पारा शिक्षकों के दम पर यह स्कूल संचालित है। अब आप मात्र कल्पना कर यह सोचिए कि जिस विधालय में शून्य से आठवीं कक्षा तक के 110 बच्चे शिक्षा ग्रहण करते हो वहां भला दो शिक्षक किस तरह बच्चों

को विभिन्न विषय पढाते होगे। विधालय के प्रधान शिक्षिका रिता कुमारी ने बताया कि शिक्षकों की कमी की शिकायत वे अनेकों बार विभाग को दे चुकी है मगर अभी समस्या का समाधान नही हुआ है। बतायी कि उनके अलावे एक और पारा शिक्षक रोहित उपाध्याय यहां सेवा दे रहे हैं। मगर समस्या यहां यह उत्पन्न होता है कि शिक्षक के अभाव में सभी कक्षाओं के बच्चों को दो हिस्सों में बांट कर आधा बच्चों को हमारे सहयोगी पढ़ाते हैं और आधा को मै स्वयं पढ़ाती हूं। इसी समस्या के कारण ढंग से पढ़ाई में समस्या होती है।

क्या कहते हैं इस मामले पर पेटरवार बीईओ-इस मामले पर पेटरवार बीईओ प्रतिमा दास से पुछे जाने पर उन्होंने बताई यह मामला मेरे संज्ञान में है। कही कि शिक्षकों के अभाव के कारण यह स्थिति है मगर अब शिक्षकों की नियुक्तियां लगातार जारी है और जल्द ही इस तरह की समस्याओं से सभी विधालयो को नजात मिलेगा। बहरहाल फिलवक्त चांपी मध्य विद्यालय की स्थिति काफी दयनीय है और लगभग 110 छात्र छात्राओं का भविष्य अधर में लटका हुआ है।

अग्रसेन डीएवी में दो दिवसीय सीबीएसई कार्यशाला का समापन

राष्ट्रीय खबर

कुजू : अग्रसेन डीएवी पब्लिक स्कूल भरेच नगर में रविवार को दो दिवसीय कार्यशाला का समापन हुआ। ज्ञात हो कि यह कार्यशाला दिनांक 11 अक्टूबर 2025 को प्रारंभ हुई थी। इस कार्य शाला का शुभारंभ मंत्रोच्चारण कर दीप प्रज्वलन के साथ किया गया। रिसोर्स पर्सन के रूप में श्रीमती गीतांजलि जाजू एवं श्री राजेश सिंह उपस्थित रहे।

विद्यालय के प्राचार्य सह सहायक क्षेत्रीय पदाधिकारी जोन 'एफ' श्री निशिकांत कर ने प्रशिक्षकों को पुष्प गुच्छ व अंग वस्त्र देकर स्वागत, सम्मान किया। इस दौरान प्राचार्य ने कार्यशाला के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि विद्यालयों में समय-समय पर कार्यशाला का आयोजन शिक्षकों में पढ़ाने के नए- नए ढंग के साथ-साथ नई ऊर्जा भी प्रदान करती है। दोनों ही रिसोर्स पर्सन ने विद्यार्थियों के हित में शिक्षक समुदाय के लिए सीबीएसई द्वारा प्रदत्त दिशा निर्देशों के अनुसार नवीन शिक्षण पद्धति के कौशल बताए।

कार्यशाला में किस तरह से विद्यार्थियों का शिक्षण के माध्यम से समुचित विकास हो सकता है पर गहन प्रकाश डाला गया। इसमें विभिन्न विषयों पर सामूहिक रूप से क्रियाकलाप भी करवाए गए। कार्यशाला काफी आनंददायक व ज्ञानवर्धक रही। मंच संचालन विद्यालय की वरिष्ठ शिक्षिका श्रीमती मौसमी बनर्जी एवं धन्यवाद श्री सुधीर मिश्रा के द्वारा किया गया । वहीं कार्यशाला का समापन शांति पाठ के साथ किया गया।

संक्षिप्त >> अपडेट्स

बेरमो के कोयला व्यापारी पहुचे कोल इंडिया हेडक्वार्टर

बेरमो :बेरमो के कोयला व्यापारी बिडिंग और कोयला उठाव मे हो रही समस्याओ को लेकर कोयला व्यापारी कोल इंडिया हेडक्वार्टर कोलकाता पहुचे.

सेल्स मार्केटिंग आफिसर मुकेश कुमार चौधरी से मुलाकात किया. व्यापारियो ने कोल बिडर और कोयला उठाव मे हो रही परेशानियो से अवगत कराया.

बुद्धा सोसाइटी ऑफ इंडिया ने वकील राज किशोर को गिरफ्तार की मांग की

राष्ट्रीय खबर

पेटरवार : पेटरवार अम्बेडकर-बुद्धा सोसाइटी ऑफ इंडिया सहित विभिन्न बहुजन संगठनों के संयुक्त तत्वावधान बोकारो थर्मल से तेनुघाट तक एक रैली निकालकर वकील राज किशोर को गिरफ्तार करने की मांग की है। उन्होंने महामहिम राष्ट्रपति के नाम इस संबंध में एक ज्ञापन बेरमो एसडीओ को सौंपा है। ज्ञापन में संविधान और सामाजिक न्याय से जुड़े कई गंभीर मुद्दों पर नाराजगी व्यक्त की गई और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की गई। रैली बोकारो थर्मल से शुरू होकर कथारा, स्वांग, गोमिया, होसिर और साड़म होते तेनुघाट अनुमंडल मुख्यालय पहुंची। यहां वक्ताओं ने कहा कि भारत के मुख्य न्यायाधीश बी.आर. गवई जी पर जूता फेंकने की घटना संविधान पर प्रहार है। इसे एक सुनियोजित साजिश बताया गया और ज्ञापन में मांग की गई कि संबंधित ह्लमनुवादी वकीलह्व पर देशद्रोह का मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई की जाय। उन्होंने हरियाणा के वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी वाई. पुरन कुमार की संस्थागत हत्या के लिए राज्य के डीजीपी को जिम्मेदार ठहराते हुए कानूनी कार्रवाई की मांग की गई। इसके साथ ही उत्तर प्रदेश के रायबरेली में हरिओम बाल्मीकि के साथ हुई जातीय हिंसा के आरोपियों की तत्काल गिरफ्तारी और मृतक के परिवार को 25 लाख मुआवजा देने की मांग की गई। ग्वालियर हाईकोर्ट के वकील अनिल मिश्रा और आनंद स्वरूप महाराज द्वारा डॉ. भीमराव अंबेडकर के विरुद्ध दिए जा रहे विवादित बयानों की निंदा करते हुए कहा गया कि संविधान निमार्ता का अपमान बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। दोनों के खिलाफ राष्ट्रद्रोह का मुकदमा दर्ज करने की मांग की गई।

सीसीएल ने जारंगडीह के दर्जनों अवैध पानी कनेक्शन लेने वालों को नोटिस किया जारी

बेरमो : सीसीएल कथारा प्रक्षेत्र के जारंगडीह परियोजना पदाधिकारी ने जारंगडीह बाजार के दर्जनों दुकानदारों और निवासी को नोटिस जारी कर एक सप्ताह के भीतर अवैध पानी कनेक्शन हटाने का निर्देश दिया है अन्यथा उन सभी पर कानूनी कार्रवाई की चेतावनी दी गई है मगर इस नोटिस लिस्ट में एक नाम ऐसा भी जोड़ा गया है जिन्होंने कोई पानी कनेक्शन नहीं लेने का दावा किया है। गौरतलब हो कि जारंगडीह के अधिकांश सरकारी जमीन पर अवैध मकान और दुकान का निर्माण किया गया है मगर उस समय सीसीएल द्वारा कोई नोटिस या कारवाई नही की गई मगर मात्र पानी का कनेक्शन लेने पर नोटिस जारी कर कानूनी कार्रवाई की चेतावनी देना प्रबंधन की दोहरी नीति बल देता है। सवाल उठता है कि जब लोग सरकारी जमीन पर निवास करेंगे तो सुविधा मुहैया करवाना कंपनी की ही जिम्मेदारी मे शुमार हो जाता है।

जितरा टुंगरी में फुटबॉल प्रतियोगिता का समापन

राष्ट्रीय खबर

- पेनल्टी शूट-आउट में विजेता बनी अम्बा टोला

वेस्ट बोकारो (घाटो) : स्व. महावीर मांझी मेमोरियल फुटबॉल प्रतियोगिता के तत्वावधान में रविवार को जितरा टुंगरी दो नंबर धनीराम मांझी मैदान में आयोजित तीन दिवसीय फुटबॉल प्रतियोगिता का समापन हुआ। बतौर अतिथि के रूप में इचाकडीह पंचायत मुखिया रमेश राम, जिला परिषद प्रतिनिधि हेमलाल महतो, शंकर करमाली, केदला मध्य पंचायत मुखिया प्रतिनिधि मंतोष सिंह, बसंत कुमार, सुरेन्द्र महतो, बिरजा मांझी, चेतो मांझी, तालो मांझी उपस्थित हुए। आयोजकों ने पुष्पगुच्छ देकर अतिथियों का स्वागत किया। फाइनल मैच अम्बा टोला और मुकुंदा बेड़ा के बीच खेला गया। जिसमें पेनल्टी शूट-आउट में अम्बा टोला की टीम ने मुकुंदा बेड़ा टीम को 4 - 1 से हराकर विजेता बनी। मौके पर किस्टो मांझी, हेमंत कुमार, अशोक हेम्ब्रोम, मंथन हेम्ब्रोम, सहदेव लकड़ा, मुकेश मुंडा, अजय चौहान, सोमरा टुडू, तालो मांझी, सोनू हेम्ब्रोम, अनिल हेम्ब्रोम, जीतन सोरेन, अरुण हेम्ब्रोम, शंकर उरांव, चारो टुडू, सूरज उरांव, संजय टुडू, अमृत हेम्ब्रोम, गौरी शंकर रजवार, अजय रजक, रोशन कुमार, सोनू सहित कई मौजूद थे।

अनुसूचित जनजाति उपयोजना अंतर्गत किसान मेला सह प्रदर्शनी का आयोजन

राष्ट्रीय खबर

कुजू / मांडू : कृषि विज्ञान केंद्र, मांडू रामगढ़ में अनुसूचित जनजाति उपयोजना अंतर्गत किसान मेला सह प्रदर्शनी का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। मुख्य अतिथि विधायक निर्मल महतो तथा अतिविशिष्ट अतिथि कुलपति अजय कुमार सिंह थे। इस अवसर पर विभिन्न वैज्ञानिकों ने किसानों को जलवायु अनुकूल खेती, एकीकृत कृषि प्रणाली, मूल्य संवर्धन एवं ग्रामीण उद्यमिता अपनाने की सलाह दी। मेले में एक हजार से अधिक किसानों, महिला समूहों और युवाओं ने भाग लिया। 25 से अधिक विभागीय एवं निजी स्टॉलों में आधुनिक कृषि उपकरण, जैविक खाद, पशुपालन, मशरूम उत्पादन आदि का प्रदर्शन किया गया। महिला किसानों के स्टॉल आकर्षण का केंद्र रहे। उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले किसानों व समूहों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. इंद्रजीत और धन्यवाद ज्ञापन डॉ. सुधांशु शेखर ने किया।

छापामारी > खुले में धुम्रपान रोकने हेतु सामाजिक सहभागिता जरूरी

कोटपा के विभिन्न धाराओं के अनुपालन हेतु सिटी थाना परिक्षेत्र में चलाया गया छापामारी अभियान:जिला परामर्शी

राष्ट्रीय खबर

- दुकानदार इक्कीस वर्ष के कम आयु के बच्चों को तम्बाकू की बिक्री न करें। थाना प्रभारी चास।

बेरमो :सोमवार को तम्बाकू मुक्त युवा अभियान के अवसर पर उपायुक्त बोकारो के आदेशानुसार डा0 अभय भूषण प्रसाद सिविल सर्जन बोकारो के निर्देशन एवं सिटी थाना प्रभारी के सहयोग से तम्बाकू उत्पाद अधिनियम-2003 (उडळढअ.2003) की धारा 4, व 6ए, 6बी, 6सी के तहत विशेष जांच अभियान चलाया गया

जिसमें जिला छापामारी दल के सदस्य मो0 असलम के द्वारा सिटी थाना परिक्षेत्र के नयामोड बस स्टैण्ड, नयामोड चौक, कोआपरेटिव कालोनी के कुल 74 दुकानों की जांच की गई जिसमें 21 दुकानों/व्यक्तियों द्वारा कोटपा कानून उल्लघंग करते हुये पाया गया जिनसे अर्थदण्ड के रूप में कुल 3500 रुपए की वसूली की गई।

जिला परामर्शी मो0 असलम ने बताया कि कोटपा संशोधन अधिनियम 2021 कानून के तहत सभी दुकानदार धारा-6ए 21 वर्ष से कम आयु के अवयस्को को तम्बाकू पदार्थ बेचने पर प्रतिबंध। उल्लंघनकर्ता को फर 1000/- तक का जुमार्ना। ऐसे में सभी दुकानदारो का सामाजिक दायित्व है कि 30ग60 से0मी0 का एक बोर्ड अपने दुकान के सामने लगाये जिसके आधे हिस्सा में लिखा हो कि 21 वर्ष से कम आयु के अवयस्को को तम्बाकू पदार्थ बेचना दण्डनीय अपराध है और आधे भाग पर मुंह का कैंसर बना होना चाहिए।

सीसीएल सिविल विभाग और ठेकेदारों के गठजोड़ का दिखने लगा रंग

राष्ट्रीय खबर

- कालोनियों मे लगा है गंदगी का अंबार, बिजबिजा रही है नालियां।
- क्या सीसीएल का सफाई अभियान सिर्फ कागजों तक ही है सीमित।
- सीसीएल के करोड़ों खर्चने के बाद भी क्षेत्र में गंदगी की स्थिति जस की तस।
- अगर इसकी हो जांच तो नपेगे कई अधिकारी व संवेदक।

बेरमो : पिछले दिनों सीसीएल कथारा प्रक्षेत्र द्वारा करोड़ों का टेंडर क्षेत्र की सफाई के लिए निकाली गई जिसे ऑन लाइन कई संवेदकों द्वारा हासिल किया गया। मगर

सफाई की असली तस्वीर देखनी हो तो जारंगडीह उतरी और दक्षिणी पंचायत का आप एक बार भ्रमण कर ले आपको स्वत : ऐहसास हो जायेगा कि सफाई का कार्य इन क्षेत्रों में किस स्तर पर हुआ। इसी को लेकर बीते दिनों श्रमिक नेता सह सीटू के वरिष्ठ नेता एवं स्वामी विवेकानंद स्कूल जारंगडीह के सचिव श्याम बिहारी सिंह दिनकर ने मिडिया से बात करते हुए बताया कि जारंगडीह स्थित स्वामी विवेकानंद स्कूल जाने वाली पर स्थानीय लोगों ने अपने घर की कूड़ा कचड़ा और जूठन सामग्री फेंक कर गंदगी का अंबार लगा दिया है जिससे आने जानेवाले विद्यार्थियों को बदबू और गंदगी का सामना करना पड़ रहा है।जारंगडीह का वह हर महत्वपूर्ण स्थान जैसे सुलभ शौचालय, बस स्टैंड,सब्जी बाजार, हॉस्पिटल अथवा स्कूल हो जो पब्लिक उपयोग के लिए बनाया गया वहां आज चारों तरफ गंदगी से भरा हुआ है।सवाल उठता है सितंबर महीने में पंद्रह दिनों तक भारत सरकार ,राज्य सरकार सीसीएल, पंचायती सरकार द्वारा स्वच्छता अभियान के तहत सफाई कार्यक्रम चलाया गया, तो क्या वह सब महज आई वाश अथवा खानापूर्ति था।जिसमे करोड़ो रुपए के वारे न्यारे हुए। ज्ञात हो कि नवरात्रि और दशहरा जैसे हिंदुओं के महत्वपूर्ण त्योहार उसी गंदगी के बीच सम्पन्न हुआ। दीपावली, छठ और गोवर्धन पूजा जैसे पवित्र त्यौहार अभी सर पर है। तो सवाल उठता है कि क्या छठ जैसे पवित्र त्यौहार भी लोगो को गंदगी के बीच ही गुजारना पड़ेगा।

संपादकीय

सौर ऊर्जा उपयोग से कोयला प्रदूषण में कमी

आधुनिक इतिहास में पहली बार, अक्षय ऊर्जा दुनिया में बिजली के सबसे बड़े स्रोत के रूप में कोयले से आगे निकल गई है। यह घटना सिर्फ एक सांख्यिकीय उपलब्धि नहीं है; यह इस बात का गहन परिवर्तन दर्शाती है कि राष्ट्र किस प्रकार बिजली का उत्पादन, उपभोग और उसके बारे में सोचते हैं। हालाँकि, इन आँकड़ों के पीछे असमान प्रगति, राजनीतिक मतभेद और तकनीकी असंतुलन की एक जटिल वास्तविकता छिपी हुई है, जो यह तय करेगी कि यह संक्रमण स्थायी होता है या विफल हो जाता है। इस नई ऊर्जा व्यवस्था की सबसे विशिष्ट विशेषता इसका भौगोलिक स्वरूप है। वैश्विक दक्षिण, जो लंबे समय से औद्योगिक बुनियादी ढाँचे और ऊर्जा गरीबी से जुड़ा रहा है, अब स्वच्छ ऊर्जा क्रांति का नेतृत्व कर रहा है। चीन में सौर और पवन ऊर्जा की तैनाती का पैमाना अद्वितीय रहा है। वहाँ अक्षय ऊर्जा उत्पादन की वृद्धि दर बिजली की बढ़ती माँग से भी अधिक तेज रही है। भारत ने भी प्रभावशाली सौर और पवन क्षमता जोड़ी है, जबकि

कोयले और गैस पर अपनी निर्भरता को कम करने में भी सफलता प्राप्त की है। पूरे अफ्रीका और दक्षिण एशिया में, सौर पैनलों की लागत में आई भारी गिरावट (1970 के दशक से अब तक 99.9 फीसद की असाधारण कमी) ने स्वच्छ ऊर्जा को उन समुदायों तक पहुँचा दिया है, जो कभी ग्रिड से कटे हुए थे। उम्मीदों का यह उलटफेर एक शांत सत्य को उजागर करता है: विकासशील देश अब स्वच्छ प्रौद्योगिकी के केवल निष्क्रिय प्राप्तकर्ता नहीं हैं; वे इसके सबसे गतिशील भागीदार हैं। जिन क्षेत्रों में बिजली महंगी और अविश्वसनीय दोनों है, वहाँ सौर ऊर्जा केवल पर्यावरणीय लाभ ही नहीं, बल्कि आर्थिक स्वतंत्रता भी प्रदान करती है। अक्षय ऊर्जा की वहनीयता छोटे उद्यमों, ग्रामीण परिवारों और स्थानीय उद्योगों को केंद्रीकृत ग्रिड या विदेशी सहायता की प्रतीक्षा किए बिना फलने-फूलने का अवसर देती है। इसके विपरीत, उन्नत अर्थव्यवस्थाओं में स्थिति कम उत्साहजनक है। संयुक्त राज्य अमेरिका और यूरोप के कुछ हिस्सों में, स्वच्छ ऊर्जा का विस्तार धीमा हो गया है। नीतिगत अनिश्चितता, पवन ऊर्जा के कमजोर प्रदर्शन और उच्च उधार लागत ने जीवाश्म ईंधन पर एक बार फिर से निर्भरता बढ़ा दी है। यह प्रतिगमन एक विरोधाभास को रेखांकित करता है: हरित संक्रमण के लिए सबसे बड़ी बाधा तकनीकी सीमाएँ नहीं, बल्कि राजनीतिक विकल्प हैं। यह दिखाता है कि जहाँ विकासशील देशों में आर्थिक आवश्यकता और लागत प्रभावी प्रौद्योगिकी अक्षय ऊर्जा को आगे बढ़ा रही है, वहीं समृद्ध देशों में राजनीतिक इच्छाशक्ति की कमी इस प्रगति को बाधित कर रही है। इस बीच, स्वच्छ-तकनीक विनिर्माण झ्र सौर पैनलों से लेकर इलेक्ट्रिक वाहनों और बैटरियों तक झ्र में चीन के प्रभुत्व ने वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं को नया रूप दिया है। अक्षय ऊर्जा प्रौद्योगिकियों का इसका निर्यात अब अधिकांश औद्योगिक वस्तुओं के निर्यात से अधिक हो गया है। यह एक ऐसे युग का संकेत देता है जिसमें हरित प्रौद्योगिकी स्वयं भू-राजनीतिक प्रभाव का एक उत्तोलक बन जाती है। इसलिए, डीकार्बोनाइजेशन (कार्बन उत्सर्जन कम करने) की दौड़ औद्योगिक नेतृत्व की प्रतिस्पर्धा के साथ उलझ गई है। जो देश स्वच्छ ऊर्जा उपकरणों का निर्माण और निर्यात करते हैं, वे न केवल पर्यावरण को आकार देंगे, बल्कि वैश्विक शक्ति संतुलन को भी प्रभावित करेंगे। गरीब राष्ट्रों के लिए चुनौती यह है कि वे सौर विस्तार के तत्काल लाभों को दीर्घकालिक स्थिरता के साथ संतुलित करें। कुछ क्षेत्रों में, अनियंत्रित सौर-संचालित सिंचाई भूजल को समाप्त कर रही है, जो नीति निमार्ताओं को याद दिलाता है कि प्रत्येक तकनीकी छलांग अपने साथ नए पारिस्थितिक जोखिम लाती है। वैश्विक ऊर्जा संक्रमण एक महत्वपूर्ण मोड़ पर पहुँच गया है। स्वच्छ ऊर्जा अंततः बढ़ती माँग के साथ तालमेल बिठा रही है, लेकिन इसकी निरंतरता दूरदर्शिता और निष्पक्षता पर निर्भर करती है। जो राष्ट्र अक्षय ऊर्जा को एक गुजरते चरण के बजाय एक स्थायी रणनीति के रूप में देखते हैं, वे अगली सदी की आर्थिक और पर्यावरणीय व्यवस्था को आकार देंगे। सौर ऊर्जा से मिलने वाले लाभ और कोयला जलाने से होने वाले नुकसान को एक ही तराजू में तौलना शायद जरूरी है। ऐसा इसलिए है क्योंकि ग्लोबल वार्मिंग का कहर हम पूरी दुनिया में झेल रहे हैं। हिमालय की चोटियों से लेकर प्रशांत महासागर की गहराई तक इसका असर है। वर्तमान में सौर ऊर्जा के सेल भी भारत में नहीं बनते और विदेशों से आयात किये जाते हैं। लिहाजा यह समझना होगा कि कहीं यह प्रचार भी नये किस्म के बाजारवाद और अपना माल बेचने का कोई तरीका तो नहीं बन रहा है।

तालिबान अब पाकिस्तान के खिलाफ भारत के साथ

अफगानिस्तान और पाकिस्तान के रिश्ते आज जिस दौर से गुजर रहे हैं, वह इतिहास का बड़ा सबक है। कभी तालिबान को आंख मूंदकर समर्थन देने वाला पाकिस्तान आज उसी तालिबान के खिलाफ मोर्चा खोल चुका है। यह वही पाकिस्तान है जो कभी तालिबान को भारत के खिलाफ भड़काने, आतंक के नये ठिकाने तैयार कराने और पूरे दक्षिण एशिया को अस्थिर करने का अपराध कर चुका है। परंतु समय का चक्र ऐसा घूमा कि अब वही तालिबान पाकिस्तान के गले की हड्डी बन गया है। यह हालात इस बात का प्रमाण हैं कि जो देश आतंक को पालते हैं, एक दिन वही आतंक उन्हें डसने लौट आता है। जब अफगानिस्तान में अमेरिकी सेनाओं की वापसी हुई और अशरफ गनी की निर्वाचित सरकार को तालिबान ने उखाड़ फेंका, उस वक्त पूरी दुनिया स्तब्ध रह गई थी। राजधानी काबुल में तालिबान की बंदूकें आजाद हुए लोगों की आजादी छीन रही थीं। उस दौर में कोई देश तालिबान सरकार को वैध नहीं मान रहा था, लेकिन पाकिस्तान सबसे आगे बढ़कर उसकी पैरवी करने लगा। इस्लामाबाद ने तालिबान को न केवल समर्थन दिया बल्कि उसे अंतरराष्ट्रीय मंचों पर एक वैकल्पिक सत्ता के रूप में स्वीकार कराने की कोशिशें भी कीं। पाकिस्तान की सेना और खुफिया एजेंसी आईएसआई ने तालिबान की मदद के लिये अपने सीमावर्ती इलाकों को खुला छोड़ दिया, ताकि आतंक के नाम पर अफगानिस्तान की पूरी दिशा पाकिस्तान के हित में झुकी रहे। परंतु यह गठबंधन शुरू से ही झूठ और लालच पर टिका था। पाकिस्तान चाहता था कि तालिबान सिर्फ उसके इशारों पर चले, भारत के खिलाफ इस्तेमाल हो और कश्मीर के मुद्दे पर पाकिस्तान के सुर में सुर मिलाए। लेकिन तालिबान की अपनी सत्ता की जड़ें जमने लगीं तो उसकी प्राथमिकताएं बदल गईं। तालिबान को समझ में आने लगा कि पाकिस्तान उसका इस्तेमाल कर रहा है और उसे वैश्विक पहचान दिलाने के बजाय आतंक का प्रतीक बनाकर रख देना चाहता है। तालिबान ने जब भारत की ओर दोस्ती का हाथ बढ़ाना शुरू किया, तभी पाकिस्तान के धैर्य का बांध टूट गया। हाल के दिनों में अफगानिस्तान और पाकिस्तान की सीमा पर जिस तरह के हमले हुए हैं, वे यही कहानी कह रहे हैं कि अब दोनों देशों के बीच विश्वास खत्म हो चुका है। पाकिस्तान ने तालिबान शासित अफगानिस्तान पर उन ही हथकंडों का इस्तेमाल शुरू कर दिया है जो वह वर्षों से भारत के खिलाफ करता रहा है। सीमा पर हवाई हमले, ड्रोन घुसपैठ और रॉकेट हमले पाकिस्तानी सोच की उसी बीमार मानसिकता का हिस्सा हैं जो हमेशा अपने पड़ोसी देशों की स्थिरता को चुनौती देती रही है। इस बार अंतर केवल इतना है कि पाकिस्तान की यह बर्बरता अब भारत पर नहीं बल्कि अफगानिस्तान पर गिर रही है।

संजय सक्सेना
वरिष्ठ पत्रकार

पाकिस्तान का यह कदम तब आया जब अफगानिस्तान के विदेश मंत्री आमिर खान भारत की यात्रा पर आने वाले थे। यह यात्रा तालिबान शासन के लिए ऐतिहासिक मानी जा रही थी क्योंकि भारत और अफगानिस्तान के बीच नए भरोसे की शुरूआत होने जा रही थी। भारत हमेशा से अफगानिस्तान के विकास और स्थायित्व के पक्ष में रहा है। भारत ने कभी आतंक की राजनीति नहीं की, बल्कि अफगान जनता के जीवन स्तर को सुधारने के लिए सड़कों, स्कूलों, अस्पतालों और मानव संसाधन के विकास पर काम किया। यही वजह है कि तालिबान के कई वर्गों में भारत के प्रति सहानुभूति पैदा हुई है। भारत ने अफगानिस्तान में कोई सैन्य हस्तक्षेप नहीं किया बल्कि हमेशा स्थायी शांति की वकालत की। पाकिस्तान को यही बात खटक रही है। उसे डर है कि अगर भारत और अफगानिस्तान के रिश्ते सुधरते हैं तो उसका प्रभाव क्षेत्र समाप्त हो जाएगा। पाकिस्तान अपने धर्म आधारित राजनीतिक खेल में इतना डूबा है कि उसे यह समझ नहीं आता कि पड़ोसियों से दुश्मनी रखकर वह खुद अपने देश को विनाश की ओर धकेल रहा है। पाकिस्तान की आर्थिक स्थिति पहले से ही चरमराई हुई है। वहां का समाज चरमपंथी विचारधारा में फंस चुका है और जनता लगातार महंगाई, बेरोजगारी और असुरक्षा से जूझ रही है। ऐसे में अफगानिस्तान से टकराव का नया मोर्चा खोलकर पाकिस्तान ने अपनी बबार्दी को और तेज कर दिया है।

उधर, तालिबान भी अब पाकिस्तान के दोहरे खेल को समझ चुका है। जिस पाकिस्तान ने कभी तालिबान को आश्रय दिया, अब वही उसकी सरकार गिराने की साजिशें रच रहा है। तालिबान नेताओं के खिलाफ पाकिस्तानी प्रचार, सीमा के पास उनके ठिकानों पर बमबारी, और उनके अधिकारियों को निशाना बनाने जैसी हरकतें यह साबित करती हैं कि पाकिस्तान को शांति नहीं, सत्ता और नियंत्रण चाहिए। लेकिन अब तालिबान किसी और के इशारे पर नहीं चलना चाहता। इस मौजूदा हालात में तालिबान ने पहली बार भारत के साथ संवाद कायम करने की इच्छा जताई है, जो पाकिस्तान के लिए सबसे बड़ा झटका है। भारत इस पूरे परिदृश्य में संतुलित नीति के साथ आगे बढ़ रहा है। भारत जानता है कि स्थायी शांति तभी संभव है जब अफगानिस्तान की धरती आतंक का केंद्र न बने। भारत का रुख साफ है कि वह किसी भी सरकार को तब तक मान्यता नहीं देगा जब तक वह लोकतंत्र, मानवाधिकार और महिलाओं की स्वतंत्रता के प्रति सम्मानजनक रुख न अपनाए। परंतु कूटनीतिक स्तर पर भारत यह भी समझता है कि बातचीत से ही समाधान का रास्ता निकलेगा। इसी सोच के तहत भारत ने तालिबान शासन से न्यूनतम स्तर पर संवाद बनाए रखा है और मानवीय सहायता जारी रखी है।

दूसरी ओर पाकिस्तान लगातार बेनकाब हो रहा है। अपने ही बनाए तालिबान के खिलाफ जंग छेड़कर उसने पूरी दुनिया को दिखा दिया कि आतंक को राजनीतिक साधन बनाना एक दिन आत्मघाती साबित होता है। पाकिस्तान की नीतियां अब अंतरराष्ट्रीय मंचों पर सवालों के घेरे में हैं। अमेरिका, रूस और चीन तक इस बात को समझने लगे हैं कि दक्षिण एशिया की स्थिरता तभी संभव है जब पाकिस्तान को उसके आतंकी समर्थन की कीमत चुकानी पड़े। भारत इस पूरे मामले पर सतर्क है और उसके कूटनीतिज्ञ अच्छी तरह जानते हैं कि पाकिस्तान की तरफ से अस्थिरता फैलाने के प्रयास जारी रहेंगे। लेकिन भारत की ताकत उसकी नीति, नैतिकता और जनता के विश्वास पर टिकी है, न कि किसी आतंक के बल पर। आज तालिबान और पाकिस्तान का यह झगड़ा भारत के उस रुख को सही साबित कर रहा है जो वर्षों से कहता आया है कि आतंक से कोई दोस्ती नहीं, यह केवल विनाश लाता है।

काम को बोझ नहीं समझना चाहिए

प्रेरक-प्रसंग

पुराने समय में एक संत अपने शिष्यों के साथ धर्म प्रचार करने के लिए यात्रा कर रहे थे। इस दौरान में अलग-अलग जगहों पर रुकते और लोगों को उपदेश देते थे। एक दिन वे ऐसी जगह पहुंचे, जहां कुछ निर्माण कार्य चल रहा था। संत उस जगह पर पहुंचे तो वहां कई मजदूर पत्थरों को तराश रहे थे। एक मजदूर से संत ने पूछा कि यहां क्या बन रहा है?

वह मजदूर गुस्से में था। उसने जोर से कहा कि मुझे नहीं मालूम, आगे जाओ बाबा।

संत वहां से आगे बढ़ गए। वे दूसरे मजदूर के पास पहुंचे। उससे भी संत ने पूछा कि यहां क्या बनेगा?

दूसरे मजदूर ने कहा कि गुरुजी मुझे इस बात से क्या मतलब, यहां कुछ भी बने। मैं यहां सिर्फ मजदूरी के लिए काम कर रहा हूं। दिनभर काम करने के बाद शाम को पैसे मिल जाते हैं।

संत वहां से आगे चल दिए। अब वे एक और मजदूर के पास पहुंचे। तीसरे मजदूर से भी संत ने यही पूछा कि इस जगह पर क्या बन रहा है?

तीसरे मजदूर ने संत को प्रणाम किया और बोला कि गुरुजी यहां मंदिर बन रहा है। गांव में मंदिर नहीं था। अब पूजा करने के लिए दूसरे गांव नहीं जाना पड़ेगा।

संत ने उससे फिर पूछा कि क्या तुम्हें इस काम में खुश मिलती है?

मजदूर बोला कि मंदिर बनने से मैं बहुत खुश हूं। मुझे इस काम में बहुत आनंद मिलता है। छेनी-हथौड़ी की आवाज में मुझे संगीत सुनाई देता है।

ये बात सुनकर संत ने अपने शिष्यों से कहा कि जो यही सुखी जीवन का सूत्र है। जो लोग अपने काम को बोझ मानते हैं, वे हमेशा दुखी रहते हैं और जो लोग अपने काम को प्रसन्न होकर करते हैं, वे हमेशा सुखी रहते हैं। अगर हम अपना नजरिया बदल लेंगे तो जीवन में सुख-शांति के साथ ही सफलता भी मिल सकती है।

नजरिया

चक्रव्यूह ज्यों उलझता जा रहा सुसाइड प्रकरण

सुशील कुमार 'नवीन'
बरिष्ठ-पत्रकार

मैनेजमेंट का एक सीधा और सपाट फामूर्ला है कि यदि छोटे नुकसान को भुगतने से बड़ा नुकसान टलता हो तो वह जोखिम उठा लेना चाहिए। समय की महता को ध्यान में रखकर लिया गया इस प्रकार का रणनीतिक निर्णय कई बार भविष्य के बड़े नुकसान से बचा जाता है। आप भी सोच रहे होंगे कि व्यंग्य की कक्षा के विद्यार्थी के श्रीमुख से आज नफा-नुकसान की चर्चा कैसे?

अब एक नजर हरियाणा में चल रहे एक मामले पर डालते हैं। हरियाणा के एक वरिष्ठ आईपीएस वाई पूरन कुमार ने मंगलवार को कनपटी पर गोली मारकर खुदकुशी कर ली। चंडीगढ़ के सेक्टर-11 स्थित कोठी के साउंडप्रूफ कमरे में इस घटना को अंजाम दिया। पुलिस को मौके से 8 पेज का सुसाइड नोट और 1 पेज की वसीयत मिली है। सुसाइड नोट में कुछ वरिष्ठ आईपीएस, आईएएस अधिकारियों व रिटायर्ड अधिकारियों के नाम हैं। इन पर मानसिक रूप से प्रताड़ित करने के आरोप लगाए गए हैं। पूरन कुमार का 29 सितंबर को रोहतक स्थित सुनारिया पुलिस ट्रेनिंग सेंटर में आईजी पद पर तबादला हुआ था। इससे पहले वे रोहतक रेंज के आईजी थे। पूरन कुमार ने 2 अक्टूबर को 2 दिन की छुट्टी ली थी। बुधवार को उन्हें ड्यूटी पर जाना था। इससे पहले उन्होंने आत्महत्या कर ली।

पूरन कुमार का 29 सितंबर को रोहतक स्थित सुनारिया पुलिस ट्रेनिंग सेंटर में आईजी पद पर तबादला हुआ था। इससे पहले वे रोहतक रेंज के आईजी थे।

सामान्य व्यक्ति द्वारा की गई ये आत्महत्या होती तो मामला कुछ घंटों या एक-दो दिन में निपट जाता, पर इस आत्महत्या ने तो केंद्र तक को हिलाकर रखा हुआ है। यहां तक प्रदेश की ब्यूरोक्रेसी भी दो धड़ों में बंट नई परेशानी खड़ी किए हुए है। बड़े-बड़े अधिकारी मामले में अग्रणी हैं। मामले की गंभीरता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि मृत एडीजीपी का परिवार डीजीपी शत्रुजीत कपूर और एसपी नरेंद्र बिजारणियां की गिरफ्तारी न होने तक पोस्टमार्टम न करवाने पर अड़ा है। सरकार के बड़े अफसरान से लेकर मंत्री समूह लगातार वार्ता पर वार्ता किए जा रहा है। परिणाम अभी भी जीरो है। इसी बीच जातिगत संगठनों और विपक्ष ने अलग से मोर्चा खोल दिया है। अब इस चक्रव्यूह से निपटा कैसे जाए, इसी के लिए नायब सरकार के अधिकारी दिन-रात लगे हुए हैं। चंडीगढ़ पुलिस ने 8 पेज के सुसाइड नोट के आधार पर एफआईआर तो दर्ज कर ली है। पर इससे अभी एडीजीपी का परिवार संतुष्ट नहीं है। मृतक की पत्नी और वरिष्ठ आईएएस अमनीत पी.कुमार के अनुसार एफआईआर अधूरी है।

अब होना क्या चाहिए था। इस पर भी चर्चा होनी जरूरी है। मामला बड़ा तो शुरू से ही था। मृतक वरिष्ठ आईपीएस, आरोपी भी वरिष्ठ आईपीएस और आईएएस। कहना आसान है कि सरकार यदि इस मामले में शुरूआत में ही गंभीरता दिखाती तो मामला इतना आगे नहीं बढ़ पाता। सरकार द्वारा एक साथ इतने बड़े प्रशासनिक अमले पर कार्रवाई के आदेश में देरी मामले को और बढ़ा गई। अब मामला धीरे-धीरे जातीय और राजनीतिक रंग ले जाता जा रहा है। ऐसे में परिवार की प्रमुख मांग आरोपी अधिकारियों की गिरफ्तारी होनी जरूरी बन रही है। इससे पीड़ित परिवार को एक बार संबल प्राप्त होगा। जांच होती रहेगी। संवेदनशील मामलों पर प्रशासन और सरकार सबसे पहले यही काम तो करते हैं। अब नाम बड़े अधिकारियों के हैं तो बात थोड़ी गंभीर है। पर जितना ज्यादा समय बढ़ रहा है। परेशानी उतनी ही और ज्यादा बढ़ रही है।

जानकारी

राजस्थान के जवाई में देखें तेंदुए

जंगल सफारी के शौकीनों के लिए राजस्थान का जवाई नेशनल पार्क एक बेहतरीन विकल्प है, जहाँ आप तेंदुए, मगरमच्छ और अन्य जंगली जानवरों को उनके प्राकृतिक आवास में देख सकते हैं। पाली जिले में स्थित यह तेंदुआ संरक्षण रिजर्व अपनी अद्वितीय विशेषता के लिए जाना जाता है, जहाँ ग्रामीण और तेंदुए साथ रहते हैं। यह ट्रिप आपको एडवेंचर और रोमांच से भरपूर एक यादगार अनुभव देगी।जंगल सफारी करने का एक अलग ही आनंद होता है। अगर आपको भी जंगली जानवर देखने का शौक हैं, लेकिन जब नेशनल पार्क में जाते हैं तो सिर्फ हिरन और बंदर को देखकर आ जाते हैं। हालांकि, शेर, चीता और बाघ न मिले तो मजा नहीं आता है। हर किसी का बजट साउथ अफ्रीका और केन्या जाने का तो होता नहीं। जहां पर मसाई मारा जैसे नेशनल पार्क में जा पाएं और जंगली जानवर देख पाएं। लेकिन आपको ज्यादा दूर जाने की जरुरत नहीं है।

अक्से झटपट करवाएं रोजाना के ये काम

साइबर दुनिया

नई दिल्ली : आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) आज के समय में सिर्फ एक्सपर्ट या किसी खास प्रोफेशनल के लिए ही सीमित नहीं रहा है। अब आम इंसान भी इसका अपने रोजाना के जीवन में उपयोग कर सकते हैं। ऑनलाइन कई चैटबॉट हैं जो कि फ्री और सब्सक्रिप्शन के साथ अपनी सर्विस प्रदान करते हैं। ChatGPT के अलावा, Google Gemini, Grok समेत कई प्लेटफॉर्म यूजर्स को कई प्रकार की सर्विस की पेशकश करते हैं। अगर आप भी सोच रहे होंगे कि रोजाना के ऐसे कौन से काम हैं जो कि एआई की मदद से हो सकते हैं तो यहां हम आपको कुछ के उदाहरण के बारे में विस्तार से बता रहे हैं।

अगर आप कोई ईमेल लिखना चाह रहे हैं और उसमें आपको ज्यादा समय लग रहा है तो आप एआई की मदद से मिनटों में बड़ा ईमेल लिख कर तैयार कर सकते हैं और उसे एडिट भी कर सकते हैं। इसके अलावा आप एआई से ड्राफ्ट तैयार करवा कर अपने हिसाब से खुद भी एडिट कर सकते हैं। जब भी सोशल मीडिया पर फोटो या वीडियो पोस्ट करने का मन करता है तो सबसे ज्यादा समय उसके लिए कैप्शन लिखने में लग जाता है। या तो बिना कैप्शन के पोस्ट की जाए जो कि अधूरी लगेगी या फिर लिखने के लिए सोचने में समय खराब किया जाए। मगर एआई की मदद से आप तुरंत ही कई कैप्शन पा सकते हैं जो कि आपकी पोस्ट के हिसाब से सटीक बैठेंगे। कोई पैथोलॉजी या रेडियोलॉजी टेस्ट करवाने के बाद जब रिपोर्ट आती है तो आपको उसे समझने के लिए डॉक्टर से सलाह लेनी पड़ती है कि उसमें क्या लिखा गया है। जब तक डॉक्टर से अपॉइंटमेंट नहीं मिलती है तब तक इंतजार करना होगा। वहीं खुद पढ़ने का प्रयास करो तो उसमें बहुत समय लगता है, लेकिन आप एआई की मदद से उस टेस्ट रिपोर्ट को विस्तार से समझ सकते हैं और कोई चिंता का विषय है या नहीं इसके बारे में जान सकते हैं। अगर आप कोई कंटेंट पढ़ रहे हैं और आपको उस भाषा के बारे में बिलकुल भी ज्ञान नहीं है तो आप एआई की मदद से उस कंटेंट की भाषा को अपनी पसंद की भाषा में ट्रांसलेट कर सकते हैं, जिससे आप उसे आसानी से समझ और पढ़ पाएंगे।

टॉप ट्वीट

" टिकट बंटवारा में समाज के हर वर्ग को उनकी संख्या के अनुसार भागीदारी दी जाएगी एक तिहाई सीट अति पिछड़े वर्ग को दी गई है। इसके अलावा आज भागलपुर दंगे के दोषियों के खिलाफ लड़ने वाले वकील अभयकांत झा पार्टी में शामिल में हो गए "

प्रशांत किशोर
जन सुराज पार्टी प्रमुख

"यह हमेशा मेरे दिल के सबसे करीब रहेगा। सिर्फ उस कहानी के लिए नहीं जो हमने सुनाई, बल्कि उन लोगों के लिए भी, जिन्होंने उसे जिंदा रखा।"

आलिया भट्ट
बॉलिवुड अभिनेत्री

संपादक के नाम पत्र

पारस्परिक विश्वास पर टिके रिश्ते

अमेरिका की संरक्षणवादी नीतियों के बीच ब्रिटेन के साथ भारत के बढ़ते रक्षा और कारोबारी संबंध नई उम्मीद जगाते हैं। प्रधानमंत्री कीर स्टारमर की भारत यात्रा से दोनों देशों के रिश्तों में नई ऊर्जा आई है। इस दौरान 468 मिलियन डॉलर के मिसाइल सौदे, मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) की प्रतिबद्धता और भारत में नौ ब्रिटिश विश्वविद्यालय खोलने पर सहमति जैसे महत्वपूर्ण कदम उठे। एफटीए से भारतीय कपड़ा, दवा, आईटी और फिनटेक क्षेत्रों को लाभ मिलने की संभावना है, पर छोटे उद्योगों पर विदेशी आयातों का असर चिंता का विषय है। वीजा मानदंडों में ढील से स्टारमर का इनकार साझेदारी के संतुलन पर सवाल खड़ा करता है। टैरिफ, बौद्धिक संपदा और श्रम गतिशीलता पर मतभेद अब भी बाधा बने हैं। भारत चाहता है कि ब्रिटेन उसकी भूमि से भारत विरोधी गतिविधियों पर रोक लगाए। औपनिवेशिक मानसिकता से आगे बढ़कर, अनुसंधान, स्वच्छ ऊर्जा और डिजिटल नवाचार में साझा निवेश ही इस संबंध की वास्तविक परीक्षा होगी। यह साझेदारी तभी सार्थक होगी जब इसका लाभ दोनों देशों के नागरिकों तक पहुंचे और पारस्परिक विश्वास पर टिके।

अमृतलाल मारू 'रवि' इन्दौर मप्र

स्वस्तिक मीडिया वेंचर्स प्रा. लिमिटेड के लिए मुद्रक और प्रकाशक रजत कुमार गुप्ता द्वारा शिवासाई पब्लिकेशन्स प्रा.लि., रातू, काठीटांड, नियर टिंडर बागीचा,रातू, रांची से मुद्रित और ए-24, हरमू हाउसिंग कालोनी, रांची से प्रकाशित। सम्पादक - रजत कुमार गुप्ता
RNI No- JHAHIN/ 2008/ 26373, email-rastriyakhabarhn@gmail.com, www.rashtriyakhabar.com, Phone No. 0651-2244605, 2244505

राष्ट्रीय ख़बर हमारी नज़र झारखंड

web : www.rashtriyakhabar.com
epaper.rashtriyakhabar.com

शहर >> अपडेट

जेसीबी मशीन के जद में आने से एक व्यक्ति घायल

राष्ट्रीय खबर

बेरमो: बेरमो थाना क्षेत्र के फुसरो स्टेशन रोड के ढोरी खास खदान के समीप एक युवक को जेसीबी मशीन ने धक्का मार दिया जिससे युवक बुरी तरह घायल हो गया। उसके दोनों पैर में काफी चोटे आई है। जिसे ढोरी खास निवासी समाजसेवी ललन मल्लाह सहित स्थानीय लोंगो और बेरमो थाना के एएसआइ मनोहर मंडल के सहयोग से 108 एम्बुलेंस से फुसरो के अनुमंडल अस्पताल पहुंचाया जहाँ उसका इलाज चल रहा है। मिली जानकारी के अनुसार युवक का नाम बजरंग कुमार चौरसिया उम्र 25वर्ष हैं (पिता का नाम विजय चौरसिया) है।

शॉर्ट न्यूज

पीरटांड़ में हादसा : चेक डैम में गिरने से वृद्ध महिला की मौत

पीरटांड़: पीरटांड़ प्रखंड के हरलाडीह ओपी क्षेत्र अंतर्गत कसियाडीह चेक डैम पर एक दर्दनाक हादसा हुआ, जिसमें एक वृद्ध महिला की मौत हो गई।मिली जानकारी के अनुसार, कुड़को पंचायत के कसियाडीह गांव निवासी सोनाराम सोरेन की पत्नी बड़की देवी झाड़ू बेचने के लिए चेक डैम पार कर आसपास के गांवों की ओर जा रही थीं। इसी दौरान उनका पैर फिसल गया और वे नीचे गिर पड़ीं। गिरने के दौरान सिर पत्थर से जा टकराई जिस कारण उनकी घटना स्थल पर ही मौत हो गई।घटना के समय आसपास कोई मौजूद नहीं था। बाद में कुछ राहगीरों ने महिला को नीचे गिरा हुआ देखा, जिसके बाद घटनास्थल पर स्थानीय लोगों की भीड़ जमा हो गई।

संक्षिप्त >> अपडेट्स

वनाधिकार अधिनियम के लंबित प्रकरणों के शीघ्र निष्पादन का निर्देश

राष्ट्रीय खबर

हजारीबाग : हजारीबाग उपायुक्त शशि प्रकाश सिंह ने सोमवार को समाहरणालय सभागार में वनाधिकार अधिनियम के तहत लंबित वन भूमि पट्टा एवं अधिकार प्रदान से संबंधित मामलों की समीक्षा बैठक की। बैठक में जिले के सभी अंचलाधिकारी एवं रेंजर उपस्थित रहे। उपायुक्त ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि वनाधिकार अधिनियम के अंतर्गत लंबित व्यक्तिगत एवं सामुदायिक दावों का निपटारा आगामी तीन दिनों के भीतर अनिवार्य रूप से किया जाए। उन्होंने कहा कि प्रत्येक अधिकारी जिम्मेदारीपूर्वक कार्य करें तथा सभी अभिलेखों एवं रजिस्टरों को अद्यतन रखें।

उन्होंने यह भी कहा कि सभी लंबित वादों का निपटारा संयुक्त सत्यापन के माध्यम से ग्रामसभा स्तर से किया जाए, ताकि प्रक्रिया पूर्णतः पारदर्शी एवं विधिसम्मत रहे। उपायुक्त ने निर्देश दिया कि प्रत्येक प्रकरण में स्वीकृति अथवा अस्वीकृति के कारणों का स्पष्ट उल्लेख किया जाना चाहिए। बैठक में वनाधिकार अधिनियम से संबंधित प्रावधानों एवं प्रक्रियाओं की विस्तारपूर्वक जानकारी दी गई।

प्रदर्शन

दर्जनों ग्रामीणों ने झारखंड बिजली वितरण निगम लिमिटेड साहिबगंज कार्यालय के समक्ष धरना प्रदर्शन किया

भाजपा नेता की अगुवाई में मांगों को लेकर पहाड़िया समुदाय के लोगों ने कार्यालय के समक्ष किया प्रदर्शन

- भाजपा नेता बजरंगी प्रसाद का प्रयास रंग लाया, पहाड़िया गांव में पहुंचा ट्रांसफार्मर
- आकाशीय बिजली की चपेट में आकर एक माह से जल गया था पहाड़िया गांव पचाड़ पहाड़ का विद्युत ट्रांसफार्मर

राष्ट्रीय खबर

साहिबगंज: आखिरकार भाजपा किसान मोर्चा के राष्ट्रीय मंत्री बजरंगी प्रसाद यादव का प्रयास रंग लाया। उनके प्रयास के बाद साहिबगंज जिला के बोरियो प्रखंड अंतर्गत पहाड़िया गांव पचाड़ पहाड़ पर पहुंच नया विद्युत ट्रांसफार्मर। दरअसल उक्त गांव में तकरीबन 34 पहाड़ियां परिवार निवास करते हैं। आसमानी बिजली की चपेट में आकर वहां पिछले एक माह से विद्युत ट्रांसफार्मर खराब पड़ा हुआ था। गांव के प्रधान मैसा पहाड़िया ने बताया कि वहां के ग्रामीणों के द्वारा कई बार इसकी सूचना विभाग को दी गई, लेकिन विभाग की ओर से ना तो उक्त खराब पड़े ट्रांसफार्मर को ठीक किया जा रहा था और ना ही उसको बदला जा रहा था। इधर सोमवार को भाजपा किसान मोर्चा की राष्ट्रीय मंत्री बजरंगी प्रसाद यादव की अगुवाई में पचाड़ गांव के दर्जनों ग्रामीणों ने झारखंड बिजली वितरण निगम लिमिटेड साहिबगंज कार्यालय के समक्ष जोरदार धरना प्रदर्शन किया। इस दौरान ट्रांसफार्मर के नाम पर पैसा लेना बंद करो, विद्युत विभाग की मनमानी नहीं चलेगी,हमारी मांगे पूरी करो जैसे नारे भी लगाया जाए। बाद में मांगों से संबंधित एक ज्ञापन विभागीय पदाधिकारी को सौंपा। इस दौरान भाजपा किसान मोर्चा के राष्ट्रीय मंत्री बजरंगी प्रसाद यादव ने जिले के उपायुक्त को इसकी सूचना देते हुए विभाग के अधीक्षण अभियंता नथन रजक, कार्यपालक अभियंता शंभूनाथ चौधरी एवं कनीय अभियंता से मोबाइल पर बातचीत की, और जल्द से जल्द गांव में नया ट्रांसफार्मर लगवाने का आग्रह किया। ऐसे में भाजपा नेता की आग्रह को तत्काल मानते हुए विभागीय पदाधिकारी में शाम तक ही उक्त पहाड़िया गांव में नया विद्युत ट्रांसफार्मर लगवा देने आश्वासन दिया। साथ ही मौके पर नया विद्युत ट्रांसफार्मर को उक्त गांव के लिए रवाना किया। नया विद्युत ट्रांसफार्मर लगाई जाने की सूचना से ग्रामीणों में हर्ष दिखा, भाजपा नेता बजरंगी प्रसाद यादव के प्रति आभार व्यक्त किया। भाजपा नेता बजरंगी यादव ने विभागीय पदाधिकारी को धन्यवाद देते हुए कहा कि यह मानवता का कार्य था।

बड़कागांव पुलिस और माइनिंग विभाग ने अवैध बालू से लदा हाईवा जब्त

राष्ट्रीय खबर

हजारीबाग : हजारीबाग जिले बड़कागांव पुलिस तथा हजारीबाग माइनिंग विभाग ने रविवार को संयुक्त कार्रवाई की। सूचना के अनुसार, 14 माइल के पास रविवार सुबह 6:15 बजे पुलिस और माइनिंग विभाग की टीम ने अवैध बालू से लदा एक हाईवा (गाड़ी संख्या जेएच 02 एआर 9397) पकड़कर जब्त किया। हाईवा को बड़कागांव थाना परिसर में लाया गया और विधि संगत कार्रवाई करते हुए बड़कागांव थाना कांड संख्या 238/25 के तहत मामला दर्ज किया गया।

इस कार्रवाई में बड़कागांव थाना प्रभारी कृष्ण कुमार गुप्ता और हजारीबाग माइनिंग इंस्पेक्टर सत्येंद्र सोरेन मुख्य रूप से शामिल थे। पुलिस जवानों के साथ सशस्त्र बल के जवानों ने भी कार्रवाई में सहयोग किया। थाना प्रभारी कृष्ण कुमार गुप्ता ने बताया कि जांच के दौरान बिना वैध दस्तावेज के बालू लदे हाईवा को पकड़ा गया और उसके विरुद्ध कानूनी प्रक्रिया शुरू की गई। उन्होंने कहा कि इस तरह की कार्रवाई बालू माफियाओं के लिए एक सख्त संदेश है और अवैध खनन पर नियंत्रण के लिए

लगातार कार्रवाई जारी रहेगी।

राष्ट्रीय खबर में प्रकाशित खबरों के अनुसार, इस कार्रवाई से क्षेत्र के अवैध बालू कारोबारियों में हड़कंप मचा हुआ है। पुलिस और माइनिंग विभाग की संयुक्त सतत निगरानी से अवैध खनन पर काबू पाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाए जा रहे हैं। अधिकारियों ने नागरिकों से अपील की है कि अवैध बालू खनन की सूचना मिलने पर तुरंत संबंधित अधिकारियों को अवगत कराएँ।

कुल मिलाकर, बड़कागांव पुलिस और माइनिंग विभाग की यह संयुक्त कार्रवाई जिले में अवैध बालू खनन पर लगाम लगाने की पहल के रूप में महत्वपूर्ण मानी जा रही है और आने वाले समय में इस तरह की कार्रवाईयों को और तेज किया जाएगा।

राष्ट्रीय खबर कॉर्नर

स्व. नागेश्वर सुल्तानिया की पुण्य स्मृति में मिला निःशुल्क पार्थिव शरीर रखने का फ्रीजर

राष्ट्रीय खबर

पीरटांड़: जैनियों के विश्व प्रसिद्ध तीर्थ स्थल मधुबन में स्वर्गीय नागेश्वर सुल्तानिया की पुण्य स्मृति में एक निःशुल्क पार्थिव शरीर रखने के लिए फ्रीजर हम सब हैं एक परिवार और पारस ज्योति मंडल, मधुबन को प्रदान किया गया। यह फ्रीजर झारखंड दिगम्बर जैन धार्मिक न्यास बोर्ड के अध्यक्ष ताराचंद जैन के सहयोग से उपलब्ध कराया गया है।

फ्रीजर मिलने से सामाजिक सेवा कार्यों में एक महत्वपूर्ण सुविधा जुड़ी है। अब जरूरतमंद परिवार अंतिम संस्कार की प्रक्रिया के दौरान पार्थिव शरीर को सुरक्षित रख सकेंगे। इस पहल को स्थानीय लोगों ने मानवता और सेवा की भावना से प्रेरित एक सराहनीय कदम बताया है।कार्यक्रम के दौरान उपस्थित लोगों ने स्व. नागेश्वर सुल्तानिया के प्रति श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि उनका जीवन सदैव समाजसेवा और परोपकार के कार्यों को समर्पित रहा है, और यह फ्रीजर उसी परंपरा का प्रतीक है।

चौपारण सामुदायिक अस्पताल में देर रात विधायक का औचक निरीक्षण, जल्द होगा जीर्णोद्धार

राष्ट्रीय खबर

चौपारण: रविवार देर रात करीब 8 बजे चौपारण सामुदायिक अस्पताल में विधायक मनोज कुमार यादव ने औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने स्वास्थ्य सेवाओं की स्थिति का जायजा लिया और अस्पताल में तैनात चिकित्सक व अन्य कर्मियों की उपस्थिति की जांच की। निरीक्षण के दौरान विधायक ने अस्पताल के विभिन्न वार्डों, सुविधाओं और चिकित्सा उपकरणों की स्थिति का भी अवलोकन किया।

विधायक ने ड्यूटी पर मौजूद डॉक्टरों और स्वास्थ्य कर्मियों से बातचीत कर उनकी उपस्थिति, कार्यशैली और मरीजों को मिलने वाली सुविधाओं की जानकारी ली। निरीक्षण के दौरान पाई गई कमियों को दूर करने और स्वास्थ्य व्यवस्था में सुधार लाने के लिए उन्होंने मौके पर ही आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि अस्पताल में मरीजों की देखभाल और स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता को बेहतर बनाने के लिए नियमित निगरानी जारी रखी जाएगी। इस अवसर पर भाजपा नेता राजदेव यादव, सतेंद्र सिंह, सियाराम सिंह, प्रदीप केशरी, अशोक केशरी और सुबोध यादव सहित अन्य लोग भी मौजूद थे। निरीक्षण के बाद विधायक मनोज यादव ने कहा कि चौपारण सामुदायिक अस्पताल क्षेत्र की एक महत्वपूर्ण स्वास्थ्य इकाई है।

हजारीबाग पुलिस ने पूर्व माओवादी जोनल कमांडर सुनिल गंझू को गिरफ्तार किया, नक्सली गतिविधियों पर बड़ा वार

राष्ट्रीय खबर

हजारीबाग: हजारीबाग झारखंड पुलिस ने जिले में माओवादी गतिविधियों पर सख्त कार्रवाई करते हुए भा.क.पा. माओवादी के सक्रिय सदस्य और पूर्व जोनल कमाण्डर सुनिल गंझू को गिरफ्तार किया। यह कार्रवाई पुलिस महानिदेशक एवं पुलिस महानिरीक्षक, झारखंड रांची के निदेर्शानुसार की गई।

गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस टीम का नेतृत्व अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, सदर हजारीबाग अमित आनंद ने किया। सूचना मिली थी कि सुनिल गंझू और उनकी टीम 04-05 सदस्यों के साथ बड़कागांव थाना क्षेत्र में ग्राम जोराकाट में लेवी वसूलने के लिए आने वाले हैं। पुलिस ने घेराबंदी कर एक संदिग्ध व्यक्ति को पकड़ने में सफलता पाई। गिरफ्तार व्यक्ति ने अपना नाम सुनिल गंझू, पिता-स्व. चमन गंझू, सा०-सिमरातरी, थाना-

पत्थलगड़ा जिला-चतरा बताया।

तलाशी में उसके पास नक्सली लेटर पैड, झोला और गमछा बरामद हुआ। पूछताछ में सुनिल गंझू ने स्वीकार किया कि वह 04-05 सदस्यों की टीम में सक्रिय है और हजारीबाग एवं चतरा जिलों में कोल कंपनियों, ठेकेदारों और कोयला व्यापारियों से लेवी वसूलते हैं।

सुनिल गंझू का अपराध इतिहास गंभीर है। वर्ष 1990 में भा.क.पा. माओवादी में शामिल होने के बाद 1993 में पुलिस मुठभेड़ में पैर में गोली लगने पर गिरफ्तार हुआ। 1998 में जेल से रिहा होने के बाद पुनः सक्रिय हुआ और हजारीबाग के विभिन्न क्षेत्रों में गंभीर काण्डों में शामिल रहा। 2004 में केरेडारी थाना क्षेत्र से गिरफ्तार कर जेल भेजा गया। कुल 42 काण्डों में उसका नाम दर्ज है। वर्ष 2018 में सजा पूरी होने के बाद भी संगठन में शामिल होकर हत्या और अन्य गंभीर अपराधों में सक्रिय रहा।

सुनिल गंझू के खिलाफ बड़कागांव, केरेडारी, पत्थलगड्डा, सिमरिया, सदर, ईटखोरी, हजारीबाग एवं अन्य थानों में 1990 से 2025 तक हत्या सहित अन्य गंभीर अपराधों में 50 से अधिक काण्ड दर्ज हैं।

बड़कागांव में प्रखंड स्तर पर सामाजिक कल्याण और विकास योजनाओं की समीक्षा बैठक

राष्ट्रीय खबर

बड़कागांव : बड़कागांव प्रखंड कार्यालय सभागार में प्रखंड विकास पदाधिकारी जितेंद्र कुमार मंडल की अध्यक्षता में सलाहकार समिति की बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में घरेलू हिंसा, बाल विवाह, सावित्रीबाई फुले योजना, बल संगठन योजना, नशा मुक्ति, वृद्ध, दिव्यांग एवं विधवा पेंशन योजनाओं तथा आंगनबाड़ी से संबंधित विभिन्न कार्यक्रमों पर व्यापक चर्चा की गई।

प्रखंड विकास पदाधिकारी श्री मंडल ने कहा कि गांव, टोला और मुहल्लों में होने वाली घरेलू हिंसा को पंचायत और सीआरपी के माध्यम से पहले गांव स्तर पर ही सुलझाने का प्रयास किया जाना चाहिए। केवल गंभीर मामलों में ही संबंधित थाना की ओर जाना उचित होगा। उन्होंने कहा कि यदि गांव में बाल विवाह की सूचना मिले तो उसे तुरंत रोकने की पहल करनी होगी। इसके साथ ही ग्रामीणों की सक्रिय भागीदारी से नशा मुक्ति अभियान चलाकर युवाओं और बच्चों को इसके दुष्प्रभाव से बचाया जा सकता है।

बैठक में डालसा से रीता देवी, जिला कोऑर्डिनेटर अश्वेंद्र कुमार, प्रखंड प्रबंधक मैनेजर राम प्रकाश कुमार, स्वास्थ्य विभाग से तरुण कुमार, थाना प्रतिनिधि प्रशांत कुमार, गिनी वर्मा, रेखा देवी, विमला कुमारी, संगीता कुमारी, गीता कुमारी, अनिल कुमार, रोशन कुमार, नरेंद्र कुमार, ममता देवी, सोनी कुमारी, सुनीता कुमारी सहित अन्य उपस्थित थे।

चौपारण में यूथ फॉर यूथ क्लब की इंटर-स्कूल ड्रॉइंग प्रतियोगिता में बच्चों ने दिखाई कला और कल्पनाशक्ति

राष्ट्रीय खबर

चौपारण : चौपारण सोमवार 13 अक्टूबर को चौपारण टाउन हॉल में यूथ फॉर यूथ क्लब की ओर से इंटर-स्कूल ड्रॉइंग प्रतियोगिता का भव्य आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में नया सवेरा एकेडमी, सुरेखा प्रकाश भाई पब्लिक स्कूल, श्रीधरम स्कूल ऑफ साइंस, डेफोडिल्स स्कूल और राज मेमोरियल स्कूल के विद्यार्थियों ने भाग लिया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य बच्चों में सृजनशीलता, कलात्मक सोच और पर्यावरण के प्रति जागरूकता बढ़ाना था।

कार्यक्रम की शुरूआत सुबह उत्साह और हर्षोल्लास के माहौल में हुई। टाउन हॉल में रंग-बिरंगे पोस्टर और बच्चों के चेहरे पर उत्साह ने माहौल को जीवंत बना दिया। प्रतियोगिता दो वर्गों-सीनियर

और जूनियर- में आयोजित की गई, जिसमें बच्चों ने अपनी कल्पनाशक्ति और कला-कौशल का परिचय दिया।

परिणामों में सीनियर वर्ग में राज मेमोरियल स्कूल के प्रतीक ने प्रथम स्थान, डेफोडिल्स स्कूल की मनीषा राणा ने द्वितीय और सुरेखा प्रकाश भाई पब्लिक स्कूल के अभिनव सिंह ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। जूनियर वर्ग में सुरेखा प्रकाश भाई पब्लिक स्कूल की पिहू ने पहला, डेफोडिल्स स्कूल के अंकित कुमार ने दूसरा और नया सवेरा एकेडमी की छवि सिंह ने तीसरा स्थान हासिल किया।

प्रतियोगिता की पूरी व्यवस्था यूथ फॉर यूथ क्लब की टीम-गौतम, कुनाल, आयुष, अंकित, मोंटी, मनीष और अभिनव आनंद- द्वारा की गई। कार्यक्रम में बच्चों को पुरस्कार और प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। अभिभावकों और शिक्षकों ने क्लब की इस पहल की सराहना की और भविष्य में ऐसे आयोजनों की आवश्यकता पर जोर दिया।

माओवादी नक्सली ढेर, दो एसएलआर और गोला-बारूद बरामद

अशोक कुमार शर्मा

राष्ट्रीय खबर

हजारीबाग : हजारीबाग झारखंड पुलिस और केंद्रीय सशस्त्र बलों के संयुक्त अभियान में बोकारो जिले के विरहोरडेरा जंगल में माओवादी नक्सली दस्ता पर छापामारी की गई, जिसमें दो नक्सली मुठभेड़ में मारे गए। जानकारी के अनुसार, बीरसेन उर्फ चंचल और उसकी टीम का जंगल में सक्रिय होने की सूचना मिलने पर सीआरपीएफ कोवरा 209 और बोकारो जिला बल ने बिरहोरडेरा क्षेत्र में छापामारी की।

मुठभेड़ के दौरान प्रवेज दा, चंचल दा, विशन दा, राजु और भोला कोड़ा सहित अन्य नक्सली भाग निकले। भागते समय फुलचंद मांझी उर्फ राजु और भोला कोड़ा उर्फ रोहित ने अपना और साथी का एसएलआर हथियार और मैगजीन ग्राम मुरपा के समीप मिट्टी में गाड़ कर छुपा दिया। भोला कोड़ा गिरीडीह होकर ट्रेन पकड़कर अभयपुर और फिर मुंगेर पहुंचा, जहां उसने पुलिस के सामने आत्मसमर्पण किया।

शादी का झांसा देकर युवती से दुष्कर्म, दहेज मांगने पर टूटा रिश्ता

- महिला थाना हजारीबाग में मामला दर्ज, कार्रवाई पर उठे सवाल

राष्ट्रीय खबर

हजारीबाग : हजारीबाग जिले के महिला थाना में एक युवती ने गांव के युवक पर शादी का झांसा देकर दुष्कर्म करने, दहेज मांगने और धमकी देने का गंभीर आरोप लगाया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार बड़कागांव प्रखंड के हरली गांव निवासी अंजलि कुमारी (24 वर्ष) ने प्राथमिकी दर्ज कराते हुए बताया कि विकास कुमार मेहता, पिता तिला महतो, ने मार्च 2024 से विवाह का प्रस्ताव देकर उससे नजदीकी संबंध बनाए।

अंजलि के अनुसार, 27 अप्रैल 2024 को हजारीबाग के स्वर्ण जयंती पार्क में आरोपी ने जबरदस्ती शारीरिक संबंध बनाया और शादी का आश्वासन दिया। इसके बाद 6 जून 2025 को हरली स्थित बेलासोती में भी आरोपी ने दोबारा जबरन दुष्कर्म किया। जब विवाह की बात आई तो विकास कुमार ने 30 लाख रुपये नकद, चार डिसमिल जमीन और एक चारपहिया वाहन की मांग की तथा शादी से इंकार कर दिया।

समीक्षा

हजारीबाग में विधानसभा समिति ने विभिन्न विभागों की समीक्षा की, एससी-एसटी व पिछड़ा वर्ग के हितों पर विशेष ध्यान

राष्ट्रीय खबर

हजारीबाग: हजारीबाग झारखंड विधानसभा की अनुसूचित जाति, जनजाति, अल्पसंख्यक एवं पिछड़ा वर्ग कल्याण समिति ने आज सर्किट हाउस, हजारीबाग में जिला स्तरीय विभिन्न विभागों की समीक्षा बैठक आयोजित की। बैठक की अध्यक्षता समिति के सभापति एवं विधायक, महेशपुर स्टीफेन मरांडी ने की। इस अवसर पर सदस्य सह विधायक, कांके सुरेश कुमार बैठा तथा सदस्य सह विधायक, जामा श्रीमती डॉ0 लुईस मरांडी भी उपस्थित रहे।

बैठक से पूर्व उपायुक्त शशि प्रकाश सिंह एवं उप विकास आयुक्त इश्तियाक अहमद ने समिति के माननीय सदस्यों का पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत किया। बैठक में वन, नगर निगम,

आपूर्ति, झारखंड विद्युत वितरण निगम, परिवहन, समाज कल्याण, सामाजिक सुरक्षा, शिक्षा, उद्योग केंद्र, उत्पाद, भूमि संरक्षण, कृषि, उद्यान, पशुपालन, पेयजल एवं स्वच्छता, पथ निर्माण, भवन, लघु सिंचाई, ग्रामीण विकास सहित अन्य विभागों के कार्यों की विस्तृत समीक्षा की गई।

समिति ने कल्याण विभाग से छात्रावास संचालन, प्री-मैट्रिक छात्रवृत्ति और साइकिल वितरण योजना की अद्यतन स्थिति ली। आपूर्ति विभाग को खाद्यान्न उठाव में पारदर्शिता और मुख्यमंत्री दाल-भात केंद्रों के बेहतर संचालन का निर्देश दिया गया। पुलिस विभाग को एससी, एसटी और पिछड़ा वर्ग के कर्मियों को थाना प्रभारियों के रूप में नियुक्त करने तथा संबंधित वादों की समीक्षा करने का आदेश दिया गया। परिवहन विभाग से टैक्स संग्रह और डीआरडीए के पीएम आवास एवं अबुआ आवास योजना के लाभार्थियों की जानकारी ली गई। बैठक में आदिवासी बहुल क्षेत्रों में विद्युत आपूर्ति, स्वास्थ्य सेवाएं और पेंशन योजनाओं के लाभार्थियों की स्थिति पर भी चर्चा हुई। समिति ने सभी विभागों को निर्देश दिया कि वे अनुसूचित जाति, जनजाति, अल्पसंख्यक एवं पिछड़ा वर्ग समुदायों तक सरकारी योजनाओं का पूर्ण लाभ सुनिश्चित करें। बैठक में जिला प्रशासन, डीआरडीए, पथ निर्माण, परिवहन, समाज कल्याण, पशुपालन सहित सभी विभागीय अधिकारी उपस्थित थे।

त्योहारों के मद्देनजर हजारीबाग में खाद्य सुरक्षा विभाग की सख्त कार्रवाई - मिलावटी व अवैध खाद्य पदार्थ नष्ट

राष्ट्रीय खबर

हजारीबाग: हजारीबाग आगामी त्योहारों को ध्यान में रखते हुए उपायुक्त शशि प्रकाश सिंह एवं अभिहित अधिकारी सह अपर मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. शशि जायसवाल के निर्देश पर आज हजारीबाग शहर में खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम ने विशेष औचक निरीक्षण अभियान चलाया।

खाद्य सुरक्षा पदाधिकारी मो. मंजर हुसैन के नेतृत्व में विभिन्न प्रतिष्ठानों का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान झारखण्ड मिष्ठान भण्डार से रसगुल्ला और राजु ट्रेडर्स से सोयाबिन तेल का नमूना संग्रहित किया गया, जिसे राज्य खाद्य जाँच प्रयोगशाला, नामकुम राँची भेजा जाएगा। कल्लू

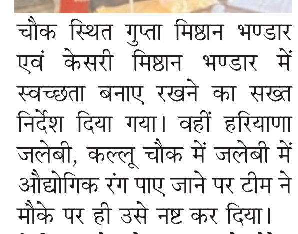

चौक स्थित गुप्ता मिष्ठान भण्डार एवं केसरी मिष्ठान भण्डार में स्वच्छता बनाए रखने का सख्त निर्देश दिया गया। वहीं हरियाणा जलेबी, कल्लू चौक में जलेबी में औद्योगिक रंग पाए जाने पर टीम ने मौके पर ही उसे नष्ट कर दिया। निरीक्षण में होटल एवं रेस्टोरेंट संचालकों को स्वच्छता बनाए रखने, मिलावटी रहित खाद्य पदार्थों का उपयोग करने और कर्मियों को मास्क, केप एवं एप्रोन पहनकर खाद्य सामग्री तैयार करने के निर्देश दिए गए।

मेगा लिफ्ट सिंचाई परियोजना की समीक्षा बैठक आयोजित

राष्ट्रीय खबर

पीरटांड़: पीरटांड़ प्रखंड विकास पदाधिकारी मनोज कुमार मरांडी की अध्यक्षता में सोमवार को मेगा लिफ्ट सिंचाई परियोजना की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में अब तक किए गए कार्यों की बिंदुवार समीक्षा की गई तथा परियोजना के सफल क्रियान्वयन को लेकर विस्तृत चर्चा हुई। बैठक में कार्यों की प्रगति, वर्तमान में आ रही समस्याओं एवं उनके समाधान के उपायों पर विशेष रूप से विचार-विमर्श किया गया। बीडीओ ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया कि कार्य की गुणवत्ता से किसी प्रकार का समझौता नहीं किया जाए और निर्धारित समय सीमा के भीतर सभी कार्य पूरे किए जाएं, ताकि किसानों को सिंचाई सुविधा का लाभ मिल सके। इस अवसर पर अंचल अधिकारी ऋषिकेश

मरांडी, सभी राजस्व कर्मी, अंचल अमीन, कोनार केनाल प्रमंडल के कनीय व सहायक अभियंता, परियोजना प्रबंधक खहकछ कठाफअ छळऊ. सहित योजना से जुड़े अन्य पदाधिकारी एवं कर्मी उपस्थित थे। बैठक के अंत में बीडीओ ने सभी अधिकारियों को आपसी समन्वय बनाकर कार्य में तेजी लाने का निर्देश दिया, ताकि क्षेत्र के किसानों तक सिंचाई सुविधा शीघ्र उपलब्ध कराई जा सके।

शहर >> अपडेट

जिला स्तरीय विभागीय परीक्षा का हुआ आयोजन

शांतिपूर्ण एवं अनुशासित माहौल में परीक्षा सम्पन्न हुआ

राष्ट्रीय खबर

पाकुड़: जिला स्तरीय विभागीय परीक्षा का आयोजन आज जिला मुख्यालय स्थित राज +2 परीक्षा केंद्र में शांतिपूर्ण एवं सुव्यवस्थित वातावरण में सम्पन्न हुआ। परीक्षा में कुल 79 अभ्यर्थियों में से 65 अभ्यर्थी उपस्थित रहे, जबकि 14 अभ्यर्थी अनुपस्थित रहे।
परीक्षा के सफल संचालन हेतु जिला प्रशासन की ओर से सभी आवश्यक व्यवस्थाएँ की गईं। परीक्षा को पारदर्शी एवं निष्पक्ष ढंग से सम्पन्न कराने हेतु पर्यवेक्षकों एवं दंडाधिकारियों की प्रतिनियुक्ति की गई थी।

संक्षिप्त >> अपडेट्स

पोल फैक्ट्री में हादसा, मजदूर घायल

मरकच्चो। नवलशाही थाना अंतर्गत पहाड़पुर स्थित एक पोल फैक्ट्री मे हादसा हुआ है, जहां पोल की अनलोडिंग करने के क्रम में एक मजदूर गंभीर रूप से घायल हो गया है। घायल मजदूर की पहचान बिहार निवासी 55 वर्षीय मोहन कुमार के रूप में की गई है। घटना की जानकारी देते हुए घायल के सहयोगी मजदूर बिहारी कुमार ने बताया कि रविवार दोपहर इंडियन कंक्रीट्स पॉवरिंग इंडिया नामक एक पोल बनाने वाले प्लांट में पोल बनाने के लिए इस्तेमाल होने वाला लोहे के तार का बंडल लदा एक ट्रक आया हुआ था। जिसे मोहन कुमार, मैं व प्लांट के अन्य मजदूर अनलोड कर रहे थे। उक्त तार के बंडल को हाइड्रा की मदद से उतारा जा रहा था। इसी बीच एक बंडल का संपर्क हाइड्रा से छूट गया और वह बंडल सीधे मोहन के गर्दन पर आ टकराया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। जिसके बाद प्लांट में मौजूद मैनेजर व मजदूरों के सहयोग से उसे कोडरमा सदर अस्पताल ले जाया गया।

फरार अभियुक्त के घर इश्तेहार चिपकाया

राष्ट्रीय खबर

मरकच्चो: पुलिस ने रविवार को फरार अभियुक्त दशारोखुर्द निवासी संजय यादव, वीरेंद्र यादव व उसके पिता द्वारिका यादव के घर पर इश्तेहार चिपकाया है। उपरोक्त प्रकरण के लिए थाना प्रभारी एनके तिवारी व एएसआई मो. इसराफिल ने कार्रवाई किया। उक्त लोग मरकच्चो थाना कांड संख्या 36/25 के तहत नामजद अभियुक्त है।
आरोपी की गिरफ्तारी के लिए पुलिस द्वारा लगातार दबिश दी जा रही है पर पुलिस के गिरफ्त में नहीं आने पर न्यायालय के निर्देश पर उक्त अभियुक्त के घर पर इश्तेहार चिपकाने की कार्रवाई की गई। निर्धारित समय सीमा के अंदर आरोपी पुलिस या न्यायालय के समक्ष पेश नहीं होता हैं तो अभियुक्त के खिलाफ कुर्की-जब्ती की कार्रवाई की जायेगी।

खेल

ऑटो-टोटो के सुलभ एवं व्यवस्थित परिवहन हेतु बैठक आयोजित की गई

एक नवम्बर से बिना पंजीकरण वाले ऑटो-टोटो के परिचालन पर पूर्ण प्रतिबंध: डीटीओ

- ऑटो-टोटो परिचालन को लेकर जिला प्रशासन सख्त, जारी किए गए दिशा- निर्देश

राष्ट्रीय खबर

पाकुड़: जिला परिवहन विभाग, पाकुड़ की ओर से आज जिला मुख्यालय में ऑटो-टोटो के सुलभ एवं व्यवस्थित परिचालन से संबंधित एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता जिला परिवहन पदाधिकारी मिथिलेश कुमार चौधरी ने की।
बैठक में जिले में संचालित सभी तीन पहिया वाहनों (ऑटो/टोटो) के सुरक्षित, वैध एवं सुगम परिचालन हेतु कई महत्वपूर्ण निर्देश जारी किए गए। बैठक में जिला परिवहन पदाधिकारी ने निर्देश दिया कि 01 नवम्बर 2025 से बिना पंजीकरण वाले या अवैध वाहनों का परिचालन जिला पाकुड़ में पूर्णतः प्रतिबंधित रहेगा। पश्चिम बंगाल एवं अन्य राज्यों से आने वाले बाहरी ऑटो/टोटो वाहनों को चांदपुर चेकपोस्ट पर बने निर्धारित वाहन पड़ाव स्थल पर ही सवारी उतारनी होगी।नाबालिग चालकों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जाएगी तथा उनके अभिभावकों से पी.आर. बांड/एफिडेविट लिया जाएगा। सभी चालकों के लिए ड्रेस कोड (ऑटो हेतु खाकी रंग, टोटो हेतु नीला रंग), वैध ड्राइविंग लाइसेंस एवं आई कार्ड अनिवार्य होगा। नगर परिषद एवं अंचल अधिकारी को चांदपुर बॉर्डर पड़ाव स्थल पर आवश्यक सुविधाएँ (साफ-सफाई, पानी, शौचालय, बिजली) 01 नवम्बर 2025 तक पूर्ण कराने का निर्देश दिया गया। सड़क सुरक्षा एवं यातायात नियमों के प्रचार हेतु सूचनात्मक बोर्ड लगाए जाएंगे। साथ ही आदेशों का उल्लंघन करने वाले चालकों/वाहन स्वामियों पर मोटर वाहन अधिनियम के अंतर्गत दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी।
बैठक के दौरान जिला ऑटो/टोटो संघ के प्रतिनिधियों ने जिला प्रशासन को पूर्ण सहयोग का आश्वासन दिया तथा कुल 39 नए आवेदन (आई कार्ड एवं नंबरिंग हेतु) एवं 30 चालकों के ड्राइविंग लाइसेंस निर्माण हेतु आवेदन जिला परिवहन पदाधिकारी को सौंपे गए। जिला परिवहन पदाधिकारी ने कहा कि ह्लजिला पाकुड़ को जाम मुक्त एवं सुरक्षित यातायात वाला शहर बनाने में सहयोग आवश्यक है।

फाइनल में धनबाद ने गोमिया को 3 - 1 गोल से हरा ट्राफी पर जमाया कब्जा

राष्ट्रीय खबर

मरकच्चो: बिचरिया नई टांड़ मैदान में खेले जा रहे न्यू स्पोर्टिंग क्लब तेलोडीह के तत्वाधान में फुटबॉल चैंपियनशिप टूनामेंट का फाइनल मुकाबला रविवार को एस टी क्लब धनबाद बनाम आजाद क्लब गोमिया टीम के बीच खेला गया। दोनों टीमों ने शानदार प्रदर्शन किया। दोनों टीमें काफी आक्रमक दिखे। मध्यांतर के पहले धनबाद की टीम ने अच्छे तालमेल के साथ एक के बाद एक गोल करने में सफल रही।मध्यांतर के बाद दोनों टीमों के खिलाड़ियों के द्वारा कई प्रयास किये गए लेकिन अंत में खेल के अंतिम समय में एक और एक दो गोल कर दिया। धनबाद की टीम ने 3 - 0 से बढ़त बना ली। वहीं खेल के एक मिनट पूर्व गोमिंया की टीम 1 गोल करने में सफल रही। इस तरह धनबाद की टीम 3- 1 से जीत हासिल की। इस तरह धनबाद 3- 1 गोल से जीतकर ट्राफी पर कब्जा जमा लिया। मैच देखने के लिए भारी संख्या में खेल प्रेमी मैदान में जमे हुए थे । दर्शकों के उत्साहवर्धन से खिलाड़ियों का जोश दोगुना नजर आया। जीत के बाद धनबाद के खिलाड़ियों और समर्थकों में खुशी की लहर दौड़ गई। वहीं गोमिंया की टीम उप विजेता बनी। आयोजन समिति ने विजेता व उप विजेता टीम को बधाई दी। निर्णायक की भूमिका प्रवीण कुमार रवि, दामोदर कुमार व मो आरिफ ने निभाई। वहीं खेल का आंखों देखा हाल एम चंद्रा व जितेंद्र यादव सुना रहे थे। इसके पूर्व फाइनल मैच का शुभारम्भ मुख्य अतिथि जिला परिषद अध्यक्ष रामधन यादव, विशिष्ट अतिथि प्रखण्ड प्रमुख मरकच्चो बिजय कुमार सिंह, जिप सदस्य प्रतिनिधि राज कुमार यादव, रविशंकर तिवारी मंटू आदि मौजूद थे।

राष्ट्रीय खबर कॉर्नर

राष्ट्रपिता महात्मा गाँधी की प्रतिमा को असामाजिक तत्वों द्वारा खंडित किए जाने पर झारखंड सर्वोदय मंडल के सदस्य ने दुख जताया

रामगढ़ के गांधी चौक पर स्थापित राष्ट्रपिता महात्मा गाँधी की प्रतिमा को असामाजिक तत्वों द्वारा खंडित किए जाने पर झारखंड सर्वोदय मंडल के सदस्य बसंत हेतमसरिया ने दुख जताया है और इस कुकृत्य की कड़ी निंदा की है । उन्होंने प्रेस को दिए एक बयान में कहा कि इस तरह का काम करने वाले लोग देशद्रोही हैं जो स्वतंत्रता सेनानियों का लगातार अपमान करते रहते हैं और हर समय समाज में अशांति फैलाने के कुत्सित प्रयास में लगे रहते हैं।
झारखंड सरकार और जिला प्रशासन को ऐसे लोगों को यथाशीघ्र चिन्हित कर उन पर कठोर कानूनी कार्यवाही करनी चाहिए ताकि ऐसे तत्व दुबारा ऐसी हरकत करने की सोच भी न सकें ।

पांकी में सड़क हादसा: हाइवा की चपेट में आने से बाइक सवार युवक की मौत

राष्ट्रीय खबर

पांकी थाना क्षेत्र के तेतराई बाजार समीप शनिवार रात लगभग 8 बजे एक दर्दनाक सड़क हादसा हुआ, जिसमें बाइक सवार युवक की मौत मौके पे हो गई। मृतक की पहचान ताल पिकेट निवासी संतोष शर्मा (उम्र 22 वर्ष), पिता देवनाथ मिस्त्री के रूप में हुई है।
जानकारी के अनुसार, संतोष अपनी बाइक से मेदनीनगर से घर पांकी आ रहा था, तभी हाइवा ने उसे टक्कर मार दी। हादसे के बाद हाइवा चालक वाहन छोड़कर फरार हो गया।
घटना की जानकारी मिलते ही पांकी राजीव गांधी पंचायती राज संगठन जिला अध्यक्ष सह जिला पार्षद प्रतिनिधि मुकेश सिंह चंदेल मौके पर पहुंचे। उन्होंने घटनास्थल का निरीक्षण किया, मृतक परिवार से मुलाकात की और पांकी थाना प्रशासन से बातचीत कर पूरे मामले की जानकारी ली। थाना प्रभारी के निर्देश पर ताल पिकेट क्षेत्र में जांच शुरू कर दी गई है। पुलिस हाइवा को जब्त कर ली है।

झारखंड प्रगतिशील शिक्षक संघ पाकुड़ इकाई द्वारा प्रखंड स्तरीय बैठक

राष्ट्रीय खबर

महेशपुर(एप्र): प्रखंड मुख्यालय स्थित आदिवासी कल्याण छात्रावास के परिसर में रविवार को झारखंड प्रगतिशील शिक्षक संघ पाकुड़ इकाई द्वारा प्रखंड स्तरीय बैठक जिला अध्यक्ष इकबाल अहमद की अध्यक्षता में किया गया। बैठक में महेशपुर एवं पाकुड़िया के शिक्षक शिक्षिकाएं हुए। बैठक में सर्व समिति से दोनों प्रखंड के सम्मिलित अध्यक्ष पद के लिए चिरंजीव सिंह, उपाध्यक्ष प्रशांत दास,सचिव अब्दुल वदूद तथा कोषाध्यक्ष मतिउर रहमान को चयन किया गया। इस बैठक में नव चयनित सहायक आचार्य शरीफ आलम एवं इनामुल हक को शिक्षकों ने उपहार देकर सम्मानित किया। वहीं इस अवसर पर सावान शेख, प्रशांत दास,असीमा खातून, श्रीचरण दास,मोहम्मद नूर आलम, साहिदा खातून, ताईजुद्दीन शेख, जासमिन खातून, जासमिन सुल्ताना, मुवास्सिर होसेन, कमरूज्जमा सेख,साधन कुमार सिंह आदि मौजूद थे।

पलामू सहित झारखंड में भ्रष्टाचार एवं अपराध चरम पर: भाकपा

पूरे जिले में भाकपा जनसमस्याओं को लेकर करेगी पदयात्रा: रूचिर

राष्ट्रीय खबर

मेदिनीनगर: भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के राज्य कार्यकारिणी की बैठक रामस्वरूप पासवान की अध्यक्षता में रांची में हुई। बैठक में मुख्य रूप से भाकपा के राज्य सचिव महेंद्र पाठक के साथ पूरे झारखंड के जिला सचिव उपस्थित थे एवं पलामू से राज्य कार्यकारिणी के सदस्य सह जिला सचिव रूचिर कुमार तिवारी एवं जितेंद्र सिंह उपस्थित थे। मौके पर जिला सचिव श्री तिवारी ने पलामू जिला में व्याप्त जन समस्याओं को विस्तृत रूप से रखा और कहा की जिले के अंदर भ्रष्टाचार की लूट मची हुई है साइकिल एवं मोटरसाइकिल से बालु ढोने वाले मजदूरों से भी पलामू पुलिस पैसा की उगाही कर रही है। पलामू जिला के अंतर्गत शहरी क्षेत्र में तालाबों का सौंदर्यकरण एवं गहरीकरण के नाम पर खाना पूर्ति करके ठेकेदार एवं निगम प्रशासन मालामाल हो रहे हैं। जिला के अंदर खनिज संपदा की भारी लूट मची हुई है अपराधियों को अपराध करने के लिए खुला छूट दे दिया गया है हत्या जैसे संगीन अपराध होने के बाद भी पलामू पुलिस में अपराधियों का खौफ नहीं है। पलामू जिला सहित पुरा झारखंड अपराधियों , बाहरियों एवं पदाधिकारियों के चारागाह का अड्डा बना हुआ है। ऐसी परिस्थिति में कम्युनिस्ट पार्टी पलामू जिला सहित पुरे झारखंड में आंदोलन करेगी एवं संगठन को मजबूत कर आम अवाम को एक नया विकल्प देगा। वही जिला सचिव पलामू जिला के अंतर्गत 30 नवंबर से आम जनता की जन समस्याओं को लेकर पदयात्रा करेगी ।

छठ महापर्व की तैयारी में जुटे लोग , नगर प्रशासन से छठ घाटों की सफाई की उठी मांग

राष्ट्रीय खबर

हरिहरगंज/पलामू : लोक आस्था का छठ महापर्व के आगमन को देखते हुए अभी से ही श्रद्धा और उत्साह का माहौल बनने लगा है। शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में धनतेरस ,दीपावली,गोवर्धन पूजा (भैयादूज) छठ पर्व को देखते हुए लोग अपने अपने घरों की साफ सफाई, रंगाई-पुताई का कार्य में भी युद्ध स्तर पर जुटे हुए हैं। बता दें कि छठ महापर्व अब नजदीक है। इसे देखते हुए नगर प्रशासन को शीघ्र ही विभिन्न वार्डों के छठ घाटों की साफ-सफाई शुरू कर देना चाहिए। क्योंकि इस वर्ष लगातार हुई बारिश की वजह से छठ घाटों के आस पास काफी गंदगी फैली हुई है। इस पिछले वर्ष से कही ज्यादा बारिश होने से छठ घाटों पर घांस और कूड़ा देखा जा रहा है। विदित हो कि हरिहरगंज थाना रोड में सियारभुंका बटाने नदी छठ घट पर हर साल व्रतियों की भारी भीड़ जुटती है। जबकि क्षेत्र के पूणार्डीह, अंबा-डेमा, अररुआ कला,घाघरा विशुनपुर आदि घाटों पर भी छठ पूजा अनुष्ठान के लिए श्रद्धालुओं की भीड़ जुटती है। कई प्रबुद्ध लोगों ने भी छठ व्रतियों की सुविधा को लेकर आवागमन के रास्ते की साफ सफाई तथा लाइट का प्रबंध करने की नगर प्रशासन से गुहार लगाई है। लोगों ने उम्मीद जताई है कि नगर प्रशासन द्वारा शीघ्र ही छठ घाटों की सफाई कार्य शुरू कर दिया जाएगा। उधर छठ पूजा अनुष्ठान को देखते हुए ग्रामीण क्षेत्रों में पंचायतों के मुखिया, पंसस और वार्ड सदस्यों के साथ ही सामाजिक कार्यकताओं द्वारा भी अलग से इसकी तैयारी की जा रही है।

अधिवक्ता एवं लिपिकों को फेस 3 का ई कोर्ट फाईलिंग एवं ई पेमेंट का दिया प्रशिक्षण

राष्ट्रीय खबर

पाकुड़: व्यवहार न्यायालय के सभागार में अधिवक्ताओं को दो पालियों में ई कोर्ट फाईलिंग एवं ई पेमेंट का प्रशिक्षण व्यवहार न्यायालय सभागार में दिया गया। प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश शेषनाथ सिंह के मार्गदर्शन में उपस्थित अधिवक्ता एवं अधिवक्ता लिपिकों को मास्टर ट्रेनर कौसर आलम और अधिवक्ता दीनानाथ गोस्वामी के द्वारा सभी अधिवक्ताओं को ई कोर्ट सर्विस एवं ई पेमेंट का ट्रेनिंग दिया गया। ई पेमेंट के माध्यम से अधिवक्ता एवं अधिवक्ता लिपिक कोर्ट फीस खुद से भर सकेंगे। जिसकी पेमेंट ऑनलाइन के माध्यम से कीजाएगी।
मास्टर ट्रेनर कौसर आलम ने बताया कि ई कोर्ट सर्विस के माध्यम से आप कैसे मुकदमा को फाइल कर सकते हैं। कैसे उसका तारीख ले सकते हैं। किसी तरीके से डे टू डे मुकदमे का अपडेट आप अपने मोबाइल पर ही देख सकते हैं।कोर्ट के द्वारा एक ऐप ई-कोर्ट सर्विस का निर्माण किया गया है। जिसके माध्यम से भारत के किसी भी कोर्ट का फाइलिंग मुकदमे की सभी सम्भावित जानकारी डिजिटल प्राप्त कर सकते हैं। पीडीजे श्री सिंह ने ई कोर्ट फाइलिंग सिस्टम एवं ई पेमेंट के बारे में संक्षिप्त जानकारी दिया और उन्होंने यह बताया कि यह बहुत ही आसान तरीका है जिससे अधिवक्ता और लिपिको केस फाइलिंग एवं पुराने केस की जानकारी प्राप्त करने में आसानी होगी और इसके साथ ही न्यायालय परिसर में 2 पोटा केबिन भी उपलब्ध कराया गया.

डॉन बॉस्को स्कूल के प्राचार्य बेस्ट एजुकेटर अवार्ड से सम्मानित

राष्ट्रीय खबर

पाकुड़ : शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट नेतृत्व, नवाचारपूर्ण शैक्षणिक पहल एवं विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास में उल्लेखनीय योगदान के लिए सेंट डॉन बॉस्को स्कूल, पाकुड़ के प्राचार्य शिव शंकर दुबे को प्रतिष्ठित ह्लबेस्ट एजुकेटर अवार्डह्व से सम्मानित किया गया। यह सम्मान रांची के रैडिसन ब्लू होटल में आयोजित ऍठ एजुकेशन लीडरशिप समिट के दौरान प्रदान किया गया, जिसमें देशभर से प्रख्यात शिक्षाविद्, प्राचार्य एवं शिक्षा क्षेत्र के विशेषज्ञ शामिल हुए। श्री दुबे को यह सम्मान शिक्षा के क्षेत्र में उनके उत्कृष्ट नेतृत्व, अनुशासनप्रियता तथा विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के प्रति उनके समर्पण को ध्यान में रखते हुए दिया गया। सम्मान प्राप्त करने के उपरांत श्री दुबे ने अपने विचार व्यक्त करते हुए बताया कि यह पुरस्कार केवल मेरा नहीं, बल्कि संपूर्ण विद्यालय परिवार की मेहनत, निष्ठा और एकता का परिणाम है।

पलामू में हुई झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी युवा मोर्चा की बैठक

राष्ट्रीय खबर

मेदिनीनगर: झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी युवा मोर्चा की एक बैठक पलामू क्लब डाल्टनगंज में की गई इसकी अध्यक्षता युवा मोर्चा के जिला अध्यक्ष दीपू कुमार दांगी जबकि संचालन प्रभात सिन्हा ने की कार्यक्रम के बतौर मुख्य अतिथि जिला अध्यक्ष दिलीप मेहता के मौजूदगी में विभिन्न पार्टियों के बहुत सारे लोग आज पार्टी में शामिल हुए जिसमें मुख्य रूप से हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा के युवा मोर्चा पलामू प्रमंडल प्रभारी मनोज पांडे हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा युवा मोर्चा के जिला अध्यक्ष सरताज आलम युवा नगर अध्यक्ष अकबर शाह युवा मोर्चा जिला सचिव मजहर साह साकिब हुसैन सैयद हुसैन अमरजीत प्रसाद चौरसिया रमाकांत यादव सचिन शर्मा जीवन सिंह शंभू प्रजापति सचिन राय सुमित सैकड़ो की संख्या में लोग शामिल हुए सभी लोगों का स्वागत माला पहनकर पट्टा के साथ एवं सदस्यता देकर किया गया सभी का उज्जवल भविष्य की कामना की गई। इस मौके पर जिला सचिव विकास यादव अल्पसंख्यक मोर्चा के जिला अध्यक्ष शोएब अंसारी जिला महामंत्री गौतम तिवारी युवा मोर्चा के जिला उपाध्यक्ष पंकज यादव समेत पार्टी के विभिन्न लोग मौजूद थे।

अभियान

1 लाख 89 हजार 512 बच्चों को पोलियो रोधी खुराक पिलाने का लक्ष्य

शून्य से पांच वर्ष के बच्चों को पिलाएं 'दो बूंद जिंदगी की'

- तीन दिवसीय पल्स पोलियो अभियान की उप विकास आयुक्त ने की शुरूआत
- 1121 बूथ बनाए गए हैं, 2242 वैक्सीनेटर, 268 सुपरवाइजर को लगाया गया
- पोलियो खुराक से कोई भी बच्चा छूटे नहीं, सुनिश्चित करने को कहा

राष्ट्रीय खबर

पाकुड़: जिलेभर में तीन दिवसीय पल्स पोलियो अभियान की शुरूआत हुई। उप विकास आयुक्त श्री महेश कुमार संथालिया, सिविल सर्जन डॉ० सुरेंद्र कुमार मिश्रा एवं जिला यक्ष्मा पदाधिकारी डॉ के.के सिंह एवं राज्य कालाजार कंसल्टेंट डॉ इकबाल ने पुराने सदर अस्पताल परिसर में बच्चों को पोलियों खुराक पिलाकर अभियान की शुरूआत की
उप विकास आयुक्त महेश कुमार संथालिया ने अपील किया कि खुराक पिलाने में किसी प्रकार की कोई लापरवाही नहीं बरतें। ईमानदारी पूर्वक 0-5 वर्ष* के बच्चों को पोलियो रोधी खुराक पिलाएं। पोलियो अभियान को सफल बनाने के लिए 1121 बूथ बनाए गए हैं।
2242 वैक्सीनेटर, 268 सुपरवाइजर को लगाया गया है। अभियान के प्रथम दिन बूथों पर 0-5 वर्ष के बच्चों को खुराक पिलाई गई। दूसरे व तीसरे दिन घर-घर जाकर खुराक पिलाना है। उप विकास आयुक्त श्री महेश कुमार संथालिया ने कहा कि हर हाल में लक्ष्य की प्राप्ति करनी है। जिले में सभी बच्चे स्वस्थ रहें इसलिए उन्हें पोलियो की खुराक देना बेहद जरूरी है। उप विकास आयुक्त ने कहा कि यह अभियान आमलोगों के सहयोग के बिना सफल नहीं हो सकता है। की खुराक अवश्य पिलाएं।
मौके पर डीपीएम, डीडीएम डीपीसी, डीयूएचएम एवं वीसीसीएम समेत अन्य स्वास्थ्य विभाग के कर्मी उपस्थित रहे।

कथारा क्षेत्र के कथारा कोलियरी,जारंगडीह, गोबिंदपुर सहित अन्य परियोजना माइंसों का दोपहर दो बजे सीसीएल डीटीओ ने किया निरीक्षण

राष्ट्रीय खबर

बेरमो: सीसीएल डीटीओ सी.एस तिवारी क्षेत्र के जीएम संजय कुमार सहित अन्य अधिकारियों के साथ निरीक्षण किया।इधर निरीक्षण के क्रम में डीटीओ पहले क्षेत्र के जारंगडीह ओपेन कास्ट पहुंचे यहां खान प्रबंधक कार्यालय में पीओ पीके सेन गुप्ता सहित अन्य अधिकारियों के साथ बैठक कर उत्पादन, उत्पादकता एवं डिस्पैच की जानकारी ली साथ ही माइंस में व्याप्त समस्याओं से अवगत हुए।उन्होंने उपस्थित अधिकारियों को अधिक से अधिक उत्पादन करने का निर्देश दिया साथ ही अपने स्तर पर माइंस में व्याप्त समस्याओं को दूर करने का आश्वासन दिया।इसके बाद वे स्वांग-गोविंदपुर फेज टू गए।अंत में वे कथारा कोलियरी तीन नंबर भियू प्वाइंट पहुंच।
निरीक्षण करने के बाद कथारा अतिथि गृह पहुंचे यहां वे अधिकारियों के साथ बैठक की एवं निर्धारित लक्ष्य को पूरा करने का निर्देश दिया क्षेत्र के अधिकारी कर्मचारी एवं श्रमिक सभी मिलकर सेफ्टी का ध्यान रखते हुए काम करें जिससे निर्धारित वार्षिक लक्ष्य पूरा हो सके साथ ही उन्होंने कथारा वाशरी पीओ को हर दिन तीन हजार टन कोयला कंज्यूम करने का निर्देश दिया ताकि स्टॉक कोयले को कम किया जा सके।मौके पर जीएम माइनिंग बिनोद कुमार, एसओ एक्स अभिजीत कुमार दत्ता,कथारा वाशरी पीओ अमरेंद्र कुमार,कथारा कोलियरी प्रभारी पीओ कृष्ण मुरारी,राहुल कुमार, सेफ्टी पदाधिकारी अनीश कुमार दिवाकर,सुरक्षा प्रभारी इबरार हुसैन,नागेश्वर नोनिया आदि उपस्थित थे।

घंघरी में छठ पूजा समिति के अध्यक्ष बने मनोज, सचिव देवेन्द्र राणा

राष्ट्रीय खबर

जयनगर: प्रखंड के ग्राम घंघरी में छठ पूजा को लेकर एक बैठक आयोजित की गई जिसमें छठ पूजा समिति का गठन किया गया। बैठक में सर्वसम्मति से को अध्यक्ष मनोज सिंह, सचिव देवेंद्र कुमार राणा, उपाध्यक्ष महेश पांडेय, उप सचिव बद्री मंडल, कोषाध्यक्ष छोटे लाल सिंह, उप कोषाध्यक्ष जितेंद्र सिंह, संरक्षक राम प्रसाद सिंह, महेश सिंह, रणजीत सिंह, राजकुमार पासवान, मीडिया प्रभारी अमर परमार, परमानंद गिरि को बनाया। मेला संचालक अवित कुमार सिंह, संतोष राणा, सुनील कुमार सिंह, विक्रम सिंह, राजकुमार पासवान, कैलाश शर्मा, मुकेश कुमार सिंह, अरुण कुमार पांडेय, दीपक गिरी, संचालक शशि कुमार पांडेय, मंच संचालक अजीत कुमार सिंह, संजय पांडेय, पूजा प्रभारी दिनेश पंडित, दीपक पांडेय, पंडाल सुरक्षा प्रभारी सरयू सिंह, बिशन पंडित, डोमन राणा, गुरु सहाय पंडित, स्वच्छता प्रभारी अशोक मंडल, गुलाब मंडल, भुनेश्वर मंडल, परिवहन सुरक्षा प्रभारी धीरू सिंह, देवानंद सिंह, कैलाश सिंह, आनंद शर्मा, ईश्वर राणा, उमेश मंडल, गणेश सिंह, मेला निगरानी मनोहर सिंह, सोनू पंडित सहित कई मौजूद थे।

राष्ट्रीय खबर हमारी खबर झारखंड
web : www.rashtriyakhabar.com
epaper.rashtriyakhabar.com

शहर >> अपडेट

सांसद सुखदेव भगत राजस्थान के लिए हुए रवाना

लोहरदगाः लोकसभा के सांसद सुखदेव भगत आज राजस्थान के लिए रवाना हुए। विदित हो कि कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने संगठन सृजन अभियान के तहत लोहरदगा लोकसभा के सांसद सुखदेव भगत को राजस्थान का ऑब्जर्वर बनाए हैं इससे पूर्व भी इन्हें गुजरात एवं मध्य प्रदेश का ऑब्जर्वर बनाया गया था । सांसद एक सप्ताह पूर्व राजस्थान के ब्यावर जिला का दौरा कर संगठन की स्थिति का जायजा ले चुके हैं। सांसद राजस्थान के अन्य जिलों का दौरा कर संगठन की जमीनी हकीकत क्या है, संगठन के लोगों एवं संगठन की क्या गतिविधि हैं।

शॉर्ट न्यूज

कार्तिक उरांव साइकिल रेस का आयोजन कल

लोहरदगाः विकास भारती बिशनपुर संस्था द्वारा विगत 41 वर्षों की भांति इस वर्ष भी कार्तिक उरांव साइकिल रेस का आयोजन 14 अक्टूबर 2025 को किया जा रहा है कार्तिक उरांव साइकिल रेस बक्शीडीपा मैदान लोहरदगा से जतरा टाना भगत स्मारक चिंगरी बिशनपुर लगभग 51 किलोमीटर का होता है इस साइकिल रेस में लोहरदगा एवं गुमला जिले के सैकड़ो ग्रामीण युवक एवं युवतियां उत्साह से भाग लेती है कार्तिक उरांव साइकिल रेस से संबंधित सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं साइकिल रेस उद्घाटन कार्यक्रम प्रातः 8:30 बजे प्रारंभ होगा।

संक्षिप्त >> अपडेट्स

कथारा में सात विद्यालयों के शिक्षकों के दो दिवसीय 'क्षमता संवर्धन कार्यशाला' का शुभारंभ

राष्ट्रीय खबर

बेरमो : डी ए वी स्कूल कथारा में झारखंड जोन-आई के सात विद्यालयों के शिक्षकों के दो दिवसीय 'क्षमता संवर्धन कार्यशाला' का शुभारंभ क्षेत्र के महाप्रबंधक सह विद्यालय के स्थानीय प्रबंधन समिति के अध्यक्ष संजय कुमार के द्वारा किया गया। कार्यक्रम की सुरुआत वैदिक मंत्रों के बीच दीप प्रज्वलन के साथ किया गया। विद्यालय के विद्यार्थियों ने सांस्कृतिक कार्यक्रमों के माध्यम से अतिथियों का स्वागत किया जिनमें स्वागत गान एवं झारखंड की संस्कृति को दशार्ता एक लोक नृत्य शामिल था। मुख्य अतिथि महाप्रबंधक ने अपने उद्बोधन में कहा कि आज इस विद्यालय के प्रांगण में झारखंड जोन-आई के सात विद्यालयों के लगभग 374 शिक्षक- शिक्षिकाएं उपस्थित हैं जो प्राथमिक, माध्यमिक एवं उच्चतर माध्यमिक स्तर के हैं। सभी सीबीएसई के नियमों के तहत वर्ष में 50 घंटे के प्रशिक्षण के क्रम में एकत्रित हुए हैं।

समीक्षा

नारकोटिक्स समन्वय केंद्र की जिला स्तरीय समिति की समीक्षात्मक बैठक आयोजित

अवैध अफीम-पोस्ता की खेती की रोकथाम को लेकर उपायुक्त ने की समीक्षा

राष्ट्रीय खबर

चतराः जिले में अवैध अफीम-पोस्ता की खेती पर प्रभावी नियंत्रण एवं इसके पूर्ण विनष्टीकरण को लेकर समाहरणालय सभागार में उपायुक्त कीर्तिश्री की अध्यक्षता में नारकोटिक्स समन्वय केंद्र की जिला स्तरीय समिति की समीक्षात्मक बैठक आयोजित की गई। बैठक में संबंधित पदाधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिया गया कि अभियान को गति देने के लिए प्रखंड स्तर पर कम से कम दो बार बैठक कर ठोस रणनीति बनाई जाए।

बैठक में बताया गया कि पूर्व वर्षों में पोस्ताझ्रअफीम की अवैध खेती के विरुद्ध विनष्टीकरण में उल्लेखनीय प्रगति दर्ज की गई है। इसी क्रम में आमजनों को जागरूक करने के उद्देश्य से 03 अक्टूबर से 17 अक्टूबर 2025 तक जिले भर में विशेष ह्लढ१ उ४ह्न३५३इल्ल ऊ१५ी (पूर्व खेती अभियान)ह्व चलाया जा रहा है। इस दौरान नुक्कड़ नाटक, गीतझ्रनाट्य, संवाद कार्यक्रमों के साथ पंचायत एवं ग्राम स्तर पर जनप्रतिनिधियों के साथ बैठकों का आयोजन किया जा रहा है, ताकि ग्रामीण स्तर पर लोगों को अवैध खेती के दुष्परिणामों से अवगत कराया जा सके।

बैठक में पुलिस अधीक्षक सुमित कुमार अग्रवाल ने सख्त लहजे में सभी थाना प्रभारियों को निर्देशित किया कि अवैध पोस्ताझ्रअफीम की खेती में संलिप्त लोगों की पहचान कर उनके विरुद्ध त्वरित और कठोर कार्रवाई सुनिश्चित करें। उन्होंने चेतावनी भरे अंदाज में कहा कि ह्लजिन क्षेत्रों में अवैध खेती पाई जाती है और वहां समय पर कार्रवाई नहीं होती, ऐसी स्थिति में संबंधित थाना प्रभारी की जवाबदेही तय की जाएगी।ह्व उन्होंने कहा कि प्रशासन का लक्ष्य चतरा को अवैध अफीमझ्रपोस्ता की खेती से पूरी तरह मुक्त करना है। इसके लिए ड्रोन और अन्य आधुनिक उपकरणों के माध्यम से खेती वाले इलाकों की सतत निगरानी करें।

उपायुक्त ने भी स्पष्ट निर्देश दिया कि किसी भी सूरत में जिले में अफीमझ्रपोस्ता की खेती बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने सभी विभागों से समन्वय स्थापित कर अभियान को प्रभावी एवं परिणाममुखी बनाने पर बल दिया। बैठक में क्षेत्रीय निदेशक, एन०सी०बी० झारखण्ड राँची, वन प्रमंडल पदाधिकारी वन आश्रह्लयनी हजारीबाग, वन प्रमंडल पदाधिकारी उत्तरी राहुल मीणा, अपर समाहर्ता अरविंद कुमार, अनुमंडल पदाधिकारी सिमरिया सन्नी राज, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, सभी अंचल अधिकारी, थाना प्रभारी, वन विभाग के अधिकारी, फॉरेस्ट गार्ड सहित अन्य संबंधित पदाधिकारी एवं कर्मी उपस्थित थे।

रन फॉर डीएवी के माध्यम से दिया विश्व शांति और सद्भावना का संदेश

राष्ट्रीय खबर

झुमरीतिलैयाः डीएवी कोडरमा में रविवार को बच्चों के सर्वांगीण विकास के उद्देश्य से एक ऐतिहासिक पहल के रूप में ह्वरन फॉर डीएवीह्ल मैराथन का भव्य आयोजन किया गया। विद्यालय के प्राचार्य कृष्ण कुमार सिंह ने केटीपीसी चौक पर फीता काटकर कार्यक्रम का उद्घाटन किया। उद्घाटन के पश्चात प्राचार्य, शिक्षकगण और विद्यार्थियों ने पूरे जोश और उत्साह के साथ ह्वरन फॉर डीएवीह्ल में भाग लिया। इस अवसर पर प्रतिभागियों की सुरक्षा का विशेष ध्यान रखा गया। शिक्षकों एवं शिक्षिकाओं को विभिन्न स्थानों पर तैनात किया गया ताकि बच्चों की सुरक्षा और अनुशासन बनाए रखा जा सके। प्रतिभागियों ने केटीपीसी चौक से डीएवी पब्लिक स्कूल, झुमरीतिलैया तक की दूरी पूरे उत्साह के साथ पूरी की। बालक वर्ग में विजेता कक्षा 10 के पृथ्वीराज यादव, प्रथम उप विजेता कक्षा 9 के रंजन कुमार, द्वितीय उप-विजेता कक्षा 10 के कृष्ण कुमार रहे। बालिका वर्ग में विजेता कक्षा 8 की उषा कुमारी, प्रथम उप विजेता कक्षा 7 की श्रुति कुमारी, द्वितीय उप विजेता संयुक्त रूप से कक्षा 10 की अमिशा यादव एवं कक्षा 6 की शान्वी प्रिया रहे। प्राचार्य कृष्ण कुमार सिंह ने सभी विजेताओं को मेडल और ट्रॉफी प्रदान कर सम्मानित किया तथा उनकी सराहना की। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि इस कार्यक्रम का उद्देश्य विश्व शांति, सद्भावना, सेवा और स्वास्थ्य को बढ़ावा देना है। उन्होंने कहा कि मैराथन दौड़ना न केवल शारीरिक स्वास्थ्य को प्रोत्साहित करता है, बल्कि यह धैर्य, दृढ़ संकल्प और आत्मविश्वास को भी विकसित करता है। हमारे प्रतिभागियों का उत्साह यह दशार्ता है कि हम अपने उद्देश्य को प्राप्त करने में सफल रहे हैं।

राष्ट्रीय खबर कॉर्नर

ग्रिजली विद्यालय के नवप्रवर्तक होंगे राष्ट्रव्यापी लाइव प्रसारण का हिस्सा

- विकसित भारत बिल्डाथॉन 2025 में एटीएल को मिली विशेष पहचान

कोडरमाः एटीएल ग्रिजली विद्यालय को विकसित भारत बिल्डाथॉन झ 2025 के लाइव जूम प्रसारण में भाग लेने के लिए भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय, एआईसीटीई और नीति आयोग द्वारा विशेष रूप से आमंत्रित किया गया है। यह कार्यक्रम 13 अक्टूबर 2025 (सोमवार) को आयोजित होगा। यह न केवल ग्रिजली विद्यालय बल्कि पूरे कोडरमा जिले और आसपास के क्षेत्र के लिए गर्व का विषय है कि विद्यालय का एटीएल देश के चुनिंदा अटल टिंकरिंग लैब्स में शामिल किया गया है, जिन्हें इस लाइव स्पॉटलाइट सत्र के लिए चयनित किया गया है। यह राष्ट्रव्यापी नवाचार अभियान भारत के तीन लाख से अधिक माध्यमिक एवं वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालयों के पाँच करोड़ से अधिक विद्यार्थियों को जोड़ने जा रहा है। कार्यक्रम के दौरान ग्रिजली विद्यालय के छात्र अपने प्रशिक्षक कुनाल अम्बष्टा के निर्देशन में ड्रोन तकनीक, कृषि नवाचार, सड़क किनारे ऊर्जा उत्पादन, ड्राइवर सुरक्षा प्रणाली, बाल देखभाल और महिला स्वास्थ्य जैसे विषयों पर अपने अभिनव प्रोजेक्ट प्रस्तुत करेंगे।

सतगावां में सड़क दुर्घटना, चार लोग गंभीर रूप से घायल

राष्ट्रीय खबर

कोडरमाः जिले के सतगावां थाना अंतर्गत सतगांवां कोडरमा मुख्य मार्ग के अंगार मोड़ के समीप रविवार को एक स्कार्पियो दुर्घटनाग्रस्त हो गई। जिससे उसमें सवार 4 लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। जानकारी के अनुसार एक स्कार्पियो (डीएल 8 सी 3145) में कुछ लोग सवार होकर सोमवार को सतगावां से झुमरीतिलैया शहर जा रहे थे। इसी बीच अंगार मोड़ के समीप महथाडीह पेट्रोल पंप से ठीक पहले स्कार्पियो के सामने बीच सड़क पर एक कुत्ता आ गया। जिसे बचाने के क्रम में स्कोर्पियो अनियंत्रित हो गई और सड़क किनारे लगे एक पेड़ से जा टकराई। घटना में स्कार्पियो बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गई। वहीं उसमें सवार 4 लोग घायल हो गए। इसी बीच वहां से गुजर रहे स्थानीय लोगों की नजर उनपर पड़ी और घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, सतगावां लाया गया। जहां ईलाज के पश्चात उनकी गंभीर स्थिति को देखते हुए सदर अस्पताल कोडरमा रेफर कर दिया गया। घायलों की पहचान सतगावां थाना क्षेत्र के गोहाल निवासी मिथिलेश यादव (35 वर्ष), बासोडीह निवासी संदीप साव (30 वर्ष), सागर राजवंशी (16 वर्ष) तथा राहुल प्रजापति (18 वर्ष) के रूप में हुई है। बताते चलें कि राहुल और सागर उक्त स्कार्पियो के पीछे की सीट पर बैठे हुए थे और सीट बेल्ट लगाए हुए थे, जिसके कारण स्कोर्पियो के दुर्घटनाग्रस्त होते ही एयर बैग खुल गई और उन्हें हल्की चोटें आईं। जबकि स्कोर्पियो में आगे बैठे मिथिलेश यादव व संदीप साव के सीटबेल्ट नहीं लगाए रहने के कारण उन्हें गंभीर चोटें आईं और उनकी स्थिति फिलहाल गंभीर बनी हुई है।

अंतरराष्ट्रीय बालिका दिवस पर बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना के तहत मानसिक एवं सामाजिक स्वास्थ्य पर चर्चा

राष्ट्रीय खबर

चतराः अंतरराष्ट्रीय बालिका दिवस के अवसर पर आज जिला समाज कल्याण कार्यालय की ओर से जिले भर में बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना अंतर्गत ह्लमानसिक एवं मनो सामाजिक स्वास्थ्यह्व विषय पर स्कूली छात्राओं के बीच चर्चा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य बालिकाओं में मानसिक एवं सामाजिक स्वास्थ्य के महत्व के प्रति जागरूकता बढ़ाना तथा उन्हें आत्मनिर्भर और सशक्त बनाना रहा। जिला स्तरीय मुख्य कार्यक्रम कस्तूरबा गांधी विद्यालय पकरिया एवं राज्य संपोषित बालिका उच्च विद्यालय चतरा में आयोजित किया गया। इसके साथ ही प्रखंड एवं पंचायत स्तर पर भी विभिन्न सरकारी विद्यालयों में इस विषय पर विशेष सत्र आयोजित किए गए। कार्यक्रम में जिला समाज कल्याण पदाधिकारी, विभागीय कर्मी, विद्यालय के शिक्षक-शिक्षिकाएं, छात्रझ्रछात्राएं एवं जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे। प्रखंड एवं पंचायत स्तर पर कार्यक्रम के सफल संचालन में लोहरदगा ग्राम स्वराज स्वरोजगार संस्थान का सहयोग रहा। इस दौरान पंचायत प्रतिनिधियों, वरिष्ठ नागरिकों, शिक्षकों और छात्राओं ने मानसिक और सामाजिक स्वास्थ्य से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर चर्चा की। वक्ताओं ने बताया कि मानसिक एवं सामाजिक स्वास्थ्य का तात्पर्य है व्यक्ति की वह क्षमता जिससे वह जीवन की चुनौतियों का सामना कर सके, अपनी संभावनाओं को पहचान सके और समाज के विकास में सार्थक भूमिका निभा सके। मानसिक स्वास्थ्य को शारीरिक स्वास्थ्य से गहराई से जुड़ा हुआ बताते हुए कहा गया कि स्वस्थ मन ही स्वस्थ शरीर की नींव है। कार्यक्रम में उपस्थित जनप्रतिनिधियों ने बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना के उद्देश्यों की जानकारी देते हुए कहा कि इस योजना का मुख्य मकसद लिंग आधारित भेदभाव एवं कन्या भ्रूण हत्या पर रोक लगाना जरूरी है।

ऑपरेशन सतर्क के तहत आरपीएफ ने विदेशी शराब के साथ गिरफ्तार

राष्ट्रीय खबर

झुमरीतिलैयाः आरपीएफ कोडरमा की टीम रविवार को निरीक्षक प्रभारी कोडरमा के नेतृत्व मे कोडरमा रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म सं0 04/05 पर गश्त कर रही थी। गश्ती के क्रम में उक्त प्लेटफार्म पर स्थित कैंटीन सं. 20 के पास पहुंचे तो एक व्यक्ति को एक काला रंग के पिट्ठू बैग के साथ संदिग्ध अवस्था में देखा गया। संदेह होने पर उसके पास जाकर पूछताछ किया गया तो उसने अपना नाम विट्ठ कुमार (पिता संजय कुमार, सा. मसौढ़ी धर्मशाला रोड, थाना मसौढ़ी) का रहने वाले बताया। जब उसके कब्जे वाले पिठ्ठु बैग को वहीं पर खोलकर चेक किया गया तो उसके अंदर 12 बोतल रॉयल स्टैग व्हिस्की बरामद हुई। उक्त व्यक्ति से शराब के बाबत पूछताछ किया गया तो उसके द्वारा बताया गया कि वो बेरोजगार है इसलिए इसे बिहार ले जाकर अधिक दामों में बेचता है।

प्रतिभावान खिलाड़ियों को बढ़ावा देना प्रतियोगिता का खास उद्देश्यः अब्दुल जब्बार

- कुर्से मिडिल स्कूल मैदान में चार दिवसीय शहीद शेख भिखारी फुटबॉल प्रतियोगिता का हाजी अब्दुल जब्बार व अन्य अतिथियों ने किया उद्घाटन

राष्ट्रीय खबर

लोहरदगाः लोहरदगा सदर प्रखंड अंतर्गत कुर्से मिडिल स्कूल मैदान पर चार दिवसीय शहीद शेख भिखारी फुटबॉल प्रतियोगिता का लोहरदगा अंजुमन ए इस्लामिया के नाजिम ए आला हाजी अब्दुल जब्बार, आयोजन समिति के संरक्षक हातिम अंसारी, अध्यक्ष छोटू, पूर्व पंचायत समिति सदस्य रफीक अंसारी, तबारक अंसारी, अर्सलान अंसारी, समेत अन्य अतिथियों के द्वारा खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर शुभारंभ किया गया। मौके पर उद्घाटन कर्ता हाजी अब्दुल जब्बार ने कहा कि लोहरदगा जिला में एक से बढ़कर एक प्रतिभाशाली खिलाड़ी हैं, बेहतर सुविधाएं नहीं मिलने के वजह से आगे नहीं बढ़ पाते हैं, वैसे खिलाड़ियों को बढ़ावा देने हेतु कुर्से मिडिल स्कूल मैदान में शहीद शेख भिखारी फुटबॉल प्रतियोगिता आयोजित किया गया है। उन्होंने कहा कि फाइनल सह समापन समारोह में बतौर मुख्य अतिथि पूर्व राज्यसभा सांसद धीरज प्रसाद साहू शामिल होंगे।

कुष्ठ खोजी रोग अभियान-2025 के सफल संचालन को लेकर उपायुक्त की अध्यक्षता में हुई समीक्षा बैठक

राष्ट्रीय खबर

चतराः जिले में कुष्ठ खोजी रोग अभियान-2025 के सफल क्रियान्वयन के उद्देश्य से समाहरणालय सभागार में उपायुक्त श्रीमती कीर्तिश्री जी की अध्यक्षता में एक विस्तृत समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में संबंधित अधिकारियों को अभियान को प्रभावी बनाने के लिए ठोस रणनीति तैयार करने तथा व्यापक जनजागरूकता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।

बैठक में सिविल सर्जन जगदीश प्रसाद ने जानकारी दिया कि कुष्ठ खोजी रोग अभियान चतरा जिले में 10 नवंबर से 26 नवंबर 2025 तक चलाया जाएगा। इस दौरान जिले के सभी पंचायतों, विद्यालयों और आंगनबाड़ी केंद्रों के माध्यम से ग्रामीण स्तर पर लोगों को कुष्ठ रोग के लक्षणों एवं उपचार के बारे में जागरूक किया जाएगा। उन्होंने बताया कि कुष्ठ रोग छूने से नहीं फैलता है और एमडीटी दवा के सेवन से इसका पूर्ण उपचार संभव है। सिविल सर्जन ने कुष्ठ रोग से संबंधित प्रमुख लक्षणों की जानकारी भी दी, जिनमें त्वचा पर बदरंग दाग और सुन्नपन, गठान का होना, भौं का झड़ना, चेहरे पर बदलाव, आंखों में परेशानी, हाथ-पांव में झुनझुनी, पकड़ने में कठिनाई, जलने का एहसास न होना और हाथ-पांव में दर्दरहित घाव जैसे संकेत शामिल हैं। उन्होंने कहा कि ऐसे किसी भी लक्षण के पाए जाने पर लोग छिपाएं नहीं बल्कि तुरंत नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र में जांच और इलाज कराएं। अभियान के तहत पंचायत स्तर पर ग्राम सभा में मुखिया, आंगनबाड़ी केंद्रों में सेविका एवं विद्यालय स्तर पर शिक्षकों की मदद से कुष्ठ रोग से प्रभावित व्यक्तियों की पहचान की जाएगी ताकि उनका समुचित उपचार सुनिश्चित किया जा सके।

आरपीएफ ने यात्री का लैपटॉप वापस किया

राष्ट्रीय खबर

झुमरीतिलैयाः आरपीएफ कोडरमा ने ऑपरेशन अमानत के तहत यात्री का ट्रेन में छूटा हुआ लैपटॉप वापस किया। जानकारी के अनुसार 11 अक्टूबर को रेल मदद से कंप्लेन प्राप्त हुआ कि एक यात्री का बैग गाड़ी में छूट गया है, जिसमें लैपटॉप है। तत्पश्चात शिकायतकर्ता के दिए गए मोबाइल नंबर पर संपर्क किया गया तो शिकायतकर्ता विशाल कुमार ने बताया कि वो गाड़ी संख्या - 20839 के कोच संख्या बी-3 सीट नंबर- 34 पर रांची से बोकारो स्टील सिटी तक यात्रा कर रहा था। उतरने के क्रम में उसका एक काला रंग का पिट्ठू बैग सीट पर छूट गया है, तत्पश्चात गाड़ी के कोडरमा आगमन पर शिकायतकर्ता के कोच को अटेंड कर शिकायतकर्ता के बैग को प्राप्त किया गया जिसमें एक डेल कंपनी का लैपटॉप रखा हुआ था। उस पिट्ठू बैग को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से शिकायतकर्ता से पहचान कराकर उस बैग को सुरक्षित आरपीएफ पोस्ट कोडरमा पर लाकर रखा गया. रविवार को शिकायतकर्ता विशाल कुमार पोस्ट पर उपस्थित हुए और निरीक्षक प्रभारी कोडरमा के नाम से एक आवेदन देकर अपने सामान की मांग किये, उचित पता सत्यापन करने के बाद उनका बैग जिसमें लेपटॉप था को सही सलामत सुपुर्द कर दिया गया। शिकायतकर्ता द्वारा बरामद सामानों की कीमत लगभग 60 हजार रुपए बताया गया।

तैयारी

प्रेरणा शाखा की बैठक में दीपावली, छठ एवं गोपाष्टमी पर सेवा कार्य करने का निर्णय

राष्ट्रीय खबर

झुमरीतिलैयाः मारवाड़ी युवा मंच की प्रेरणा शाखा की एक बैठक नंदनी अपार्टमेंट में संपन्न हुई। बैठक में वाकथान कार्यक्रम की समीक्षा हुई। प्रेरणा शाखा और मारवाड़ी युवा मंच के सदस्यों ने कार्यक्रम में बढ़कर भागीदारी निभाई तथा कार्यक्रम में केंद्रीय मंत्री कोडरमा सांसद अन्नपूर्णा देवी, विधायक डॉ नीरा यादव, जिप अध्यक्ष रामधन यादव सहित सामाजिक स्वयंसेवी संगठन और विभिन्न मॉर्निंग वॉक कमेटी के संगठन, विद्यालयों के बच्चों ने भागीदारी निभाई। इसके लिए उन्हें आभार प्रकट किया गया। प्रेरणा शाखा अध्यक्ष सारिका लड्ढा ने कहा कि मानव सेवा और समाज सेवा मंच का मूल्य उद्देश्य है और समाज के अंतिम पायदान तक पहुंच कर समाज सेवा करना मुख्य उद्देश्य होगा। इसमें प्रत्येक सदस्य की भागीदारी तन, मन और धन के बिना असंभव है। बैठक में अक्टूबर माह में आयोजित होने वाले कार्यक्रम पर चर्चा हुई इसमें धनतेरस के पूर्व आनंद सबके लिए (खुशियों का त्योहार) तथा दीपावली पर एक मुस्कान जरूरतमंदों के नाम के तहत सामग्री का वितरण कार्यक्रम आयोजित करने का निर्णय लिया गया।

साथ ही वृद्धाश्रम में समाज के धरोहरों के लिए भी कार्यक्रम आयोजित करने पर चर्चा हुई। इसके साथ ही महापर्व छठ को देखते हुए जरूरतमंदों के लिए सूप, नारियल एवं पूजन सामग्री उपलब्ध कराने का निर्णय लिया गया। साथ ही गोपाष्टमी की मौके पर गौशाला परिसर में जाकर गौ पूजन करने का निर्णय लिया गया। बैठक में मारवाड़ी युवा मंच मंडल वन की सहायक मंत्री श्रेया केडिया, सचिव आकृति चौधरी एवं कार्यक्रम की परियोजना निदेशक शालू चौधरी, काजल गुप्ता, कृतिका मोदी ने कहा कि प्रेरणा शाखा सामाजिक कार्यों के रूप में जानी जाती है। कोडरमा वासियों से अपील करती है कि दीपावली में कुम्हार के द्वारा निर्मित दिए का उपयोग अधिक से अधिक करें जिससे वोकल इंडिया की सामग्री से उनके चेहरे पर मुस्कान आ सके। कोषाध्यक्ष नेहा बजाज ने पिछले माह के आय व्यय का ब्यौरा प्रस्तुत किया। बैठक के बाद एक जरूरतमंद कन्या को उसकी विवाह की सामग्री उपलब्ध कराई गई.

सांसद सुखदेव भगत से बड़की चाँपि पंचायत के उप मुखिया हेना तिवारी ने की मुलाकात

राष्ट्रीय खबर

कुडूः लोहरदगा लोकसभा सांसद सुखदेव भगत बड़की चाँपि पंचायत के उप मुखिया हेना तिवारी के आवास में मिले। इस मौके पर बड़की चापि पंचायत की उप मुखिया हेना तिवारी ने माननीय सांसद के प्रति आभार व्यक्त की। साथ ही साथ बड़की चापि पंचायत के सर्वांगीण विकास हेतु बातें रखी।

इस क्रम में उप मुखिया हेना तिवारी ने सांसद सुखदेव भगत से बड़की चापि पंचायत अंतर्गत पंचायत मुख्यालय से सुदूरवर्ती मसूरियाखांड तक पथ निर्माण करवाने, बड़की चापि खकसी टोला रतिया उरांव के घर होते आरयो पथ तक एवं खकसी टोला हनुमान मंदिर पास से सुखदेव उरांव के घर पास तक पथ निर्माण करवाने, बंदुआ मंडप पास से सरना टोली मोड तक पथ निर्माण करवाने, कलवा ढोड़ा स्मशान घाट के पास डीप बोरिंग कराने, बड़की चापि बाजारतांड में चार दिवारी निर्माण कराने, बडकी चाँपि रामेश्वर उराँव के घर पास से आँगन बाड़ी तक पथ निर्माण करवाने, सहित बड़की चापि पंचायत में पानी, जलमीनार(जल नल योजना) का कार्य पूर्ण करवाने, बिजली की समस्या का निदान करवाने सहित कई जनकल्याणकारी कार्यो को करवाने की आग्रह की। इस पर सांसद श्री भगत ने कहे की सभी कार्यों को नियम अनुसार करवाया जाएगा।

भ्रष्टाचारियों पर नकेल कसने का बेहतर विकल्प है सूचना अधिकारः शकील अख्तर

- भारतीय सूचना अधिकार रक्षा मंच द्वारा 20 साल पूरा होने पर मनाई गई स्थापना दिवस
- राज्य सरकार जल्द सूचना आयुक्तों की नियुक्ति करें : प्रदीप राणा।

राष्ट्रीय खबर

लोहरदगाः लोहरदगा सूचना का अधिकार अधिनियम 2005 का 20 वर्ष पूर्ण होने पर भारतीय सूचना अधिकार रक्षा मंच लोहरदगा जिला कमिटी ने रविवार को होटल केतकी पैलेश में केक काटकर और लड्डू बांटकर धूम-धाम से सूचनाधिकार दिवस मनाया। मौके पर भारतीय सूचना अधिकार रक्षा मंच लोहरदगा के जिलाध्यक्ष शकील अख्तर ने कहा कि भ्रष्टाचार पर लड़ने के लिए लोकतांत्रिक तरीके से सबसे बड़ा कानून सबसे बड़ा हथियार है जब तक भ्रष्टाचार काम नहीं होगी लोहरदगा जिला में तब तक भारतीय सूचना अधिकार रक्षा मंत्री लड़ाई लड़ते रहेगी, जिला संरक्षक प्रदीप राणा ने कहा कि आज ही के दिन 12 अक्टूबर 2005 को हमारे देश में सूचना का अधिकार अधिनियम 2005 आरटीआई लागू हुआ था, जिसका आज 20 वर्ष पूर्ण हो गया, जो सूचना कानून लोकतंत्र की बहुत बड़ी ताकत है जिला उपाध्यक्ष एजाज अख्तर ने कहा कि सूचना कानून नागरिकों को सशक्त बनाता है, उन्हें सरकारी तंत्र के कामकाज की जानकारी प्राप्त करने का अधिकार प्राप्त है। मंच के जिला सचिव संजय विश्वकर्मा ने कहा कि आज का सूचनाधिकार दिवस भारत के सभी नागरिकों के लिए एक महत्वपूर्ण दिन है जो उन्हें उनके अधिकारों के बारे में जागरूक करने और एक पारदर्शी, जवाबदेह और भ्रष्टाचारमुक्त शासन प्रणाली को बढ़ावा देने के लिए समर्पित है।

न्यूज फटाफट

नामीबिया ने साउथ अफ्रीका को 4 विकेट से हराया

नई दिल्ली :असोसिएट देश नामीबिया ने फुल मेंबर साउथ अफ्रीका को पहले टी-20 में 4 विकेट से हरा दिया। वाइंडहोक में शनिवार को दोनों के बीच पहली बार कोई टी-20 मैच खेला गया। साउथ अफ्रीका ने पहले बैटिंग करते हुए 134 रन बनाए। नामीबिया ने 6 विकेट खोकर 20वें ओवर में टारगेट हासिल कर लिया। साउथ अफ्रीका की शुरूआत खराब नामीबिया क्रिकेट ग्राउंड में साउथ अफ्रीका ने टॉस जीतकर बैटिंग चुनी। टीम ने 25 रन पर ही 2 विकेट गंवा दिए। विकेटकीपर क्विंटन डी कॉक 1 और रीजा हेंड्रिक्स 7 ही रन बनाकर आउट हो गए। लुहान ड्रे-प्रिटोरियस ने फिर रुबिन हरमन के साथ मिलकर टीम को 50 रन के पार पहुंचाया।जेसन स्मिथ ने 31 रन बनाए प्रिटोरियस 22 और हरमन 23 रन बनाकर आउट हुए। जेसन स्मिथ ने 31 रन बनाकर टीम को फाइटिंग स्कोर तक पहुंचाया। उनके सामने कप्तान डोनोवन फरेरा 4, एंडिले सिमिलाने 11 और जेराल्ड कूट्जी 4 रन बनाकर आउट हुए। योर्न फॉर्च्यून 19 रन बनाकर नॉटआउट रहे। टीम ने 8 विकेट खोकर 134 रन बनाए। नामीबिया के लिए रुबिन ट्रम्पलमैन ने 28 रन देकर 3 विकेट लिए। मैक्स हिंगो को 2 विकेट मिले। जेजे स्मिट, बेन शिकोंगो और जेरार्ड इरासमस ने 1-1 विकेट लिया। बर्नार्ड शोल्ज ने 4 ओवर में 16 रन दिए, लेकिन वे कोई विकेट नहीं ले सके।नामीबिया ने भी जल्दी विकेट गंवाए 135 रन के टारगेट का पीछा करने उतरी नामीबिया ने लगातार विकेट गंवाए। लौरेन स्टीनकैम्प 13, जैन फ्रायलिंक 7, जेजे स्मिट 13 और जैन निकोल लोफ्टी-ईटन 7 रन बनाकर आउट हो गए। कप्तान जेरार्ड इरासमस ने 21 रन बनाकर टीम को 50 के पार पहुंचाया। मलान क्रूगर ने 18 रन बनाकर टीम को 100 के पार पहुंचाया। आखिरी ओवर में 11 रन चाहिए थे 101 रन पर टीम ने 6 विकेट गंवा दिए।

पराजय

ऑस्ट्रेलिया ने 3 विकेट से हराया

विमेंस वर्ल्ड कप में भारत की लगातार दूसरी हार

ऑस्ट्रेलिया कप्तान एलिसा हीली ने 142 रन की मैच विनिंग पारी खेली

राष्ट्रीय खबर

नई दिल्ली:विमेंस वनडे वर्ल्ड कप में मेजबान भारत को लगातार दूसरी हार मिली है। साउथ अफ्रीका के बाद इंडिया विमेंस को डिफेंडिंग चैंपियन ऑस्ट्रेलिया ने 3 विकेट से हरा दिया। विशाखापट्टनम में रविवार को भारत ने 330 रन बनाए। ऑस्ट्रेलिया ने 49 ओवर में 7 विकेट खोकर टारगेट हासिल कर लिया। ऑस्ट्रेलिया के लिए कप्तान एलिसा हीली ने 142 रन की मैच विनिंग पारी खेली। उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच का अवॉर्ड मिला। एलिस पेरी ने आखिर में 47 रन बनाकर टीम को जीत दिला दी। गेंदबाजी में एनाबेल सदरलैंड ने महज 40 रन देकर 5 विकेट लिए। भारत से स्मृति मंधाना ने 80 और प्रतिका रावल ने 75 रन बनाए। श्री चरणी को 3 विकेट मिले। दीप्ति शर्मा और अमनजोत कौर ने 2-2 विकेट लिए। ऑस्ट्रेलिया ने विमेंस वनडे इतिहास का सबसे बड़ा टारगेट चेज किया। टीम ने श्रीलंका का रिकॉर्ड तोड़ा, जिन्होंने 2024 में साउथ अफ्रीका के खिलाफ 305 रन बनाए थे। यह भारत के खिलाफ किसी भी टीम का सबसे बड़ा रन चेज रहा।आखिरी 2 ओवर में ऑस्ट्रेलिया को 13 रन चाहिए थे। स्नेह राणा 49वां ओवर फेंकने आईं। उन्होंने शुरूआती 5 गेंदों पर 7 रन दे दिए। आखिरी गेंद पर एलिस पेरी ने आगे निकलकर छक्का लगाया और टीम को 3 विकेट से करीबी जीत दिला दी। पेरी ने 52 गेंद पर 47 रन की पारी खेली। एलिस पेरी 16 रन बनाने के बाद रिटायर्ड हर्ट हो गई थीं। वे 6 विकेट गिरने के बाद फिर बैटिंग करने उतरीं। लोअर ऑर्डर बैटर्स के साथ पारी संभाली और टीम को 6 गेंद बाकी रहते हुए जीत दिला दी।46वें ओवर में भारत ने 7वां विकेट लिया। ओवर की पहली बॉल अमनजोत कौर ने गुड लेंथ पर स्टंप्स की ओर फेंकी। गेंद सोफी मोलेनिक्स के पैड्स पर लगी, भारत ने छ्इह की अपील की और अंपायर ने आउट का फैसला दे दिया। वे 18 रन बनाकर आउट हुईं। अमनजोत ने एश्ले गार्डनर को भी बोल्ड किया था।45वें ओवर में ऑस्ट्रेलिया ने छठा विकेट गंवा दिया। ओवर की आखिरी गेंद अमनजोत कौर ने गुड लेंथ पर इन-स्विंगर फेंकी। एश्ले गार्डनर डिफेंड करने गईं, लेकिन बोल्ड हो गईं। उन्होंने 45 रन बनाए। गार्डनर के विकेट के बाद रिटायर्ड हर्ट हुईं एलिस पेरी बैटिंग करने आईं। रिटायर होने से पहले उन्होंने 16 रन बना लिए थे।41वें ओवर में भारत को पांचवां विकेट मिला। ओवर की चौथी गेंद दीप्ति शर्मा ने गुड लेंथ पर ऑफ स्पिन फेंकी। गेंद ताहलिया मैक्ग्रा के पैड्स पर लगी। भारत ने छ्इह की अपील की, लेकिन अंपायर ने नॉटआउट का फैसला दे दिया। भारत ने रिव्यू लिया, रिप्ले में नजर आया कि गेंद स्टंप्स को हिट कर रही है। अंपायर ने अपना फैसला बदला और मैक्ग्रा को पवेलियन लौटना पड़ा। उन्होंने 12 रन बनाए।

खेल जगत अपडेट्स

पूर्व क्रिकेटर की मौत पर खिलाड़ियों में शोक की लहर

नई दिल्ली :छह फिट लंबा कद, हाई आर्म बालिंग। जब वह बालिंग करते तो बैट्समैन को पता नहीं चलता गेंद कहां से निकली। युवा अवस्था में अहमर खान ने कई दिग्गजों को चकमा देकर विकेट झटके। दुर्भाग्य रहा कि वह रणजी नहीं खेल सके। उनकी मौत पर सभी क्रिकेट दुखी हैं। क्रिकेट प्रेमियों में शोक की लहर दौड़ गई। कई लोग उन्हें श्रद्धांजलि देने पहुंचे। पूर्व क्रिकेटरों ने कहा कि इस उम्र के पचास पड़ाव पार करने के बाद उन्होंने अपनी अंतिम पारी भी क्रिकेट के साथ खेली। आखिरी सांस तक वह गेंदबाजी कर दुनिया से विदा हुए। एकता विहार कालोनी स्थित अहमर के आवास पर उनकी गेंदबाजी की चर्चा होती रही।खेल प्रेमियों ने कहा कि वह एक अच्छे खिलाड़ी और उतने ही अच्छे इंसान भी थे। बिलारी में संभल के विरुद्ध मैच खेलते खेलते वह अलविदा कह जाएंगे किसी ने सोचा भी नहीं था। उन्होंने आखिरी गेंद भी मुरादाबाद की टीम की जीत के लिए फेंकी।

भारत और वेस्टइंडीज टेस्ट मैच के दूसरे टेस्ट का चौथा दिन

क्लीन स्वीप करने से 58 रन दूर भारत

राष्ट्रीय खबर

हैदराबाद: भारत और वेस्टइंडीज के बीच दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में दूसरे टेस्ट मैच के चौथे दिन का खेल समाप्त हो गया है। भारत ने अपनी दूसरी पारी में 1 विकेट पर 63 रन बना लिए हैं और उस ये मैच जीतने के लिए अभी भी 58 रनों की जरूरत है। केएल राहुल 25 और साई सुदर्शन 30 रन बनाकर खेल रहे हैं। जबकि जायसवाल 8 रन बनाकर पवेलियन लौट गए। इससे पहले मैच के चौथे दिन टी ब्रेक के बाद वेस्टइंडीज की दूसरी परी 390 रनों पर ऑलआउट हो गई। जिसके साथ भारत को दूसरा मैच जीतने और मेहमान को 2-0 से क्लीन स्वीप करने करने के लिए 121 रनों का लक्ष्य मिला। बात दें की पहली पारी में 270 रनों से पिछड़ने की वजह से भारत ने वेस्टइंडीज को फॉलोऑन दिया था। पहली पारी में 248 पर सिमटने वाली मेहमान टीम ने दूसरी पारी में शानदार कमबैक किया। कैंपबेल, होप के शतक और ग्रविस की अर्धशतकी इनिंग ने टीम को पारी की हार से न सिर्फ बचाया बल्कि भारत पर 120 रनों की बढ़त लेने में अहम भूमिका भी निभाई।वेस्टइंडीज की का 9वां विकेट 311 रनों पर गिरा था लेकिन 10वें विकेट के लिए ग्रेविस और सेल्स ने 79 रनों की साझेदारी करके टीम को भारत पर 121 रनों की बढ़त दिला दी। ग्रेविस 50 रन बनाकर नाबाद रहे जबकि सेल्स 32 रन बनाकर आउट हुए। भारत की तरफ से बुमराह और कुलदीप को 3-3 विकेट मिला जबकि सिराज ने दो विकेट लिए। जडेजा और सुंदर को एक-एक विकेट मिला।लंच के बाद शाई होप 92 और कप्तान रोस्टन चेस 23 रनों से आगे खेलना शुरू किया। होप 103 और चेस 40 रन बनाकर पवेलियन लौटे। जिसके बाद वेस्टइंडीज की पारी लड़खड़ा गई और 293 पर 5वां विकेट गिरने के बाद 311 पर उनके 9 खिलाड़ी आउट हो गए। लेकिन 10वें विकेट को भारत जल्दी नहीं आउट कर सका, जिसकी वजह से दोनों के बीच अब तक 50 रनों की साझेदारी हो गई है और टीम का स्कोर 361 रन हो गया। जिसके साथ टीम की बढ़त को 91 तक हो गई है। ग्रेविस 35 और जिडान सेल्स 18 रन बनाकर खेल रहे हैं।

14 साल के वैभव सूर्यवंशी बिहार रणजी टीम के उपकप्तान

राष्ट्रीय खबर

नई दिल्ली:वैभव सूर्यवंशी को 15 अक्टूबर से शुरू होने वाले रणजी ट्रॉफी 2025-26 सीजन के लिए बिहार टीम का उपकप्तान बनाया गया है। टीम की कप्तानी बल्लेबाज सकीबुल गनी करेंगे। अगले साल की शुरूआत में अंडर-19 वर्ल्ड कप होना है। ऐसे में वैभव का पूरे सीजन खेलना मुश्किल है। बिहार क्रिकेट एसोसिएशन ने रणजी ट्रॉफी 2025-26 के पहले दो राउंड के लिए टीम जारी की है। बिहार 15 अक्टूबर को अपने पहले मैच में अरुणाचल प्रदेश से भिड़ेगा। इसके बाद 25 अक्टूबर को उसका सामना मणिपुर से होगा। इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया में जड़े शतक 14 साल के वैभव ने भारत की अंडर-19 टीम के लिए खेलते हुए इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया में शतक जड़े हैं। वैभव ने हाल ही में ऑस्ट्रेलिया दौरे पर इंडिया अंडर-19 टीम के लिए खेलते हुए ब्रिस्बेन में पहले यूथ टेस्ट में 78 गेंदों पर शतक लगाया। ऑस्ट्रेलिया में हुई मल्टी-डे सीरीज में वह दूसरे सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज रहे। उन्होंने तीन पारियों में कुल 133 रन बनाए। भारत ने यह सीरीज 2-0 से जीती।उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ यूथ वनडे में तीन मैचों में 124 रन बनाए। इसमें एक 68 गेंदों में 70 रन की पारी भी शामिल थी। इससे पहले, इंग्लैंड के खिलाफ 5 यूथ वनडे मैचों में उन्होंने 174.02 के स्ट्राइक रेट से 355 रन बनाए थे।लेफ्ट हैंड बैटर वैभव इंडियन प्रीमियर लीग के इतिहास में शतक लगाने वाले सबसे कम उम्र के खिलाड़ी हैं। 14 साल की उम्र में सूर्यवंशी ने 2025 में गुजरात टाइटंस के खिलाफ 35 गेंदों में शतक जड़ा था। सकीबुल गनी (कप्तान), वैभव सूर्यवंशी (उपकप्तान), पीयूष कुमार सिंह, भास्कर दुबे, अर्नव किशोर, आयुष लोहारूका, बिपिन सौरभ, अमोद यादव, नवाज खान, साकिब हुसैन, राघवेंद्र प्रताप सिंह, सचिन कुमार सिंह, हिमांशु सिंह, खालिद आलम और सचिन कुमार।

लाहौर टेस्ट: साउथ अफ्रीका 162 रन से पीछे

राष्ट्रीय खबर

नई दिल्ली:लाहौर टेस्ट के दूसरे दिन साउथ अफ्रीका ने पहली पारी में 6 विकेट खोकर 216 रन बना लिए हैं। टीम अभी भी 162 रन से पीछे है। टोनी डी जॉर्जी 81 और सेनुरन मुथुस्वामी 6 रन बनाकर नाबाद लौटे हैं। गद्दाफी स्टेडियम में प्रोटियाज टीम से 2 बैटर्स ने अर्धशतक लगाए। टोनी डी जॉर्जी के अलावा ओपनर रायन रिकेल्टन ने 71 रन की पारी खेली। पाकिस्तान से नोमान अली ने सबसे ज्यादा 4 विकेट चटकाए।

सोमवार को पाकिस्तान ने पहले दिन के स्कोर 313/5 से आगे खेलना शुरू किया और 65 रन बनाने में 5 विकेट गंवा दिए। टीम 378 रन पर ऑलआउट हो गई। पाकिस्तान से इमाम-उल-हक और सलमान आगा ने सबसे ज्यादा 93-93 रन बनाए। साउथ अफ्रीका की तरफ से सेनुरन मुथुस्वामी ने 6 विकेट लिए।

रिकेल्टन के 71 रन साउथ अफ्रीका की शुरूआत खराब रही। टीम ने 45 रन पर कप्तान ऐडन मार्करम का विकेट खो दिया। मार्करम ने 37 बॉल पर 20 रन बनाए। उन्हें नोमान अली ने विकेटकीपर मोहम्मद रिजवान के हाथों कैच कराया। इसके बाद रायन रिकेल्टन ने पारी को आगे बढ़ाया। उन्होंने 137 बॉल पर 71 रन बनाए। रिकेल्टन को सलमान आगा ने आउट किया। ट्रिस्टन स्टब्स 8 और डेवाल्ड ब्रेविस शून्य के स्कोर पर आउट हुए।डी जॉर्जी की फिफ्टी मिडिल ऑर्डर बैटर टोनी डी जॉर्जी ने शानदार बल्लेबाजी की। उन्होंने 140 बॉल पर नाबाद 81 रन बनाए। 9 चौके और एक सिक्स भी लगाया। विकेटकीपर काइल वेरेन कुछ खास नहीं कर सके। उन्हें नोमान अली ने आउट किया। पाकिस्तान से सबसे ज्यादा 4 विकेट लेफ्ट आर्म स्पिनर नोमान अली को मिले। उनके अलावा साजिद खान और सलमान आगा ने एक-एक विकेट निकाले। रिजवान 75 रन बनाकर आउट हुए टीम ने आज 313/5 के स्कोर से आगे खेलना शुरू किया। मोहम्मद रिजवान (62) और सलमान आगा (52) ने अपनी पारी को आगे बढ़ाया। दिन का पहला विकेट रिजवान का गिरा। रिजवान 75 रन बनाकर आउट हुए। पाकिस्तान का पहली पारी में यह छठा विकेट था। इसके बाद नोमान अली और साजिद खान खाता भी नहीं खोल सके। शाहीन शाह अफरीदी 7 रन बनाकर लौटे। पारी का आखिरी विकेट सलमान आगा का गिरा। आगा 93 रन बनाकर पवेलियन लौटे।

बेस्ट एक्टर अवॉर्ड जीतकर अभिषेक बच्चन को आई ऐश्वर्या राय की याद

राष्ट्रीय खबर

नई दिल्ली:अभिषेक बच्चन को फिल्मों में काम करते हुए 25 साल हो गए हैं। 25 सालों के बाद अब अभिषेक को बेस्ट एक्टर के लिए पहला फिल्मफेयर अवॉर्ड मिला है। अभिषेक इस अवॉर्ड को पाकर काफी खुश हैं। इस अवॉर्ड को जीतने के बाद अभिषेक ने एक इमोशनल स्पीच दी है। इतना ही नहीं स्पीच देते हुए उनकी आंखों में आंसू भी थे।अभिषेक ने कहा, ह्यइस साल मुझे फिल्म इंडस्ट्री में 25 साल हो गए हैं और मैं नहीं जानता कि कितनी बार मैंने इस अवॉर्ड के लिए स्पीच तैयार की है। यह मेरे लिए सपना था और मैं काफी टच हूं। वहीं परिवार के सामने इसे पाकर ये और स्पेशल हो गया है। मैं कई लोगों को थैंक्स कहना चाहूंगा इसलिए कार्तिक आर्यन ठहर जाओ तुम अभी। तुम संभल जाओ तब तक। कार्तिक काफी इमोशनल हैं और उन्होंने मुझे बोलने का मौका दिया सोचा मैं इमोशनल नहीं होने वाला।अभिषेक ने आगे कहा, ह्यजिन भी डायरेक्टर्स और प्रोड्यूसर्स ने मेरे साथ काम किया, मुझमें विश्वास रखा और मुझे मौके दिए 25 साल तक, ये आसान नहीं था।अभिषेक फिर ऐश्वर्या और आराध्या को लेकर बोलते हैं, ऐश्वर्या और आराध्या थैंक्यू मुझे मेरे सपना पूरा करने का मौका दिया। आशा है कि इस अवॉर्ड को मुझे जीत कर देखते हुए उन्हें अपने सैक्रफाइज भी दिखे होंगे। मैं अपना ये अवॉर्ड 2 स्पेशल लोगों को देना चाहूंगा। ये फिल्म पिता और बेटी पर आधारित है और मैं इस अवॉर्ड को अपने हीरो, अपने पिता और अपने दूसरे हीरो अपनी बेटी को डेडिकेट करना चाहूंगा। थैंक्यू सो मच। मैं समझा नहीं सकता कि ये मेरे लिए कितना महत्वपूर्ण है।बता दें कि अभिषेक को बेस्ट एक्टर का अवॉर्ड फिल्म आई वॉन्ट टू टॉक के लिए मिला जिसे शूजित सरदार ने डायरेक्ट किया है।

सलमान खान ने अपनी फिल्म सिकंदर के डायरेक्टर पर कसा तंज

राष्ट्रीय खबर

नई दिल्ली:सलमान खान की पिछली रिलीज फिल्म सिकंदर को ऑडियंस ने पसंद नहीं किया था। फिल्म को आमिर खान की गजनी बनाने वाले ए आर मुरुगदास ने डायरेक्ट की थी। बाद में एक इंटरव्यू में डायरेक्टर मुरुगदास ने सलमान पर फिल्म सेट पर देरी से आने जैसे कई आरोप लगाए और यही कारण बताया कि सिकंदर वैसी नहीं बन सकी जैसी वो ऑडियंस के लिए बनाना चाहते थे। अब सलमान खान ने अपने ही अंदाज में डायरेक्टर के इन आरोपों पर चुप्पी तोड़ते हुए उन्हें तगड़ा जवाब दिया है।बिग बॉस 19 के रविवार वीकेंड वार एपिसोड में स्टैंडअप कॉमेडियन रवि गुप्ता पहुंचे थे। उन्होंने सलमान से उनकी नापसंद फिल्मों के बारे में सवाल किया। एक्टर ने कहा उन्होंने ऐसी कई फिल्में की हैं। उन्होंने नापसंद फिल्मों में निश्चय और सूर्यवंशी जैसी फिल्मों के नाम लिए। सलमान ने आगे बताया कि उनकी हाल में रिलीज हुई फिल्म सिकंदर उन्हें पसंद है। फिल्म की कहानी और प्लाट अच्छा था।सलमान ने तंज कसते हुए कहा कि वो फिल्म तो सुपरहिट हुई है। यहां सलमान खान का इशारा मुरुगदास के डायरेक्शन में बनी तमिल फिल्म मद्रासी पर था। ये फिल्म बुरी तरह से फ्लॉप साबित हुई है।बता दें, सलमान खान की फिल्म सिकंदर को ऑडियंस ने पसंद नहीं किया था।

सोल्जर के 25 साल बाद प्रीति-बॉबी देओल का रीयूनियन

राष्ट्रीय खबर

नई दिल्ली:मनीष मल्होत्रा की दिवाली पार्टी में शनिवार को कई बॉलीवुड सितारे शामिल हुए। इस दौरान एक्टर बॉबी देओल और एक्ट्रेस प्रीति जिंटा भी नजर आए। जैसे ही दोनों ने एक-दूसरे को देखा तो गले मिले। इनका यह वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है और यूजर्स भी इस पर कमेंट कर रहे हैं। प्रीति जिंटा और बॉबी देओल आमने-सामने आते हैं तो दोनों खुशी-खुशी एक-दूसरे को गले लगाते हैं। इस दौरान बॉबी देओल की पत्नी तान्या देओल पीछे खड़ी होकर दोनों को देख रही होती हैं, तभी प्रीति जिंटा उनसे भी मिलती हैं और उनका हाथ पकड़कर पैपराजी के सामने पोज देने के लिए कहती हैं। इसके बाद तीनों मिलकर कैमरे के सामने मुस्कुराते हुए पोज देते हैं।प्रीति के इस मिलनसार व्यवहार की सोशल मीडिया पर खूब तारीफ हो रही है। एक यूजर ने लिखा, मुझे नहीं लगता कि कोई प्रीति से नफरत कर सकता है, वह बहुत प्यारी हैं। वहीं कई लोगों ने तो फिल्म सोल्जर 2 की डिमांड भी कर डाली।

प्रदेश >> अपडेट

जिनपिंग को लेकर ट्रंप का फिर बदल गया सुर

अमेरिका :और चीन के रिश्तों में लगातार बदलाव हो रहा है। कल तक जिनपिंग को लेकर गुस्से में नजर आ रहे ट्रंप का सुर अचानक बदल गया है। ट्रंप ने अपने ट्रुथ सोशल पर पोस्ट लिखी है। इसमें उन्होंने चीन के राष्ट्रपति को बेहद सम्माननीय बताया है। साथ ही ट्रंप ने लिखा है कि अमेरिकी चीन के साथ सहयोग का भाव लेकर चलना चाहता है। हमें आपस में कोई संघर्ष नहीं चाहिए।

शॉर्ट न्यूज अपडेट्स >>

पेरू की दीना बोलुआर्टे आरोपों के चलते पद से हटाई गई

लीमा : पेरू की राजनीतिक अस्थिरता का लंबा सिलसिला जारी है, जहाँ एक बार फिर राष्ट्रपति को पद से हटा दिया गया है। देश की राष्ट्रपति दीना बोलुआर्टे को गुरुवार देर रात कांग्रेस में हुए एक नाटकीय मतदान के बाद पदमुक्त कर दिया गया। यह कदम महीनों की गहन जाँच और भ्रष्टाचार, रिश्वतखोरी तथा मानवाधिकार उल्लंघन के गंभीर आरोपों के बाद उठाया गया है। बोलुआर्टे पर लगे आरोपों में घूसखोरी के मामले प्रमुख हैं, जिनमें उन्हें कथित तौर पर रोलेक्स घड़ियाँ और अन्य महँगे आभूषणों को बतौर रिश्वत स्वीकार करने का दोषी बताया गया है। इसके अलावा, उन पर सबसे संगीन आरोप 2022 में उनके पूर्ववर्ती पेड्रो कैस्टिलो को हटाए जाने के बाद हुए राष्ट्रव्यापी प्रदर्शनों के दौरान सुरक्षा बलों द्वारा की गई घातक कार्रवाई में शामिल होने का है, जिसमें 60 से अधिक लोगों की मौत हुई थी। हालांकि, बोलुआर्टे ने अपने ऊपर लगे सभी आरोपों से लगातार इनकार किया है और गुरुवार को हुए महत्वपूर्ण मतदान में भाग लेने से भी मना कर दिया। कांग्रेस ने बहुमत से उनके निष्कासन को मंजूरी दी, जिसके लिए उन्होंने देश में संगठित अपराध के बढ़ते प्रकोप का प्रभावी ढंग से सामना करने के लिए राष्ट्रपति की स्थायी नैतिक अक्षमता को आधार बनाया।

संक्षिप्त >> अपडेट्स

पार्टी की स्थापना के अस्सी साल पूरा होने पर शक्ति प्रदर्शन

सियोल, दक्षिण कोरिया : उत्तर कोरिया ने अपने सत्तारूढ़ वर्कर्स पार्टी ऑफ कोरिया की स्थापना की 80वीं वर्षगांठ के अवसर पर प्योंगयांग में एक भव्य सैन्य परेड का आयोजन किया। शुक्रवार देर रात किम इल सुंग स्क्वायर में आयोजित इस परेड में, उत्तर कोरियाई सेना ने अपनी नवीनतम और सबसे उन्नत हथियार प्रणालियों का प्रदर्शन करके वैश्विक समुदाय को एक स्पष्ट संदेश दिया।

इस परेड की मुख्य विशेषताएँ थीं एक नया हाइपरसोनिक ग्लाइड वाहन और अंतरमहाद्वीपीय बैलिस्टिक मिसाइलें। प्रदर्शित किए गए प्रमुख हथियारों में ह्वासोंग-11एमए हाइपरसोनिक हथियार और ह्वासोंग-20 आईसीबीएम शामिल थे। उत्तर कोरियाई राज्य मीडिया ने इन प्रणालियों को उत्साहपूर्वक देश की सबसे शक्तिशाली परमाणु रणनीतिक हथियार प्रणाली के रूप में वर्णित किया, जो देश की सैन्य क्षमताओं में उल्लेखनीय वृद्धि का संकेत देता है।

तमिलनाडु में जानलेवा कफ सिरप को लेकर राजनीतिक बवाल

चेन्नई : तमिलनाडु में एक विवादास्पद राजनीतिक विवाद खड़ा हो गया है, जिसका केंद्र नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (सीएजी) की एक रिपोर्ट है। यह रिपोर्ट उस घातक कफ सिरप त्रासदी से जुड़ी है, जिसके कारण मध्य प्रदेश में 22 बच्चों की मौत हुई थी, और जिसका निर्माण एक तमिलनाडु स्थित दवा कंपनी ने किया था। सीएजी की रिपोर्ट संख्या 5 (2024) ने दवा सुरक्षा प्रणाली में गंभीर नियामकीय विफलता को उजागर किया है, जिसमें अकेले तमिलनाडु की संबंधित कंपनी में 364 उल्लंघन दर्ज किए गए हैं।

विपक्ष ने सीएजी के निष्कर्षों को एमके स्टालिन के नेतृत्व वाली डीएमके सरकार के तहत दवा निगरानी की पूर्ण विफलता के रूप में लिया है।

विरोध — अब तो आंदोलन और विरोध प्रदर्शन में सैनिक भी शामिल हुए

मेडागास्कर में राष्ट्रपति ने तख्तापलट के प्रयास की चेतावनी दी

- अफ्रीकी द्वीप राष्ट्र मेडागास्कर में राजनीतिक संकट गहराता जा रहा है
- पानी और बिजली की बुनियादी समस्याओं को लेकर शुरू हुए थे

राष्ट्रीय खबर

अंटानानारिवो, मेडागास्कर: अफ्रीकी द्वीप राष्ट्र मेडागास्कर में राजनीतिक संकट गहराता जा रहा है। रविवार को, राष्ट्रपति एंडी राजोएलिना के कार्यालय ने एक आधिकारिक बयान जारी कर देश में सत्ता पर अवैध और जबरन कब्जा करने के प्रयास की कड़ी निंदा की। यह गंभीर चेतावनी तब आई जब पिछले महीने शुरू हुए नागरिक विरोध आंदोलन में सशस्त्र सेना के कुछ सैनिकों ने खुले तौर पर शामिल होने का निर्णय लिया। यह संकट तब और अधिक गंभीर हो गया जब सीएपीएसएटी, जो एक विशिष्ट सैन्य इकाई है जिसने 2009 के तख्तापलट में राजोएलिना को सत्ता पर कब्जा करने में सहायता की थी, के सैनिकों ने अपने साथी सैनिकों से आदेशों की अवहेलना करने का आह्वान किया। उन्होंने सेना के बाकी जवानों से भी युवा-नेतृत्व वाले और बढ़ते राष्ट्रव्यापी विरोध प्रदर्शनों का समर्थन करने का आग्रह किया। दरअसल, ये विरोध प्रदर्शन 25 सितंबर को पानी और बिजली की गंभीर कमी जैसी बुनियादी समस्याओं को लेकर शुरू हुए थे, लेकिन जल्द ही यह राजोएलिना के शासन के लिए एक सबसे गंभीर चुनौती में बदल गए। 2023 में राजोएलिना के दोबारा चुने जाने के बाद यह उनके लिए सबसे बड़ी अंदरूनी चुनौती है। अब प्रदर्शनकारियों की मांगें केवल बुनियादी सुविधाओं तक सीमित नहीं हैं; वे राष्ट्रपति से तत्काल पद छोड़ने, विरोध प्रदर्शनों के दौरान हुई हिंसा के लिए सार्वजनिक रूप से माफी मांगने, और देश की सीनेट तथा चुनाव आयोग को भंग करने की मांग कर रहे हैं। स्थिति की गंभीरता का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि रविवार को, सीएपीएसएटी सैनिकों का प्रतिनिधित्व करने वाले एक समूह ने घोषणा की कि वे अपनी बैरक से देश के सभी सुरक्षा अभियानों का समन्वय करेंगे, जबकि जेंडरमेरी (पुलिस बल), जो पिछले कुछ हफ्तों से विरोधों को दबाने में लगी हुई थी, ने दावा किया कि उसके आदेश विशेष रूप से राष्ट्रीय जेंडरमेरी कमांड सेंटर से ही आएंगे।

हालाँकि, राष्ट्रपति राजोएलिना के कार्यालय ने देश को अस्थिर करने के इन प्रयासों की कड़ी शब्दों में निंदा की है और संकट को हल करने के लिए तत्काल संवाद और बातचीत का आग्रह किया है। इस बीच, अफ्रीकी संघ आयोग के प्रमुख महमूद अली यूसुफ ने भी स्थिति पर चिंता व्यक्त की है। उन्होंने संवाद के प्रति सरकार की नवीनीकृत प्रतिबद्धता का स्वागत किया और सभी पक्षों से शांति बनाए रखने और संयम बरतने का आह्वान किया है, ताकि मेडागास्कर को एक बड़े संघर्ष की ओर बढ़ने से रोका जा सके।

भारतीय महिला अधिकारी को पहली बार आईयूसीएन का सम्मान

काजीरंगा निदेशक सोनाली घोष को केंटन आर. मिलर पुरस्कार

उत्तर पूर्व संवाददाता

गुवाहाटी: काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान और टाइगर रिजर्व की निदेशक, सोनाली घोष, राष्ट्रीय उद्यानों और संरक्षित क्षेत्र स्थिरता में नवाचार के लिए अंतर्राष्ट्रीय पुरस्कार प्राप्त करने वाली पहली भारतीय बन गई हैं। उन्हें यह सम्मान अंतर्राष्ट्रीय प्रकृति संरक्षण संघ (आईयूसीएन) के छह तकनीकी आयोगों में से एक, संरक्षित क्षेत्र विश्व आयोग द्वारा स्थापित केंटन आर. मिलर पुरस्कार के रूप में दिया गया। उन्हें यह पुरस्कार 10 अक्टूबर को अबू धाबी में आयोजित एक समारोह में इक्वाडोर के रोके सिमोन सेविलेर लारिया के साथ प्रदान किया गया। केंटन आर. मिलर पुरस्कार 2006 में स्थापित किया गया था और आईयूसीएन-डब्ल्यूसीपीए द्वारा हर दो साल में दिया जाता है। इसका नाम आईयूसीएन के एक पूर्व महानिदेशक के नाम पर रखा गया है। यह पुरस्कार ऐसे व्यक्तियों या टीमों को दिया जाता है जिनके नवाचारों ने योजना, प्रबंधन, वित्त, शासन, निगरानी, क्षमता निर्माण और संचार के क्षेत्रों में महत्वपूर्ण प्रभाव डाला हो और उन्हें अपने साथियों के बीच मान्यता मिली हो, बशर्ते उन्होंने पहले कोई अंतर्राष्ट्रीय पुरस्कार प्राप्त न किया हो। इस पुरस्कार के माध्यम से उन चुनौतियों का समाधान करने वाले प्रयासों को सराहा जाता है जिनमें अवैध शिकार का दबाव, जलवायु परिवर्तन, आक्रामक प्रजातियाँ और सीमित वित्त शामिल हैं। आईयूसीएन के एक बयान के अनुसार, डॉ. घोष को एक ₹संरक्षण मॉडल₹ का नेतृत्व करने के लिए सम्मानित किया गया है।

अपने बदले सी सदानंदन को मंत्री बनाने की सिफारिश की

सुरेश गोपी ने मंत्री पद से हटने की इच्छा जतायी

राष्ट्रीय खबर

तिरुअनंतपुरम: केंद्रीय पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस राज्य मंत्री तथा पर्यटन राज्य मंत्री सुरेश गोपी ने एक चौंकाने वाले बयान में रविवार को अपने मंत्री पद से हटने की इच्छा व्यक्त की है। उन्होंने भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता और नव-निर्वाचित राज्यसभा सदस्य सी. सदानंदन को केंद्रीय मंत्रिमंडल में अपनी जगह लेने की पुरजोर सिफारिश की। गोपी ने कन्नूर में एक पार्टी समारोह के दौरान यह बात कही, जहाँ श्री सदानंदन भी मौजूद थे। मलयालम फिल्म जगत के जाने-माने अभिनेता से राजनेता बने सुरेश गोपी ने अपने बयान में पूरी ईमानदारी और स्पष्टता बरती। उन्होंने कहा, मैं यहाँ पूरी ईमानदारी से कह रहा हूँ कि मुझे हटाकर श्री सदानंदन को (केंद्रीय) मंत्री बनाया जाना चाहिए। मेरा मानना है कि यह केरल के राजनीतिक इतिहास में एक नया अध्याय बनेगा। उन्होंने आगे कहा कि वह प्रार्थना करते हैं कि श्री सदानंदन का कन्नूर स्थित सांसद कार्यालय जल्द ही मंत्री कार्यालय में अपग्रेड हो जाए। गोपी ने इस बात पर जोर दिया कि वरिष्ठ नेता सदानंदन का राज्यसभा में मनोनयन उत्तरी कन्नूर जिले की राजनीति में एक महत्वपूर्ण मोड़ है।

नेपाल में जेन जेड आंदोलन के दौरान जेल ब्रेक की घटनाएं

अब भी फरार है 540 भारतीय कैदी

राष्ट्रीय खबर

काठमांडू: नेपाल की विभिन्न जेलों में सजा काट रहे लगभग 540 भारतीय नागरिक जेन जेड(जेन जेड) विरोध प्रदर्शनों के बाद से फरार हैं। नेपाल के जेल प्रबंधन विभाग ने रविवार को यह जानकारी दी। दरअसल, 9 सितंबर को सरकार विरोधी जेन जेडप्रदर्शनों के दूसरे दिन नेपाल की विभिन्न जेलों से 13,000 से अधिक कैदी भाग निकले थे, जिससे देश की कानून-व्यवस्था के लिए एक बड़ी चुनौती पैदा हो गई थी। जेल प्रबंधन विभाग द्वारा जारी किए गए आंकड़ों के अनुसार, फरार होने वाले कैदियों में भारतीय नागरिकों की संख्या भी काफी अधिक है। आंकड़ों से पता चला है कि आपराधिक मामलों में दोषी करार दिए गए 5,000 से अधिक नेपाली नागरिक अभी भी फरार हैं, जिनके बाद 540 भारतीय नागरिक और अन्य देशों के 108 कैदी भी लापता हैं। यह स्थिति नेपाल सरकार के लिए चिंता का विषय बनी हुई है, खासकर भारत के साथ खुली सीमा को देखते हुए। फरार कैदियों की तलाश के लिए सरकार ने पूरे देश में हाई अलर्ट जारी कर दिया है। इसके साथ ही, गृह मंत्रालय ने भी फरार कैदियों को एक नोटिस जारी कर अपने-अपने जेलों में रिपोर्ट करने का निर्देश दिया है। इससे पहले, 28 सितंबर को अधिकारियों ने बताया था कि जेन जेडविरोध प्रदर्शनों के दौरान नेपाल की विभिन्न जेलों से भागे 7,735 कैदी या तो स्वेच्छा से लौट आए।

हमास विरोधी मिलिशिया के नेता अस्टल का एलान

हमास के बाद टोनी ब्लेयर का समर्थन करेंगे

राष्ट्रीय खबर

तेल अवीव: हमास विरोधी मिलिशिया के नेता हौसम अल-अस्टल ने घोषणा की है कि वह गाजा पट्टी में सुरक्षा बल की स्थापना के लिए ब्रिटेन के पूर्व प्रधानमंत्री टोनी ब्लेयर के साथ सहयोग करने को तैयार हैं। 'द टेलीग्राफ' को दिए एक साक्षात्कार में, अस्टल ने कहा कि ब्लेयर की मदद उपयोगी हो सकती है, खासकर अगर यह किसी अंतर्राष्ट्रीय समझौते या जनादेश के साथ आए। रिपोर्ट्स के अनुसार, अस्टल खान यूनिस में लगभग एक वर्ग मील का क्षेत्र हमास के कब्जे से मुक्त कराने में सफल रहे हैं और वहाँ लगभग 200 लोगों के लिए एक सुरक्षित शहर की स्थापना की है, जो हमास से पूरी तरह मुक्त है। यह क्षेत्र 200 लोगों के लिए एक आश्रय स्थल के रूप में कार्य करता है। अस्टल ने बताया, हम मुख्य रूप से हमास से लिए गए हैंडगन और एके-47 का उपयोग कर रहे हैं। उन्होंने अपने लड़ाकों की संख्या बताने से इनकार कर दिया, क्योंकि उनके अनुसार यह इस समय बहुत संवेदनशील है - हम युद्ध में हैं। इजराइल रक्षा बल द्वारा अपुष्ट रिपोर्ट के अनुसार, अस्टल के लड़ाकों को आईडीएफ से लॉजिस्टिक सहयोग मिला है, साथ ही उन्हं हवाई हमलों से सुरक्षा और सहायता तक विशेष पहुँच भी प्राप्त हुई है। हालांकि, आईडीएफ ने इन दावों पर कोई टिप्पणी नहीं की है। हौसम अल-अस्टल 2007 तक फिलिस्तीनी प्राधिकरण में सुरक्षा अधिकारी के रूप में कार्यरत थे, जब हमास ने तख्तापलट कर इस संगठन को गाजा पट्टी से बाहर निकाल दिया था। वह फांसी के प्रयास से बच गए थे और 7 अक्टूबर के बाद गाजा में फैली अराजकता के दौरान हमास की एक जेल से भागने में भी सफल रहे थे।

अस्टल ने अपनी प्रतिबद्धता को दोहराते हुए कहा, हम हमास से लड़ना नहीं छोड़ेंगे। हमारे शहीद हुए हैं - हमास के हाथों पर हमारा खून है। अगर इजराइल हमास के साथ संधि करके युद्ध रोक भी देता है, तब भी हम नहीं रुकेंगे। उन्होंने चेतावनी दी कि वह गाजा के आसपास दर्जनों पूर्व ढअ अधिकारियों के संपर्क में हैं। उन्होंने कहा, हम सभी शून्य घंटे का इंतजार कर रहे हैं, वह क्षण जब हम सभी गाजा पट्टी को हमास से मुक्त कराने जा रहे हैं।

संघर्ष — युद्धविराम की चर्चा अब हवा में मानों उड़ चुकी है

रूस और यूक्रेन के बीच तेज होता ऊर्जा युद्ध

- रूसी हमलों ने 240,000 से अधिक घरों को बिजली से वंचित कर दिया

राष्ट्रीय खबर

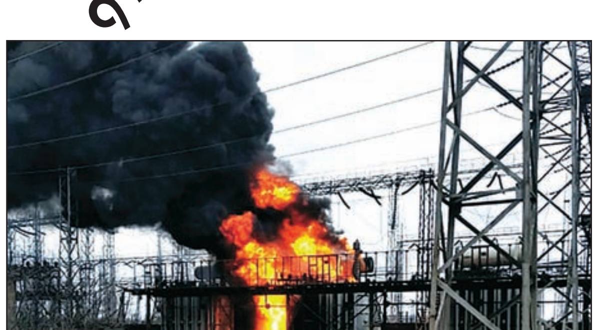

कियेब: पूर्वी यूरोप में यूक्रेन और रूस के बीच चल रहा संघर्ष अब निर्णायक रूप से ऊर्जा युद्ध के एक नए चरण में प्रवेश कर गया है, जिसके दोनों देशों की अर्थव्यवस्थाओं पर गंभीर परिणाम सामने आ रहे हैं। हाल ही में, यूक्रेन की तरफ से लंबी दूरी के ड्रोनों का उपयोग करके रूस के ऊर्जा बुनियादी ढांचे पर हमले तेज हो गए हैं। शनिवार को इसी कड़ी में, यूक्रेनी लंबी दूरी के ड्रोन हमले के बाद रूस के उरल पर्वत क्षेत्र में स्थित उफा रिफाइनरी में भीषण आग लग गई। यह हमला अकेला नहीं है; सुरक्षा सेवाओं के सूत्रों के अनुसार, यह इस महत्वपूर्ण सुविधा पर एक महीने के भीतर तीसरा सफल हमला था। यह रिफाइनरी रूस की सबसे बड़ी रिफाइनरियों में से एक है। यूक्रेनी सेना के अनुसार, पिछले सप्ताह ही रूसी तेल सुविधाओं पर कम से कम चार हमले किए गए हैं, जिसके कारण रूस के कई क्षेत्रों में गैसोलीन (पेट्रोल) की आपूर्ति में कमी आ गई है। यूक्रेनी राष्ट्रपति वलोडिमिर जेलेंस्की ने इस बात पर जोर दिया है कि रूस की गैसोलीन की कमी अब उसकी कुल राष्ट्रीय जरूरतों के लगभग 20 प्रतिशत तक पहुँच गई है। जेलेंस्की ने यह भी पुष्टि की है कि हाल के हमलों में यूक्रेन द्वारा विकसित दो होम-मेड क्रूज मिसाइलों का उपयोग किया गया है, और वे इन हथियारों के साथ सफलता के शुरूआती संकेत देख रहे हैं। हालांकि, यह ऊर्जा युद्ध दोतरफा मार है। रूस भी जवाबी कार्रवाई में यूक्रेन के ऊर्जा क्षेत्र को निशाना बना रहा है। रूसी मिसाइलों और ड्रोनों के लगातार हो रहे हमलों ने यूक्रेन के गैस उत्पादन को गंभीर रूप से क्षतिग्रस्त कर दिया है, जिसके परिणामस्वरूप देश भर में बड़े पैमाने पर बिजली कटौती हुई है। यूक्रेनी अधिकारियों ने चिंता व्यक्त की है कि इस कमी को पूरा करने के लिए उन्हें अब पड़ोसी यूरोपीय देशों से महँगी प्राकृतिक गैस का आयात करना पड़ेगा, जिससे देश पर गंभीर आर्थिक बोझ पड़ेगा। नवीनतम रूसी हमलों ने ओडेसा क्षेत्र में 240,000 से अधिक घरों को बिजली से वंचित कर दिया।

पेज एक का शेष

लुटेरी दुल्हनों के गैंग का .. .. ..

परिवार भी सदमे से उबरकर पुलिस के संपर्क में हैं। पुलिस अब मुकेश नाम की एक महिला से पूछताछ कर रही है, जो इस लूट एंड रन गिरोह की सदस्य लग रही है। सीओ साहब ने आनन-फानन में एक टीम को बिहार रवाना कर दिया है।

मजे की बात तो यह है कि इन दुल्हनों ने पति-प्रेम और भारतीय संस्कृति का ऐसा शानदार स्वांग रचा कि बेचारे पति तो क्या, पूरा खानदान घायल-ए-इश्क हो गया। लगता है, इन दुल्हनों का गिरोह लूट से पहले ट्रस्ट बिल्डिंग पर जोरदार ट्रेनिंग लेता है! अब अलीगढ़ में लोग कह रहे हैं, सावधान! करवा चौथ पर पत्नी को दिए गए महंगे तोहफे अगले दिन आपकी तिजोरी में नहीं, बल्कि बिहार की किसी ट्रेन में मिल सकते हैं!

कमेटी ने हरियाणा सरकार .. .. ..

दिया है, जिसके बाद हम आगे की कार्रवाई तय करेंगे। रोहतक के सुनारिया स्थित पुलिस प्रशिक्षण केंद्र में आईजी के पद पर आखिरी बार तैनात कुमार के निधन को छह दिन बीत चुके हैं। उनका पोस्टमार्टम और अंतिम संस्कार नहीं किया गया है, क्योंकि परिवार अपनी मांगें पूरी होने तक सहमति देने से इनकार कर रहा है।

बावन वर्षीय कुमार, जो 2001 बैच के आईपीएस अधिकारी हैं, ने 7 अक्टूबर को अपने चंडीगढ़ स्थित घर पर कथित तौर पर खुद को गोली मार ली। कथित तौर पर छोड़े गए आठ पन्नों के एक नोट में, उन्होंने डीजीपी कपूर और रोहतक के पूर्व एसपी नरेंद्र बिजारनिया सहित आठ वरिष्ठ अधिकारियों का नाम लिया और उन पर उत्पीड़न और उनकी छवि खराब करने का आरोप लगाया। नोट में जाति आधारित भेदभाव का भी जिक्र था।

कोल्ड्रिफ बनाने वाली कंपनी .. .. ..

फार्मास्यूटिकल निर्माण कंपनियों के व्यापक निरीक्षण का भी आदेश दिया है।

इससे पहले, भाजपा नेता के अन्नामलाई ने मामले को संभालने के तरीके को लेकर तमिलनाडु सरकार की आलोचना की थी। उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि विशेष जाँच दल के हस्तक्षेप के बाद ही राज्य सरकार ने केवल दो ड्रग इंस्पेक्टरों को निलंबित किया, और उन्होंने राज्य सरकार पर भ्रम पैदा करने और जिम्मेदारी से बचने का आरोप लगाया।

पूर्व आईएएस कन्न गोपीनाथन .. .. ..

उन्होंने आगे कहा, मैं उस तरह का देशद्रोही नहीं बनना चाहता था। अनुच्छेद 370 को हटाना सरकार का निर्णय हो सकता है। लेकिन अगर आप पूरे राज्य को बंद करने, सभी पत्रकारों, सांसदों और पूर्व मुख्यमंत्रियों को जेल में डालने, परिवहन, संचार और इंटरनेट को बंद करने का फैसला करते हैं, तो क्या यह सही है?

सेवा से इस्तीफा देने के बाद से, केरल में जन्मे यह आईएएस अधिकारी मानवाधिकारों के दमन और घुटन के खिलाफ मुखर रहे हैं। उन्होंने सवाल उठाया, यह सवाल सिर्फ मेरे लिए नहीं, बल्कि हम सबके लिए है। क्या यह एक लोकतांत्रिक राष्ट्र में सही हो सकता है? क्या इसके खिलाफ आवाज नहीं उठानी चाहिए थी? मैंने वह सवाल उठाया था, और मैं आज भी उस पर कायम हूँ।

कांग्रेस में औपचारिक रूप से शामिल होने से पहले, गोपीनाथन ने पार्टी अध्यक्ष और राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खड़गे और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी से मुलाकात की। केसी वेणुगोपाल ने इस अवसर पर कहा, उन्होंने 2019 में इस्तीफा दिया था, लेकिन उनका इस्तीफा अभी तक स्वीकार नहीं किया गया है। न्याय और हाशिये पर पड़े लोगों के लिए लड़ने वाले नौकरशाहों को सरकार द्वारा दंडित किया जा रहा है -यह घटना हरियाणा और मध्य प्रदेश दोनों में स्पष्ट है। यहाँ तक कि भारत के मुख्य न्यायाधीश भी इन हमलों से अछूते नहीं हैं।

अगले साल पश्चिम बंगाल के साथ-साथ केरल में भी विधानसभा चुनाव होने हैं। 2018 में अपने गृह राज्य में आई बाढ़ के दौरान, गोपीनाथन ने अपनी पहचान बताए बिना व्यक्तिगत रूप से राहत कार्यों को अंजाम दिया था। यह संभावना है कि वह राज्य और केंद्र दोनों में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

धूमकेतु 31-एटलस मंगल .. ..

करके इस दूर के मेहमान की तस्वीरें लीं। आमतौर पर, सीएएसएसआईएस को मंगल की सतह की शानदार तस्वीरें लेने के लिए डिजाइन किया गया है, लेकिन इसे 3क-एटलस जैसे अत्यंत धुंधले और दूर के पिंड को कैप्चर करने के लिए इस्तेमाल करना एक बड़ी चुनौती थी।

टीमें मार्स एक्सप्रेस पर ओमेगा और स्पीकैम स्पेक्ट्रोमीटर और टीजीओ पर नोमाड उपकरण का उपयोग करके धूमकेतु के प्रकाश स्पेक्ट्रम का अध्ययन करने का भी प्रयास कर रही हैं ताकि इसकी रासायनिक संरचना की पहचान की जा सके।

3क-एटलस हमारे सौर मंडल के बाहर से आया है, और यह 11-ओमुआमुआ और 2क बोरिसोव के बाद देखा गया केवल तीसरा अंतरतारकीय धूमकेतु है। ये बाहरी धूमकेतु हमें दूर के ब्रह्मांड में ग्रहों के निर्माण के बारे में महत्वपूर्ण सुराग देते हैं।

खगोलविदों का अनुमान है कि 3क-एटलस अब तक देखा गया सबसे पुराना धूमकेतु हो सकता है। यह हमारे 4.6 अरब वर्ष पुराने सौर मंडल से भी तीन अरब वर्ष अधिक पुराना हो सकता है।

ईएसए के मार्स एक्सप्रेस और एक्सोमार्स परियोजना वैज्ञानिक कॉलिन विल्सन ने कहा, हमारे मंगल ऑर्बिटर मंगल विज्ञान में प्रभावशाली योगदान देना जारी रखे हुए हैं, लेकिन इस तरह की अप्रत्याशित स्थितियों पर उनकी प्रतिक्रिया देखना हमेशा अतिरिक्त रोमांचक होता है।

वैज्ञानिक आने वाले हफ्तों और महीनों में डेटा का विश्लेषण जारी रखेंगे। अगले महीने, एरअ का ज्यूपिटर आईसी मून्स एक्सप्लोरर भी धूमकेतु का अवलोकन करेगा। हालांकि यह उपकरण इस समय 3क-एटलस से अधिक दूर होगा, यह सूर्य के सबसे करीब से गुजरने के तुरंत बाद धूमकेतु को देखेगा, जिससे यह अधिक सक्रिय अवस्था में होगा। उपकरण से डेटा फरवरी 2026 तक आने की उम्मीद है।

असमिया हिंदू अब 40 प्रतिशत .. ..

प्रतिशत है। 2011 की जनगणना के अनुमानों का हवाला देते हुए, उन्होंने कहा कि पिछले दशकों की तुलना में असमिया हिंदुओं की आबादी में काफी गिरावट आई है। उन्होंने जोर दिया कि गैर-असमिया समुदायों को छोड़कर, आज असमिया हिंदू 40 प्रतिशत से अधिक नहीं हैं।

मुख्यमंत्री ने वैष्णव संस्कृति के केंद्र माजुली जैसे जिलों का उल्लेख किया, जहाँ उनके अनुसार मुस्लिम आबादी में 100 प्रतिशत वृद्धि हुई है, जिसे उन्होंने घुसपैठ का परिणाम बताया, न कि केवल प्राकृतिक जनसंख्या वृद्धि का। उन्होंने यह भी बताया कि असम में ईसाई आबादी लगभग 6-7 प्रतिशत है।

उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार इस मिशन के तहत घुसपैठियों का पता लगाने, उन्हें हटाने और निर्वासित करने के लिए एक उच्च-स्तरीय समिति का गठन करेगी। इससे पहले, मुख्यमंत्री ने टिप्पणी की थी कि मिया-मुस्लिम (राज्य में बंगाली भाषी मुसलमानों के लिए इस्तेमाल होने वाला एक शब्द) अगली जनगणना में असम का सबसे बड़ा समुदाय बनकर उभर सकता है।

इस बीच, श्रीभूमि बाईपास पर वाहन पार्किंग को लेकर हुए विवाद के बाद हिंसा भड़क उठी, जिसमें एक ट्रक चालक हब्बीबुर रहमान गंभीर रूप से घायल हो गया। रेस्तरां मालिक ने चालक पर चाकू से हमला किया, जिसके बाद मालिक को गिरफ्तार कर लिया गया है। अंतर्राष्ट्रीय मानवाधिकार परिषद और ऑल असम हिंदू स्टूडेंट्स यूनियन ने पूरे असम में उच्च ध्वनि वाले पटाखों की बिक्री और उपयोग पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने की मांग की है। उन्होंने सरकार से सर्वोच्च न्यायालय और राष्ट्रीय हरित न्यायाधिकरण के उन आदेशों को सख्ती से लागू करने का आह्वान किया, जिनमें तेज और प्रदूषणकारी पटाखों पर रोक लगाई गई है।

राष्ट्रीय ख़बर
हमारी नज़र

प्रथम पृष्ठ 2

रांची मंगलवार
web : www.rashtriyakhabar.com
epaper.rastriyakhabar.com
14/10/2025

दशम फॉल में डूबे रांची के युवक की मौत

रांची : राजधानी रांची के दशम फॉल में कल शाम एक बड़ा हादसा हो गया। फॉल में डूबने से एक युवक की मौत हो गई। काफी खोजबीन के बाद भी युवक का शव अभी तक बरामद नहीं किया गया है। डूबे युवक की पहचान रोशन कुमार के रुप में हुई है जो कि पिस्का मोड़ का रहने वाला था। मिली जानकारी के मुताबिक युवक अपने कुछ साथियों के साथ दशम फॉल घूमने गया था। घूमने के दौरान सभी दोस्त नहाने के लिए फॉल पर उतरे थे। इसी दौरान रोशन आगे निकल गया। काफी देर तक वापस नहीं आने पर दोस्तों को शक हुआ। और दोस्तों ने पास में मौजूद पर्यटक मित्र को इसकी जानकारी दी।

निर्देश

दिवाली-छठ को लेकर डीजीपी की समीक्षा बैठक

विधि-व्यवस्था व अपराध नियंत्रण पर जोर

▶▶ अपराध की रोकथाम की प्रशासनिक तैयारियों पर गहन विचार-विमर्श हुआ

▶▶ त्योहारों के दौरान 24X7 नियंत्रण कक्ष में पुलिस की तैनाती सुनिश्चित करने को कहा।

राष्ट्रीय खबर

रांची: आगामी दिपावली और छठ महापर्व के मद्देनजर डीजीपी अनुराग गुप्ता ने सोमवार को पुलिस मुख्यालय, रांची में एक महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक की. यह बैठक वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से आयोजित की गई, जिसमें विधि-व्यवस्था बनाए रखने और अपराध की रोकथाम की प्रशासनिक तैयारियों पर गहन विचार-विमर्श हुआ। इस दौरान फेडरेशन ऑफ झारखंड चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज रांची के पदाधिकारियों ने भी हिस्सा लिया।

चैंबर ऑफ कॉमर्स के साथ समन्वय और सुरक्षा पर विशेष बल

डीजीपी ने सभी एसपी को राज्य में शांति व्यवस्था कायम रखने के लिए आवश्यक निर्देश दिए. उन्होंने त्योहारों के दौरान 24X7 नियंत्रण कक्ष में पुलिस पदाधिकारी और बल की तैनाती सुनिश्चित करने को कहा। धनतेरस के पर्व को देखते हुए चोरी और छिनतई की घटनाओं पर रोक लगाने के लिए बाजार क्षेत्रों में नियमित गश्त करने का निर्देश दिया गया। दीपावली के मद्देनजर संवेदनशील स्थानों पर अग्निशमन वाहनों की प्रतिनियुक्ति करने का आदेश दिया गया। सभी छठ घाटों - नदी, तालाब, डैम आदि जगहों को सुरक्षित करने और विधि-व्यवस्था बनाए रखने के लिए सभी प्रकार के सुरक्षात्मक उपाय किए जाने पर बल दिया गया। अवैध शराब और ड्रग्स के कारोबार में संलिप्त अपराधियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई करने का निर्देश दिया गया।

बैठक में सभी एसपी को यह भी निर्देश दिया गया कि वे अपने-अपने जिलों में चैंबर ऑफ कॉमर्स के साथ समन्वय स्थापित करें और उनकी समस्याओं के समाधान के लिए हर महीने पदाधिकारियों के साथ बैठक करें।

विमान हादसे में रांची के युवक की मौत

रांची : राजधानी रांची के लिए एक दु:खद घटना सामने आयी है जहां दक्षिण अफ्रीका के जोहानसबर्ग में पायलट ट्रेनिंग के दौरान प्लेन क्रैश होने के कारण रांची के एक युवक की दर्दनाक मौत हो गई। युवक की पहचान पीयूष पुष्प के रुप में हुई है जो कि रांची के अरगोड़ा कटहल मोड़, लाजपत नगर का रहने वाला था। घटना के बाद परिजनों में शोक की लहर दौड़ पड़ी है। मिली जानकारी के मुताबिक रांची के रहने वाले पीयूष पुष्प का चयन पायलट ट्रेनिंग के लिए हुआ था। वह दक्षिण अफ्रीका के जोहानसबर्ग में पायलट ट्रेनिंग ले रहा था। ट्रेनिंग के दौरान पुष्पक विमान उड़ा रहा था इसी दौरान अचानक प्लेन में तकनीकी खराबी आ गई। देखते ही देखते विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया। इस प्लेन हादसे में पुष्पक गंभीर रुप से घायल हो गया। जोहानसबर्ग में भारतीय दूतावास के माध्यम से पीयूष का पार्थिव शरीर भारत लाने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। बताते चलें कि पीयूष रांची स्थित जवाहर विद्या मंदिर, श्यामली का पूर्व छात्र था। उसके पिता टीएन साहू भी उसी स्कूल में शिक्षक है।

नाबालिग से सामूहिक दुष्कर्म, पांच आरोपी की हुई पहचान

राष्ट्रीय खबर

रांची: राजधानी के रातू थाना क्षेत्र में दिल दहलाने वाली घटना घटी है। नाबालिग के साथ सामूहिक दुष्कर्म की घटना घटी है। लड़की की मेडिकल जांच करा ली गई है। आरोपियों की पहचान हो चुकी है। सभी की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी चल रही है। घटना रविवार रात की है। पुलिस के मुताबिक लड़की कहीं से रात के वक्त घर लौट रही थी, इसी दौरान बदमाशों ने इस जघन्य घटना को अंजाम दिया। रातू थाना प्रभारी के अनुसार एफआईआर दर्ज कर ली गई है। आरोपियों की पहचान हो चुकी है। इस घटना में कुल पांच लोग शामिल थे। आरोपियों को गिरफ्तार करने के लिए लगातार छापेमारी की जा रही है। पॉक्सो एक्ट की धाराएं लगाई गई हैं। इस घटना से पूरे इलाके में सनसनी फैल गई है। उपलब्ध जानकारी के मुताबिक दो युवकों को पूछताछ के लिए हिरासत में लिया गया है। विदित हो कि पिछले दिनों तमाड़ इलाके में भी इसी तरह की घटना घटी थी। जिसमें एक युवती को उसके ही मौसेरे भाई ने मेला देखने के बहाने बुलाया था। जिसके बाद अन्य युवकों ने उसका अपहरण कर लड़की के साथ सामूहिक दुष्कर्म किया। पुलिस ने इस मामले में त्वरित कार्रवाई करते हुए छह आरोपियों को शिकंजे में लिया, जिनमें दो नाबालिग शामिल हैं। वहीं चार आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की जा रही है।

झारखंड पुलिस नियम कानून को दिखा रही ठेंगा: बाबूलाल मरांडी

राष्ट्रीय खबर

रांची: भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एवम नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने झारखंड पुलिस के काम करने के तरीके पर बड़ा सवाल उठाया। उन्होंने कहा कि झारखंड पुलिस मुख्यालय का यह कैसा मजाक है?हमारे पास राजधानी रॉंची में एसएसपी डीआईजी , और आईजी जैसे उच्च-रैंकिंग अधिकारी हैं, लेकिन जब रांची के गोंदा और नामकुम थानों से जुड़े एक गंभीर आपराधिक मामले (आवेदिका खुशी तिवारी के अभ्यावेदन) की जाँच समीक्षा करने की बारी आई, तो यह काम पुलिस डीआईजी (बजट) को सौंपा गया है। उन्होंने कहा कि क्या डीजीपी की नजर में रॉंची में तैनात ये अधिकारी इतने सक्षम अधिकारी नहीं हैं कि उन्हें वित्तीय मामलों के डीआईजी को जाँच का काम सौंपना पड़ा? यह पुलिस बल की अक्षमता और नियमों के घोर उल्लंघन का प्रमाण है।

उन्होंने कहा कि एक तरफ सरकार आईआरबी/जैप बटालियन की महिला आरक्षियों को उनके विशेष प्रशिक्षण के विपरीत, थानों में मुंशी (क्लर्क) का गैर-कानूनी काम देने को उतावली है जिससे कई बटालियनों में 15% से अधिक बल अनआर्म्ड ड्यूटी में चला जा रहा है ।दूसरी तरफ, जब एक संवेदनशील मामले की समीक्षा की बात आई, तो इसे बजट विभाग को सौंप दिया।

उन्होंने कहा कि अगर रॉंची के उच्चाधिकारी इतने ही नाकारा हैं कि वे जाँच के बुनियादी काम भी नहीं कर सकते, तो उन्हें पद से हटा देना चाहिए। उन्होंने कहा कि कल को क्या जैप के बाकी जवानों को भी अपराध नियंत्रण और कानून-व्यवस्था संभालने के बजाय हिसाब-किताब के लिए बजट विभाग में भेज देंगे, ताकि जब केंद्र सरकार को चुनाव या अन्य ड्यूटी के लिए बल चाहिए हो, तो राज्य सरकार असुविधा के लिए खेद प्रकट कर सके।

उन्होंने कहा कि हद है इस अंधेरेगर्दी का। लगता है पुलिस विभाग में सबकुछ बिना नियम कानून के ठीक वैसे ही चलता है जैसे संवैधानिक कायदे-कानून और अखिल भारतीय पुलिस सेवा के नियमों को ठेंगा दिखाकर एक रिटायर्ड आईपीएस वर्दी पहन कर डीजीपी के पद को चला रहे हैं।

ज्वेलरी शॉप में ठगी का प्रयास विफल

अंतर्राज्यीय ठग गिरफ्तार

राष्ट्रीय खबर

रांची: सुखदेवनगर थाना क्षेत्र 12 बजे न्यू मार्केट चौक स्थित न्यू चंदन ज्वेलर्स नामक दुकान में एक व्यक्ति को दो अंगूठी खरीदने के बहाने ठगी करते हुए रंगे हाथों पकड़ा गया। ज्वेलरी दुकानदार को ग्राहक के व्यवहार पर संदेह हुआ, जिसके बाद उन्होंने तत्काल इसकी सूचना पुलिस को दी। पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए घटनास्थल पर पहुंचकर छानबीन शुरू की और ठगी करने का प्रयास कर रहे व्यक्ति को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार व्यक्ति की पहचान रितेश राज उर्फ सोनू राजा बीघा, थाना फतेहपूर, जिला गया, बिहार के रूप में हुई है। पूछताछ में रितेश राज उर्फ सोनू ने अपनी अपराध शैली का विस्तृत खुलासा किया, उसने बताया कि वह अपने सहयोगी अभय के साथ मिलकर रांची के विभिन्न एटीएम सेंटरों में ग्राहकों के एटीएम कार्ड फंसाकर उनका पिनकोड प्राप्त करते थे और फिर उनके खाते से पैसे की चोरी करते थे।उनकी कार्यशैली यह थी कि वे एटीएम मशीन में कार्ड प्रवेश स्थान पर गोंद लगा देते थे, जिससे ग्राहक का एटीएम कार्ड मशीन में ही चिपक जाता था। इसके बाद, रितेश राज उर्फ सोनू एटीएम सेंटर में प्रवेश कर, ग्राहक को अपने सहयोगी अभय का एक फर्जी मोबाइल नंबर देकर संपर्क करने को कहते थे, यह बताते हुए कि वह एटीएम के इंजीनियर हैं। इस बातचीत के दौरान वे ग्राहक से चतुराई से उसका पिनकोड प्राप्त कर लेते थे। फिर, वे कार्ड निकालकर दूसरे एटीएम से पैसे की चोरी करते थे।

रंगदारी मांगने आया अपराधी पुलिस के मुठभेड़ में घायल

कुछ घंटों के अंदर दो मुठभेड़, कार्बाइन और पिस्टल बरामद

राष्ट्रीय खबर

रांची: राजधानी की पुलिस के संगठित व असंगिठत अपराधियों के खिलाफ चलाये जा रहे अभियान का असर दिखने लगा है। सोमवार को कुछ घंटों के भीतर अपराधियों के साथ मुठभेड़ की दूसरी घटना घटी है। मामला मैक्लुस्कीगंज थाना क्षेत्र का है। पुलिस की जवाबी कार्रवाई में प्रभात राम नाम का कुख्यात अपराधी घायल हुआ है। उसके एक साथी संजय राम को पुलिस ने धर दबोचा है। घटनास्थल से एक कार्बाइन और पिस्टल भी मिला है। रांची के ग्रामीण एसपी प्रवीण पुष्कर ने इसकी पुष्टि की है।पुलिस के मुताबिक अपराधियों द्वारा रंगदारी मांगे जाने की गुप्त सूचना मिली थी। इसी आधार पर संभावित क्षेत्र में गश्त तेज कर दी गई थी। इसी दौरान बाइक सवार संदिग्ध को पुलिस ने रोकने के लिए इशारा किया तो अपराधियों ने जीप पर गोली चला दी। लिहाजा, पुलिस की जवाबी कार्रवाई में अपराधी प्रभात राम घायल हो गया। घायल को अस्पताल में भर्ती करा दिया गया है। फिलहाल, पूरे इलाके में गश्त तेज कर दी गई है।पुलिस का कहना है कि प्रभात राम का गिरोह टीपीसी के नाम पर दहशत फैलाकर वसूली करता था। खासकर ईंट भट्ठा और कोयला कारोबारियों से रंगदारी मांगता था। पैसे नहीं देने पर दहशत फैलाने के लिए फायरिंग करवाता था। कारोबारियों को चिट्ठी देकर कहता था कि पैसे नहीं मिलने पर बुरा अंजाम होगा। सोमवार को भी यह गुट किसी से रंगदारी वसूलने पहुंचा था। लेकिन पुलिस को भनक लग चुकी थी। घटनास्थल से बाइक भी बरामद किया गया है।बता दें कि सोमवार की सुबह रांची के बालसिरिंग के पास सुजीत सिन्हा गैंग के अपराधियों के साथ पुलिस की जबरदस्त मुठभेड़ हुई थी। जिसमें एक अपराधी घायल हुआ है। अन्य दो अपराधियों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने मुठभेड़ वाले स्थान से तीन हथियार भी बरामद किए हैं। इस घटना के कुछ घंटे बीतते ही मैक्लुस्कीगंज में दूसरी मुठभेड़ हो गई। दोनों कांड में पुलिस को सफलता हाथ लगी है।

हजारीबाग जेल अधीक्षक जितेंद्र सिंह से एसीबी ने की पूछताछ

राष्ट्रीय खबर

रांची: हजारीबाग सेंट्रल जेल के जेल अधीक्षक जितेंद्र सिंह से एसीबी ऑफिस में पूछताछ हुई है। पूछताछ होने के वजह से कारा विभाग के अधिकारियों से उनका संपर्क नहीं हो पाया था, जिस वजह से उनकी जगह मादेव प्रिया को हजारीबाग जेल अधीक्षक का अतिरिक्त प्रभार दिया गया था।यह कार्रवाई हजारीबाग में हुए भूमि घोटाले में शामिल आरोपी विनय सिंह के मददगारों के खिलाफ चल रही कार्रवाई की कड़ी के रूप में देखी जा रही है, जिसने जेल प्रशासन में हड़कंप मचा दिया है।

जेल में आईफोन 15 और वीआईपी ट्रीटमेंट पर उठे सवाल

प्रशासन के भीतर सबसे बड़ा सवाल यह है, कि आखिर जेल के भीतर भूमि घोटाले के मुख्य आरोपियों में से एक विनय कुमार सिंह को किसने और कैसे मदद पहुंचाई? अधिकारी यह पता लगाने की कोशिश कर रहे हैं, कि जेल के भीतर तक आईफोन 15 जैसा महंगा फोन कैसे पहुंचा और किसकी मदद से विनय सिंह को पहले 'फैक्ट्री वार्ड' में रखा गया, फिर अस्पताल और अंततः'अंडा सेल' तक पहुंचने की नौबत आई।

राजधानी रांची में ज़ुआड़ियों का मजमा

रांची : राजधानी सहित आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में जुआड़ियों का मजमा लगा है। दीपावली आते ही जुआ खेलनेवालों को त्योहार का मौका मिल जाता है। गली मुहल्लो के नुक्कड़ो पर किनारा देखकर सब बैठ करजुआ खेलते देखे जा सकते है। पुलिस की नजर बचाकर जुआ खेलने में मशगुल देखने को मिलते है। जैसे ही पुलिस की आहट पाकर सब तितर बितर होने लगते है। पुलिस भी बस खानापूर्ति करती है।

एमजीएम अस्पताल जमशेदपुर के संचालन के लिए अनुश्रवण समिति गठित हो : सरयू राय

राष्ट्रीय खबर

रांची: जमशेदपुर पश्चिमी के विधायक सरयू राय ने प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री इरफान अंसारी को पत्र लिख कर एमजीएम अस्पताल, जमशेदपुर के सुचारू परिचालन के लिए एक सक्षम अनुश्रवण समिति गठित करने का आग्रह किया है।कहा है कि एमजीएम अस्पताल के सुचारू संचालन के लिए सरकार द्वारा एक सक्षम समन्वय एवं अनुश्रवण समिति गठित करना आवश्यक प्रतीत हो रहा है, जिसमें स्थानीय सांसद और विधायक भी शामिल किये जाएं।

आनन-फानन में अस्पताल का हुआ उद्घाटन

2024 के विधानसभा चुनाव के ठीक पहले राजनीतिक लाभ लेने के उद्देश्य से जिस प्रकार आनन-फानन में अस्पताल का उद्घाटन मुख्यमंत्री को अंधेरे में रखकर स्वास्थ्य विभाग द्वारा करा दिया गया, उसका खामियाजा अभी तक अस्पताल प्रबंधन, मरीजों तथा मरीजों के परिजनों को भुगतना पड़ रहा है।

साल भर का समय बीत जाने के बावजूद पुराने अस्पताल का सफल स्थानांतरण नये भवन में नहीं हो पाया है। वियक ने पत्र में आशंका जताई है कि अगर सक्षम अनुश्रवण समिति नहीं बनी तो आशंका है कि पुराने अस्पताल के साथ-साथ वहां की पुरानी समस्याएं भी नए भवन में स्थानांतरित हो जाएंगी।नए भवन में पानी की कोई व्यवस्था नहीं है

जिस समय एमजीएम अस्पताल के अधूरे भवन का उद्घाटन हो रहा था, उस समय उन्होंने सवाल उठाया था कि अस्पताल के नए भवन में पानी की कोई व्यवस्था नहीं है, इसके बावजूद इसका उद्घाटन हो रहा है और पुराने अस्पताल को इसमें शिफ्ट करने की कवायद की जा रही है। देश में यह पहला अस्पताल होगा जो पानी की व्यवस्था नहीं होने के बावजूद उद्घाटित हो रहा है। सरयू राय ने यह भी पूछा था कि पानी के अभाव में अस्पताल का संचालन कैसे संभव हो सकता है? तब जाकर उद्घाटन के बाद अफरातफरी में पांच डीप बोरिंग अस्पताल परिसर में कराए गये जो नियमानुसार नहीं हैं। अभी तक इन्हीं पांच डीप बोरिंग से अस्पताल में जलापूर्ति हो रही है, जो अपर्याप्त है।

घटिया स्तर के लगाए गए हैं आरओ और नल

अस्पताल भवन का निर्माण करने वाले ठेकेदार एलएंडटी ने अस्पताल भवन में बोरिंग का पानी साफ करके पीने योग्य बनाने के लिए जितने भी आरओ एवं नल लगाये, वे सभी घटिया स्तर के हैं। नल टिकाउ नहीं होने के कारण ध्वस्त हो जा रहे हैं और पेयजलापूर्ति ठप हो जा रही है।

मालदा रेल मंडल के बरहड़वा रेलवे स्टेशन में झांसा, अगवा और धर्मांतरण के मामले से माहौल गर्म

आरपीएफ के जवानों की सतर्कता से एक नाबालिग लड़की को मुक्त कराया

▶▶ असली नाम और आधार कार्ड में दर्ज नाम ने खोला घिनौना राज

राष्ट्रीय खबर

साहिबगंज/रांची : मालदा रेल मंडल के बरहड़वा रेलवे स्टेशन में आरपीएफ के जवानों की सतर्कता से एक नाबालिग लड़की को मुक्त कराया गया। रविवार देर रात लड़की के माता-पिता व थाना के एएसआई सड़क मार्ग से बरहड़वा पहुंचे और कागजी प्रक्रिया के बाद आरपीएफ बरहड़वा ने सुरक्षित सुपुर्द कर दिया। साथ ही युवक को भी पुलिस अपने साथ लेकर गई। साधारण सा लगने वाला ये मामले ने एक बड़ा रूप तब ले लिया जब लड़की के नाम के साथ उसके आधार कार्ड का मिलान किया गया। प्रेम प्रसंग झांसे में बदल गया और केस धर्मांतरण का निकलकर सामने आया।आरपीएफ द्वारा मुक्त कराई गयी नाबालिग लड़की हरियाणा के गुड़गांव की रहने वाली है और उसका स्थायी पता नेपाल है। उसके पिता वहीं होटल में खाना बनाने का काम करते हैं। माता घर-घर जाकर कामकाज करती है। नाबालिग लड़की की दो बहनें और एक भाई हैं। वह कक्षा सात की छात्रा है। एक माह पहले उसके मकान के सामने रहने वाले साहेल अली से बातचीत शुरू हुई। दोनों का फोन नंबर एक्सचेंज होता है और दोनों लगातार बातें करते-करते करीब आने लगते हैं। अपना असली पहचान बताए बिना ही एक महीने बातचीत करने के बाद साहेल अली नाबालिग लड़की को

अपनी बातों से झांसे में ले लेता है और अपने साथ चलने के लिए कहता है।क्योंकि लड़की नाबालिग है इसलिए आधार कार्ड में उसकी उम्र 18 साल और नाम रेशमा खातून करके व बुर्का पहनाकर बंगाल ले जाने की तैयारी में था। शादी का झांसा देकर वह नाबालिग लड़की को भगाकर दिल्ली अपने एक दोस्त के रूम में ले आया। युवक वहां पर लड़की का आधार कार्ड बदलवा देता है। जिसमें अब उसका नाम रेशमा खातून कर दिया जाता है। लड़की को दिल्ली में ही लड़के के अन्य समुदाय के होने की बात पता चलती है। अब साहेल अली लड़की को बुर्का पहनाकर दिल्ली से कटिहार जानेवाली ट्रेन में जनरल टिकट लेकर चढ़ जाता है।साहेल अली नाबालिग लड़की को अपने घर शुरून, उत्तर दिनाजपुर, पश्चिम बंगाल ले जाना चाहता है। उसके पिता का नाम अब्दुल मन्नान है। रास्ते में साहेल अली लड़की को उसकी मां से कोलकाता जाने की बात कहने को बोलता है। साथ ही वो मुंबई चले जाने की जानकारी देता है। वह कहता है कि मुंबई में उन दोनों को कोई ढूंढ नहीं पाएगा। दोनों ट्रेन में सफर के दौरान लड़की को आत्मगलानी हुई और किसी अनहोनी की आशंका भी मन में घर कर गयी। इसको देखते हुए साबिहगंज के बरहड़वा रेलवे स्टेशन पर रविवार की रात ब्रह्मपुत्र ट्रेन से नाबालिग ट्रेन से उतरी तो उसके साथ उसका बॉयफ्रेंड भी समझाने के लिए उतर गया। आरपीएफ ने गश्ती के दौरान लड़की से पूछताछ की।ये मामला संदिग्ध प्रतीत होने पर दोनों को आरपीएफ पोस्ट लाया गया, जहां इस पूरे मामले का खुलासा हुआ। आरपीएफ को घटना की जानकारी मिलने के बाद आरपीएफ के इंस्पेक्टर संजीव कुमार ने नाबालिग लड़की के परिजनों से संपर्क किया और उन्हें घटना की जानकारी दी। लड़की के मिलने की खबर मिलने के तुरंत बाद उसके परिजन बरहड़वा के लिए निकल गए। जिस दिन नाबालिग लड़की गुड़गांव से लापता हुई थी। उसी दिन पिता ने थाना नाथोपुर, गुड़गांव में 9 अक्टूबर को लड़की के गुमशुदगी की शिकायत दर्ज कराई थी। जहां पुलिस कांड संख्या 0283/25 दर्ज कर छानबीन कर रही थी। इसी के क्रम में गुड़गांव की पुलिस भी साहिबगंज पहुंची और नाबालिग लड़की और आरोपी युवक को अपने साथ ले गया।